खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-229

गृह मंत्रालय को भेजी गई रॉ और आईबी की चौंकाने वाली रिपोर्ट

बांग्लादेश का ऐतिहासिक सीताकुंड मंदिर नष्ट करने की तैयारी

नई दिल्ली/ढाका, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की खुफिया एजेंसियों रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय को चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश की चंद्रहार पहाड़ी पर स्थित पौराणिक सीताकुंड मंदिर को ध्वस्त कर वहां मस्जिद खड़ी करने की योजना पर काम चल रहा है। कट्टर इस्लामिक तत्वों और आतंकी संगठनों की इस तैयारी को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का सीधा संरक्षण और सहयोग मिल रहा है। सीताकुंड मंदिर के साथ-साथ कई अन्य ऐतिहासिक हिंदू मंदिर भी निशाने पर हैं। दरअसल, बांग्लादेश से हिंदुओं का नामो निशान मिटा डालने पर वहां तेजी से काम हो रहा है। खुफिया एजेंसियों ने व्यापक हिंसा भड़कने की आशंका जताई है और कहा कि इसका असर भारत के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ेगा।

बांग्लादेश अपनी संप्रभुता और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहा है। 2024 के जेहादी तख्तापलट के बाद से, देश की अल्पसंख्यक आबादी विशेष रूप से हिंदुओं का सुनियोजित रूप से सफाया किया जा रहा है। हिंदुओं के पवित्र धर्म स्थलों को नष्ट किया जा रहा है और हिंदुओं को लक्षित उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। इस भयावह अभियान के केंद्र में पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) है। आईएसआई आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के माध्यम से हिंदू धार्मिक विरासत को मिटाने और देश को भारत के खिलाफ जेहाद के लिए एक प्रमुख अड्डे में बदलने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से साठगांठ कर आईएसआई बांग्लादेश में अपना नेटवर्क फैला रही है।

पिछले साल के तख्तापलट के बाद से, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक लगातार उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, देशभर में प्राचीन हिंदू मंदिरों और पवित्र स्थलों के खिलाफ साजिश रचने के लिए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का इस्तेमाल कर रही है।

आईएसआई समर्थित तत्वों के निशाने पर कई पौराणिक मंदिर

व्यापक हिंसा भड़कने की आशंका सीमाई राज्य होंगे प्रभावित

चिंताजनक बात यह है कि लश्कर और उसके सहयोगी जेहादी समूहों के सदस्य सार्वजनिक रूप से इन इरादों का बेशर्मी से ऐलान कर रहे हैं, जिससे बांग्लादेश के हिंदू समुदाय में व्यापक भय और गुस्सा फैल रहा है। 16 अगस्त 2025 को एमएम सैफुल इस्लाम नाम के एक इस्लामवादी ने सीताकुंड पर्वत की चोटी पर मस्जिद निर्माण का ऐलान किया। इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए उसने चटगांव स्थित हत्जारी मदरसे हिफाजत-ए-इस्लाम (एचईएल) के मुख्यालय में लश्कर-ए-तैयबा और हरकत-उल-जेहाद अल-इस्लामी से जुड़े आतंकी सरगना मुफ्ती हारुन इजहार से मुलाकात की। हारुन इजहार को अवामी लीग के शासनकाल में 2013 से 2019 तक जेहादी हमलों की लहर के दौरान उग्रवाद में शामिल होने के आरोप में कई बार गिरफ्तार किया गया था। हारुन पर हिंदू समुदाय के लोगों, विदेशियों और पुलिस अधिकारियों की लक्षित हत्याओं के गंभीर मामले दर्ज हैं।

इन आतंकियों की निगाह बांग्लादेश में एक हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित चंद्रनाथ मंदिर पर है। यह हिंदुओं का पूजनीय शाक्त पीठ है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, यहीं पर देवी सती की दाहिनी भुजा गिरी थी। इस पवित्र भूमि पर मस्जिद बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इनका इरादा इस स्थान से मंदिर की शिनाख्त मिटाना है। इस कट्टरपंथी मुहिम को जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और हिफाजत-ए-इस्लाम सहित कई कट्टर इस्लामी संगठनों का सक्रिय समर्थन मिल रहा है। इसमें अल-कायदा से जुड़े अंसार अल-इस्लाम के सरगना जशीमुद्दीन रहमानी की भी मदद मिल रही है। इस इस्लामी साजिश का तात्कालिक लक्ष्य 11वीं शताब्दी के सीताकुंड चंद्रनाथ धाम को मिटाना है। यह दक्षिण एशिया में हिंदुओं और बौद्धों के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। हर फरवरी में शिव चतुर्दशी के लिए हजारों की संख्या में लोग यहां इकट्ठा होते हैं। इस स्थल को पहले ही कई खतरों का सामना करना पड़ चुका है। 2023 में इस्लामी कट्टरपंथियों ने खुलेआम घोषणा की थी कि वे चंद्रनाथ पहाड़ी पर कब्जा कर उसकी चोटी पर मस्जिद बनाएंगे। इस्लामी कट्टरपंथी मुहम्मद शब्बीर बिन नजीर ने तो पहाड़ी की चोटी पर अजान और नमाज अदा करने का दावा भी किया था। धार्मिक अतिक्रमण के अलावा, इस्लामी कट्टरपंथियों ने भयावह ▶10पर

संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा, तोड़फोड़ की कोशिश

सड़कछाप हरकतों पर स्पीकर ने दी सख्त चेतावनी

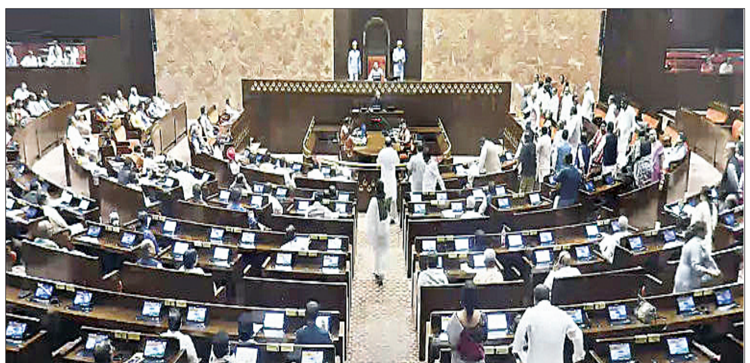

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में किए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी सांसदों ने आज लोकसभा और राज्यसभा में सदन की कार्यवाही नहीं चलने दी। विपक्षी सांसदों ने संसद को सड़कछाप बना कर रख दिया। नारों की तख्तियां लेकर सदन में ही प्रदर्शन करते रहे और शोर करते रहे। सांसदों ने सदन में तोड़फोड़ करने की भी कोशिश की, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें हिदायत दी कि सदन में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का उन्हें अधिकार नहीं है। सख्त कार्रवाई की चेतावनी मिलने पर विपक्षा सांसदों ने उपद्रव करना बंद किया, लेकिन शोर-शराबा करते रहे, जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई और उसे बार-बार स्थगित करना पड़ा।

संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों ही सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। संसद के निचले सदन में विपक्ष का बर्ताव आक्रामक होने की वजह से उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष के ऐसे बर्ताव की वजह से उन्हें निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ सकती है। सदन में विपक्ष प्रश्नकाल के दौरान हंगामा कर रहा था। विपक्ष के नेता वेल तक पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। वे एसआईआर और अन्य मुद्दों पर विरोध दर्ज करा रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, यदि आप उसी ताकत से सवाल पूछते हैं जिसके साथ आप नारे लगा रहे हैं, तो यह

सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं: ओम बिरला

नारों की तख्तियां लेकर सदन में करते रहे शोर-शराबा

देश के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। लोगों ने आपको सरकारी संपत्ति को तोड़ने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूं और आपको चेतावनी देता हूं कि किसी भी सदस्य को सरकारी संपत्ति को तोड़ने का विशेषाधिकार नहीं है। यदि आप सरकारी संपत्ति को तोड़ने की कोशिश करते हैं, तो मुझे कुछ निर्णायक फैसले लेने होंगे और देश के लोग आपको देखेंगे। कई विधानसभाओं में ऐसी घटनाओं के लिए सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूं। सरकारी संपत्ति को नष्ट करने की कोशिश न करें। यह मेरा आपसे अनुरोध है।

इससे पहले बिहार में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने वोट चोर, गड्डी छोड़ और वोट चोरी बंद करो के नारे लगाए। उन्होंने वोट चोरी लिखा एक बड़ा बैनर और एसआईआर रोको की मांग वाले पोस्टर भी ले रखे थे।

दोपहर 12 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। इस दौरान सरकार की तरफ से एक विधेयक पेश किया गया। वहीं पीठासीन स्पीकर ने विपक्ष के न शांत होने की स्थिति में सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, ▶10पर

चुनाव आयोग ने एसआईआर के नतीजे सार्वजनिक किए

मतदाता सूची से हटाए गए करीब 66 लाख नाम जारी

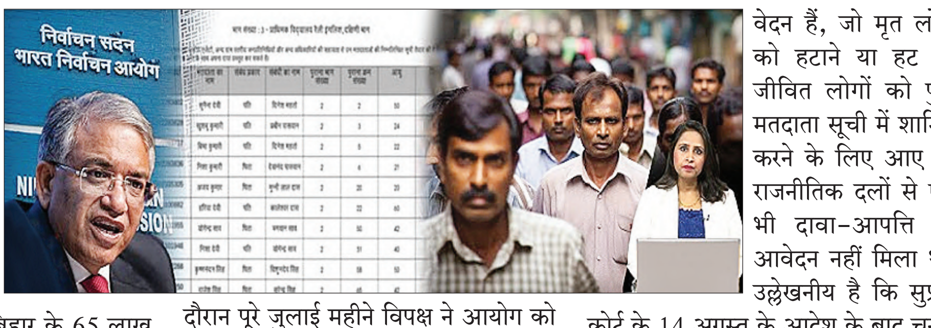

नई दिल्ली/पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद हटाए गए 65 लाख वोटरों का विवरण पब्लिक डोमेन में जारी कर दिया है। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल पर बिहार के 65 लाख वोटरों की सूची जारी की गई है, जिन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया है। आयोग ने बताया कि जिन नामों को ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाया गया है, वे एएसडी (एबसेंट, शिफ्टेड, डेड) श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। इनमें मृतक मतदाता, स्थानांतरित मतदाता, गैरमौजूद या दोहरे पंजीकरण वाले मतदाता शामिल हैं।

आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, हटाए गए नामों में से लगभग 36 लाख लोग स्थायी रूप से पलायन (माइग्रेट कर चुके हैं, जबकि 22 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। शेष नाम अनुपस्थित या दोहराव की श्रेणियों में आते हैं। बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ है। पहले मसौदा मतदाता सूची में 7.24 करोड़ नाम शामिल थे। इसके बाद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण में 65 लाख नामों को हटा दिया गया था। इस पर विपक्षी दलों ने जबरदस्त आपत्ति जताई और बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे भारत निर्वाचन आयोग को निशाने पर ले लिया। बिहार में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान पूरे जुलाई महीने विपक्ष ने आयोग को परेशान किए रखा। फिर एक अगस्त को इस पुनरीक्षण के बाद आयोग ने जब मृत/स्थायी तौर पर मतदान क्षेत्र छोड़ जाने/क्षेत्र में नहीं रहने/दो जगह में से एक जगह के वोटर लिस्ट से हटाने की जानकारी देते हुए 65 लाख वोटरों को हटाने का ऐलान किया तो विपक्ष ने हमले तेज कर दिए। यह हमला

कुल 65.89 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटे

केवल 28,370 आपत्तियां मिलीं, राजनीतिक दल लापता

वोट चोरी के अभद्र नारे तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने भी आयोग को इन 65 लाख वोटरों की सूची जारी करने के लिए कह दिया। चुनाव आयोग ने सोमवार 18 अगस्त को यह जारी कर दिया।

निर्वाचन आयोग के पास 15 अगस्त को शाम चार बजे के पहले तक 28,370 मतदाताओं के दावा-आपत्ति के आवेदन मिले थे। आयोग के अनुसार यह ऐसे आवेदन हैं, जो मृत लोगों को हटाने या हट गए जीवित लोगों को पुन: मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आए थे। राजनीतिक दलों से एक भी दावा-आपत्ति का आवेदन नहीं मिला था। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के 14 अगस्त के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने यह सूची प्रकाशित की है। लिस्ट में उन मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जिनके नाम बिहार में एसआईआर के बाद प्रकाशित मसौदा सूची से हटाए गए थे। मतदाताओं को अपने नाम आसानी से जांचने में मदद करने के लिए ईसी बिहार की वेबसाइट पर एक नया लिंक भी सक्रिय किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को गुरुवार को निर्देश दिया था कि वह बिहार की मतदाता सूची के एसआईआर में पारदर्शिता बढ़ाए। इसके लिए मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण प्रकाशित करे। साथ ही उन्हें शामिल न करने के कारण भी बताए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर कराने के 24 जून के आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने टेलीविजन समाचार चैनलों और रेडियो के माध्यम से व्यापक प्रचार करने पर जोर दिया, ताकि लोगों को उन स्थानों के बारे में जानकारी दी ▶10पर

उत्तराखंड में नए शिक्षा विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी

मदरसों में अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे भी पढ़ेंगे

देहरादून, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान विधेयक, 2025 को पेश करने के निर्णय को मंजूरी दे दी है। यह विधेयक मदरसा बोर्ड और राज्य में अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित संस्थानों को नियंत्रित करने वाले नियमों को निरस्त कर देगा। आधिकारिक सूचना के अनुसार, प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लाभों को मुसलमानों के अलावा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों तक पहुंचाना है।

इस बिल के सामने आने से मुस्लिम समुदाय में यह चिंता पैदा हो गई है कि प्रस्तावित कानून संविधान के अनुच्छेद 26 और 30 के तहत उनके अधिकारों का हनन कर सकता है जो शैक्षणिक संस्थान चलाने और धार्मिक मामलों के प्रबंधन के अधिकार प्रदान करते हैं। प्रस्तावित विधेयक के लागू होने से 1 जुलाई 2026 से ▶10पर

लोकसभा में जन विश्वास विधेयक पेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025 सोमवार को लोकसभा में पेश किया गया। 350 से अधिक संशोधन प्रस्ताव आने पर इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। विधेयक जीवन और व्यापार को सुगम बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रावधान करता है। विधेयक पेश करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह विधेयक व्यापार को सुगम बनाने के लिए विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसके बाद विधेयक को लोकसभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया है।

यह विधेयक हंगामे के बीच पेश किया गया, क्योंकि विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची संशोधन और अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन जारी रहने के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस विधेयक के माध्यम से 350 से अधिक प्रावधानों में संशोधन प्रस्तावित है। विधेयक देश के कारोबारी

प्रवर समिति के विचारार्थ भेजा गया

माहौल को बेहतर बनाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

इससे पहले 2023 में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम पारित किया गया था, जिसके तहत 19 मंत्रालयों और विभागों की ओर से प्रशासित 42 केंद्रीय अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त कर दिया गया था। इस अधिनियम के माध्यम से सरकार ने कुछ प्रावधानों में कारावास या जुर्माने को हटा दिया। कुछ नियमों में कारावास को हटा दिया गया और जुर्माने को बरकरार रखा गया, जबकि कुछ मामलों में कारावास और जुर्माने को दंड में बदल दिया गया।

विधेयक में 350 से अधिक प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। यह देश के कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। विधेयक का उद्देश्य कुछ छोटे-मोटे अपराधों को अपराध-मुक्त बनाकर भरोसा आधारित शासन को बढ़ाना देना और जीवन व कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में कहा था, हमारे देश में ऐसे कानून हैं, जो सुनने में भले ही आश्चर्यजनक लगें, लेकिन मामूली बातों पर कारावास का प्रावधान करते हैं, ▶10पर

ओड़ीशा के 6 जिलों में मिला 20 टन सोने का भंडार

खदानों की नीलामी की तैयारी, जीएसआई का काम जारी

भुवनेश्वर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ओड़ीशा राज्य इन दिनों सोना भंडार के कारण चर्चा में है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से पता चला है कि ओड़ीशा के 6 जिलों में तकरीबन 10 से 20 टन सोना दबा है। इन छह जिलों में अड़स-रामपल्ली, सुंदरगढ़, नवरंगपुर, केंदुझर, अनुगुल और कोरापुट शामिल हैं। इसके अलावा मयूरभंज, मलकानगिरी, संबलपुर और बौद्ध में भी सोने की खोज जारी है। शोध का काम पूरा होते ही राज्य सरकार सोने की खदानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करेगी। विशेषज्ञ ऐसा मान रहे हैं कि अगर खनन की प्रक्रिया सफल हो गई तो इससे राज्य की आय में बढ़ोतरी होगी और युवाओं को रोजगार के बेहतर विकल्प मिलेंगे। सरकार ने खनन कार्य पर कहा है कि वह पर्यावरणीय मानक देखते हुए ही आगे काम करेंगे। प्रभावित गांव और स्थानीय लोगों के पुनर्वास का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा।

दुर्लभ और अद्भुत घटना ने कर दिया खगोलविदों को हैरान

वाशिंगटन,18 अगस्त (एजेंसियां) ।

धरती से लगभग 700 मिलियन लाइट-ईयर्स दूर स्थित गैलेक्सी क्लस्टर अबेल 3667 में पहली बार वैज्ञानिकों ने देखा है कि एक गैलेक्सी से तारे निकलकर दूसरी गैलेक्सी की ओर खिंच रहे हैं। अंतरिक्ष में हो रही एक दुर्लभ और अद्भुत घटना ने खगोलविदों को हैरान कर दिया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अबेल 3667 वास्तव में दो छोटे गैलेक्सी क्लस्टरों के विलय का नतीजा है। इनका टकराव लगभग एक अरब वर्ष पहले शुरू हुआ था। हर क्लस्टर की अपनी एक प्रमुख केंद्रीय गैलेक्सी थी, और अब ये विशाल गैलेक्सियां तथा उनके उपग्रह एक-दूसरे में विलीन हो रहे हैं।

इस प्रक्रिया में बन रहा तारों का यह पुल, यहां मौजूद गुरुत्वाकर्षण की शक्ति और क्लस्टर के अतीत की कहानी को उजागर करता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी के पीएचडी शोधकर्ता एंथनी एंग्लर्ट ने कहा, इतने बड़े पैमाने पर और इतनी नजदीकी किसी क्लस्टर में ऐसी संरचना पहली बार देखी गई है। यह हमारे लिए अप्रत्याशित खोज थी। यह पुल 'इंट्रा-क्लस्टर लाइट' से बना है वह रोशनी जो उन सितारों से आती है, जो अपनी मूल गैलेक्सी से निकलकर खुले अंतरिक्ष में तैर रहे हैं। इस अत्यंत धुंधली रोशनी को पकड़ना आसान नहीं था।

इसके लिए वैज्ञानिकों ने चिली के केरो टोलोलो इंटर अमेरिकन आब्जर्वेटरी में मौजूद डार्क एनर्जी कैमरा से कई वर्षों में जुटाए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। कुल 28 घंटे के अवलोकन डेटा को स्टैक करने के बाद यह अद्भुत तस्वीर सामने आई। एंग्लर्ट के शब्दों में, यह महज संयोग था कि वर्षों में कई खगोलविदों ने अबेल 3667 की तस्वीरें लीं और उन्हें मिलाकर हम यह नजारा देख पाए। तारों के इस पुल का एक सिरा आईसी 4965 नाम की लेंटिकुलर (डिस्कनुमा) गैलेक्सी से जुड़ा है, जिसके पास कुछ छोटी गैलेक्सियां भी मौजूद हैं, जो अभी क्लस्टर में शामिल हो रही हैं। दूसरा सिरा जे ओ 171 तक पहुंचता है, जिसे 'जेलीफिश गैलेक्सी' कहा जाता है।

इसके एक ओर लंबी गैस की धाराएं निकल रही हैं, क्योंकि क्लस्टर में शामिल होते समय इसका गैस भंडार छीना जा रहा है। इससे इसके कुछ हिस्सों में नए सितारों का निर्माण रुक गया है। यह खोज सिर्फ सुंदर दृश्य भर नहीं है, बल्कि ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने में भी अहम है। वैज्ञानिक मानते हैं कि इंट्रा-क्लस्टर लाइट का फैलाव, डार्क मैटर के वितरण का नक्शा तैयार करने में मदद कर सकता है। डार्क मैटर ब्रह्मांड के लगभग 80 प्रतिशत द्रव्यमान का हिस्सा है, लेकिन यह अदृश्य है। अध्ययन के सह-लेखक आयन डेल'एंटोनियो के अनुसार, इस प्रकाश का वितरण डार्क मैटर के वितरण से मेल खाता है, यानी यह हमें डार्क मैटर को 'देखने' का एक अप्रत्यक्ष तरीका देता है। यह अध्ययन अभी शुरुआती चरण में है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका से पाकिस्तान लौटा दिवंगत पत्रकार का परिवार, मौत को हत्या बताया

कराची। दिवंगत पत्रकार खावर हुसैन का परिवार अमेरिका से सोमवार को कराची (पाकिस्तान) लौट आया। खावर हुसैन का शव शनिवार को संगहार में एक कार में मिला था। खावर हुसैन के माता-पिता और भाई कराची हवाई अड्डे से सीधे संगहार रवाना हो गए। खावर हुसैन के पिता ने मीडिया से बातचीत में आत्महत्या की संभावना को खारिज करते हुए उन्हें एक बहादुर व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा, मेरा बेटा खुद को गोली नहीं मार सकता, यह हत्या है। उन्होंने कहा कि परिवार का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं है। सिंध पुलिस ने पत्रकार खावर हुसैन की मौत की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक सीटीडी आजाद खान के नेतृत्व में समिति का गठन किया था। समिति में डीआईजी (पश्चिम) इरफान बलोच और एसएसपी संघर आबिद बलोच भी शामिल होंगे। इस बीच, सिंध सरकार ने खावर हुसैन के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का भी फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, एक निजी समाचार चैनल से जुड़े पत्रकार खावर हुसैन का गोलियों से छलनी शव संगहार में उनकी कार के अंदर हैदराबाद रोड स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर मिला था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार, खावर हुसैन के हाथ में एक पिस्तौल थी। खावर हुसैन लगभग एक दशक से कराची में पत्रकारिता कर रहे थे। घटना के समय पत्रकार खावर हुसैन का परिवार अमेरिका गया हुआ था।

भारतीय विदेश सचिव की मधेशी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद होगी दिल्ली वापसी

काठमांडू। दो दिनों के नेपाल दौरे पर आए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री की राजनीतिक मुलाकातों का दौरा सोमवार को दूसरे दिन भी जारी है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने आए भारत के विदेश सचिव अपने दो दिवसीय यात्रा के आखिरी में मधेशी मोर्चा के प्रमुख नेताओं के साथ लंच मीटिंग पर मुलाकात करने वाले हैं। भारतीय विदेश सचिव की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। काठमांडू के द्वारिका होटल में इन नेताओं के साथ मधेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। मधेशी मोर्चा के नेताओं के साथ बैठक के बाद भारतीय विदेश सचिव दोपहर 2:30 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली लौटेंगे। इससे पहले सुबह ही भारतीय विदेश सचिव ने पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा और रुद्राभिषेक किया। मधेश केंद्रित राजनीति करने वाले प्रमुख नेता महंत ठाकुर, राजेन्द्र महतो, हृदयेश त्रिपाठी, उपेन्द्र यादव, डॉ सीके राउत और रेशम चौधरी को इस मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया है। इन सभी नेताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मधेशी मोर्चा का गठन किया है। मधेशी मोर्चा के प्रतिनिधि सभा में 26 सांसद हैं। मोर्चा के नेता त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय विदेश सचिव के साथ मिलकर मोर्चा को भारत के तरफ से दिए जा रहे उनके नैतिक समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया जाएगा।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में छह दिन में 24 सैनिकों को मारने का दावा किया बलोच राजी आजोई संगर ने

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने 10 से 15 अगस्त के बीच बलोचिस्तान में 71 हमले किए। इन हमलों में 24 पाकिस्तानी सैनिक और पांच संघीय सरकार समर्थित एजेंट मारे गए और कई अन्य घायल हुए। बीआरएएस के प्रवक्ता बलोच खान ने मीडिया बयान में कहा कि समूह ने कई जिलों में समन्वित अभियानों में सैन्य शिविरों, काफिलों, पुलिस थानों और तथाकथित मृत्यु दस्ते के सदस्यों को निशाना बनाया। समूह के प्रवक्ता के हवाले से जानकारी दी कि सबसे बड़ा हमला बसिमा में किया गया। लड़ाकों ने एक सैन्य शिविर पर धावा बोलकर एक कैप्टन सहित कम से कम 13 सैनिकों की हत्या कर दी। इसके अलावा लड़ाकों ने एक लेवी स्टेशन पर भी कुछ समय के लिए कब्जा कर अनेक सरकारी कार्यालयों में आग लगा दी और वाहनों को नष्ट कर दिया। बीआरएएस ने ग्वादर के न्यू टाउन इलाके में एक सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किए गए आईडी विस्फोट की भी जिम्मेदारी ली है। इसमें दो सैनिक मारे गए थे।

अमेरिका को बड़ा झटका : ट्रंप के लिए उल्टा पड़ गया अलास्का का दांव, विजेता बनकर उभरे पुतिन

वाशिंगटन,18 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अमेरिका को भारी नुकसान पहंचा रहीं हैं। इसका ताजा उदाहरण अलास्का की मीटिंग है। यहां अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों का शिखर सम्मेलन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर बहुत सारी उम्मीदें जताई थीं, लेकिन इसके बजाय ये सवाल ज्यादा छोड़ गया है। इस मुलाकात के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक दशक बाद अमेरिकी धरती पर कदम रखा था। पर्यवेक्षकों ने इस वार्ता को मॉस्को के लिए एक प्रतीकात्मक जीत बताया है। लगभग तीन घंटे तक चली इस बातचीत को पुतिन और ट्रंप दोनों ने उत्पादक बताया। हालांकि, यह शिखर वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई लेकिन इसने अमेरिका-रूस के तनावपूर्ण संबंधों में सुधार का संकेत दिया।खास बात ये रही कि वार्ता में यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों को शामिल नहीं किया गया था। शिखर सम्मेलन के बाद ट्रंप ने क्षेत्रों की अदला-बदली और अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बारे में टिप्पणियां कीं जिसने इस बात को लेकर भ्रम पैदा कर दिया कि क्या उन्होंने रूस को युद्ध के दौरान कब्जा किए गए यूक्रेनी क्षेत्रों को अपने पास रखने की मौन स्वीकृति दे दी है। यून सुन ने कहा कि ट्रंप यह समझते हैं कि अमेरिका यूक्रेन के मामले में नेतृत्व नहीं कर सकता। वह सहायता तो कर सकता है, लेकिन हुक्म नहीं चला सकता। इसलिए उन्होंने (बाद के इंटरव्यू में) इस बात पर जोर दिया कि रूस-यूक्रेन वार्ता का अगला दौर दोनों पक्षों के बीच उनकी उपस्थिति में होना चाहिए। विश्लेषकों ने इस बात पर सहमति जताई है कि शिखर सम्मेलन पुतिन के लिए एक स्पष्ट जीत है। शंघाई स्थित अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर शेन डिंगली ने भी इस बैठक को पुतिन की जीत बताया। शेन ने कहा, पश्चिम द्वारा आगे चलकर इस आम सहमति से समझौता करने की संभावना नहीं है। इसलिए, भविष्य में होने वाली किसी भी अमेरिका-रूस वार्ता के सार्थक परिणाम मिलने की संभावना नहीं है।एक इंटरव्यू में ट्रंप की जमीन अदला-बदली की टिप्पणी पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा, अगर ऐसा है तो ट्रंप पहले ही आम सहमति का उल्लंघन कर चुके हैं। यूरोपीय संघ सहमत नहीं होगा। यूक्रेन सहमत नहीं होगा। वहीं, चीन कुछ लोग चुपचाप खुश होंगे।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए पुतिन से बातचीत जरूरी : मार्को रुबियो

न्यूयॉर्क। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से एक वैश्विक नेता रहे हैं। इसलिए, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के लिए अमेरिका के पास उनसे बातचीत करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। रविवार को एक इंटरव्यू में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि कहा, पुतिन पहले से ही दुनिया के मंच पर एक अहम नेता हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास दुनिया का सबसे बड़ा सामरिक परमाणु हथियारों का भंडार है और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रणनीतिक परमाणु हथियारों का भंडार भी है। वह पहले से ही दुनिया के बड़े नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा, जब मैं लोगों को यह कहते सुनता हूं कि ओह, इससे पुतिन का कद बढ़ जाएगा, तो मुझे हैरानी होती है। हम तो हर वक्त पुतिन के बारे में ही बात करते हैं। पिछले चार-पांच सालों से मीडिया भी लगातार पुतिन की ही चर्चा कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, इसका मतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता पुतिन से बात किए बिना नहीं हो सकता। जब तक पुतिन से बातचीत नहीं होगी, तब तक यह युद्ध खत्म नहीं हो सकता। यह तो आम समझ की बात है, मुझे इसे समझाने की जरूरत नहीं है। इसलिए, लोग जो चाहें, कह सकते हैं। 15 अगस्त को अलास्का के एक सैन्य अड्डे पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात हुई। यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। रूसी पक्ष की ओर से राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मौजूद थे। वहीं, अमेरिकी पक्ष की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने भाग लिया। बातचीत के बाद मीडिया को दिए गए बयान में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का हल इस शिखर सम्मेलन का सबसे अहम मुद्दा था। रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिका और रूस के रिश्तों को बेहतर बनाने और फिर से सहयोग शुरू करने की बात कही। साथ ही, उन्होंने ट्रंप को मास्को आने का निमंत्रण भी दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि बातचीत में कुछ प्रगति जरूर हुई है। लेकिन, दोनों देश किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच पाए हैं। रुबियो ने रविवार को कहा कि शांति समझौता करने के लिए पुतिन और ज़ेलेंस्की दोनों को कुछ समझौते करने होंगे।

भीषण गर्मी से जूझ रहा स्पेन 20 बड़ी जंगल की आग पर काबू पाने उतरे सैनिक

विलार्देवोस (स्पेन) ,18 अगस्त (एजेंसियां) ।

स्पेन में भीषण गर्मी ने राहत कार्यों को कठिन बना दिया है, जहां इस समय 20 बड़ी जंगल की आग धधक रही हैं। रविवार को सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए सेना की आपात इकाई से अतिरिक्त 500 सैनिक तैनात किए। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र गैलिसिया में कई आग एक साथ मिलकर एक विशाल अग्निकांड में बदल गईं। इसकी वजह से हाईवे और रेल सेवाएं बंद करनी पड़ीं। स्पेन की राष्ट्रीय मौसम एजेंसी (एईएमईटी) ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दक्षिणी यूरोप इस वक्त बीते 20 वर्षों का सबसे खराब वाइल्डफायर सीजन झेल रहा है। केवल पिछले सप्ताह में ही स्पेन में तीन लोगों की मौत हो चुकी है और अब तक 1.15 लाख हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं। पड़ोसी पुर्तगाल भी व्यापक आग से जूझ रहा है। प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ ने कहा, आने वाले दिन चुनौतीपूर्ण होंगे और दुर्भाग्य से मौसम हमारे पक्ष में नहीं है। उन्होंने बताया कि सेना की कुल तैनाती बढ़ाकर 1,900 सैनिक कर दी गई है। आपात सेवाओं की महानिदेशक वर्जीनिया बारकोनेस ने सरकारी टीवी पर कहा कि मंगलवार से तापमान घटने की उम्मीद है, लेकिन अभी की परिस्थितियां बेहद प्रतिकूल हैं।

टारेंटुला की नई प्रजातियों के पल्प्स का आकार देखकर शोधकर्ता हैरान

लंदन। आमतौर पर मकड़ियों में पारंपरिक पेनिस नहीं होता। नर, अपने पेट से जुड़े एक डक्ट के जरिए शुक्राणु एकत्र करते हैं और फिर 'पल्प्स' नाम के हाथनुमा अंगों के जरिए इन्हें मादा में पहुंचाते हैं। लेकिन इन नई प्रजातियों के पल्प्स का आकार इतना बड़ा है कि शोधकर्ता हैरान रह गए हैं। सबसे बड़े नर टारेंटुला के पल्प्स 5 सेंटीमीटर लंबे पाए गए, जो उसके पैरों के बराबर और शरीर के ऊपरी हिस्से से करीब 3.85 गुना बड़े हैं। आम टारेंटुला में पल्प्स सिर्फ शरीर के दोगुने होते हैं, जिससे यह खोज और भी खास बन जाती है। इन चारों नई प्रजातियों को वैज्ञानिकों ने एक नए जीनस में शामिल किया है।

व्हाइट हाउस में जेलेंस्की के साथ यूरोपीय संघ के नेता भी होंगे, ट्रंप से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मुलाकात करेंगे। उनके साथ यूरोपीय संघ के नेता भी होंगे। यह भेंट ट्रंप की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिन बाद हो रही है। पुतिन ने शांति योजना में एक प्रस्ताव किया है। इसके तहत यूक्रेन को अपने भू-भाग का एक बड़ा हिस्सा छोड़ना होगा। खबर के अनुसार, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर एकजुटता दिखाने के लिए जेलेंस्की के साथ रहेंगे। पुतिन और ट्रंप की शुक्रवार को अलास्का में बैठक हुई थी। युद्ध समाप्त करने के लिए रूस का प्रस्ताव यूक्रेन को संभवत: मंजूर नहीं है। रूस ने कहा कि यूक्रेन को डोनबास छोड़ना होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के दूत स्टीव विटकॉफ ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर वी. पुतिन अलास्का में कुछ रियायतों की ओर बढ़े हैं। वहीं विदेश सचिव मार्को रुबियो ने चेतावनी दी कि रूस और यूक्रेन दोनों को रियायतें देनी होंगी। बिना इसके निकट भविष्य में शांति संभव नहीं हो सकती है।

एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल ने भारत से अतिरिक्त एयर रूट की मांग की

काठमांडू,18 अगस्त (एजेंसियां) ।

नेपाल और भारत के बीच एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल सरकार की तरफ से भारत के समक्ष एक बार फिर अतिरिक्त एयर रूट की मांग की गई है।

नेपाल दौरे पर रहे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ मुलाकात के दौरान नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने भारत के विभिन्न शहरों के साथ नेपाल के अलग-अलग शहरों को जोड़ने के लिए दोनों देशों के बीच एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने भारत के साथ एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नेपाल को अतिरिक्त हवाई रूट देने की मांग भी की है।

भारतीय विदेश सचिव के साथ बैठक के दौरान डॉ आरजू राणा ने कहा कि इस समय नेपाल और भारत के बीच पांच शहरों में ही एयर कनेक्टिविटी है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, वाराणसी और कोलकाता शहर काठमांडू से एयर रूट से जुड़ा हुए हैं। नेपाल की तरफ से भारत के अन्य शहरों के लिए भी एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की औपचारिक मांग की गई है।

विदेश मंत्री डॉ राणा ने बताया कि भारत के अन्य शहर को भी हवाई रूट से जोड़ने के लिए आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि पटना, लखनऊ, देहरादून, अहमदाबाद, जयपुर सहित दक्षिण भारत के हैदराबाद को भी नेपाल से सीधी हवाई उड़ान करने का प्रस्ताव रखा गया है। विदेश मंत्री ने यह भी बताया कि भारत के शहरों से काठमांडू के अलावा पोखरा और भैरहवा अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे से भी जोड़ने के लिए विचार करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री केपी ओली के प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान इस पर कोई निर्णय हो सकता है।

भारतीय विदेश सचिव के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री डॉ राणा ने भारत से नेपाल में आने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों के लिए दो नए एयर रूट देने की भी मांग की है। डॉ राणा ने बताया कि नेपाल कई वर्षों से भारत सरकार के समक्ष गोरखपुर-सुनौली हवाई रूट और लखनऊ-नेपालगंज हवाई रूट को उपलब्ध कराने के लिए आग्रह करता आ रहा है। इस समय भारत के एयरस्पेस से होकर नेपाल में आने वाले सभी विमान को सिर्फ एक ही रूट उपलब्ध कराया गया है जो कि पटना-मोतिहारी-रक्सौल-सिमरा होते हुए काठमांडू में लैंड करते हैं। एक ही हवाई रूट होने से काठमांडू का विमानस्थल काफी व्यस्त रहता है जिसके कारण प्रत्येक दिन कई विमानों को घंटों तक आसमान में ही होल्ड करना पड़ता है।

पाक में बाढ़ आपदा में अब तक 540 लोगों की मौत, पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा में खतरा बरकरार

इस्लामाबाद,18 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में तेज बरसात के बाद आई बाढ़ के कहर में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 540 हो गई। इस बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने रविवार को चेतावनी जारी की है कि पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा में खतरा बरकरार है। दोनों प्रांतों में भारी बरसात होने और बादल फटने की आशंका है।

खबर के अनुसार, लापता लोगों की तलाश अभी भी जारी है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि खैबर-पख्तूनख्वा के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 373 शव बरामद किए गए हैं। इनमें से ज्यादातर बुनेर जिले से हैं। बुनेर और अन्य जिलों में बचाव और तलाशी अभियान जारी है। बुनेर में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। सूत्रों ने बताया कि रविवार रात तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 540 हो गई है। एनडीएमए के अनुसार, सितंबर की शुरुआत तक भारी वर्षा होने की संभावना है। लाहौर, रावलपिंडी, इस्लामाबाद और गुजरांवाला में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, जबकि उत्तरी क्षेत्रों में भूस्खलन का अतिरिक्त खतरा है। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान लगभग 5,212 लोगों को बचाया गया। बुनेर के पिशुनई और अन्य प्रभावित गांवों के कब्रिस्तान में 50 से अधिक लोगों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

एनडीएमए के प्रवक्ता डॉ. मोहम्मद तैय्यब शाह ने पहाड़ी इलाकों में अनावश्यक यात्रा न करने की चेतावनी जारी की है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने 22 अगस्त तक लगातार भारी बारिश का अनुमान जताया है। इस बीच रावलपिंडी के नाला लाई सहित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में धारा 144 लागू की गई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर एनडीएमए ने रविवार को पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बांग्लादेश में जासूसी शाखा के पूर्व प्रमुख मोहम्मद हारुन रशीद समेत 18 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निलंबित

ढाका। बांग्लादेश में 18 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इन सभी पर ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने का आरोप है। गृह मंत्रालय के जन सुरक्षा प्रभाग ने इस आशय का आदेश कल जारी किया। इनमें हाई प्रोफाइल पुलिस अधिकारी मोहम्मद हारुन राशिद भी शामिल हैं। वह ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के प्रमुख रह चुके हैं। खबर के अनुसार आदेश में कहा गया है कि ये अधिकारी 2024 और 2025 में विभिन्न तिथियों पर विभागीय अधिकारियों की अनुमति के बिना ड्यूटी से अनुपस्थित रहे। यह सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियम-2018 के अंतर्गत भगोड़ा की श्रेणी में आता है। निलंबित अधिकारियों में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस, डीआईजी कार्यालयों, सशस्त्र पुलिस बटालियन, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य विशिष्ट इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस सूची में डीएमपी के संयुक्त आयुक्त संजीत कुमार रे, चटगांव के अतिरिक्त डीआईजी रिफत रहमान शमीम और चटगांव रेंज डीआईजी कार्यालय के पुलिस अधीक्षक और डीएमपी के पूर्व उपायुक्त काजी अशरफुल अजीम भी शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि अधिकारी निलंबन अवधि के दौरान सिर्फ निर्वाह भत्ते के हकदार होंगे।

शुभांशु शुक्ला ने की मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से हाल ही में लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्री मोदी को अपनी अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जानकारी दी।

गौरतलब है कि श्री शुक्ला रविवार सुबह अमेरिका से नयी दिल्ली पहुंचे थे। वतन वापसी पर उनका दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख वी नारायणन समेत बड़ी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डा पहुंचे थे। श्री शुक्ला की पत्नी कामना और पुत्र कियाश भी उनका स्वागत करने के लिए हवाई अड्डा पर मौजूद थे। श्री शुक्ला की करीब एक साल बाद वतन वापसी हुयी है। आईएसएस जाने के लिए उन्होंने लगभग एक साल तक अमेरिका में प्रशिक्षण लिया था।

श्री शुक्ला के साथ ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी भारत लौटे, जिन्हें एक्सिओम-4 मिशन के लिए बैकअप अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना गया था। श्री शुक्ला आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय नागरिक हैं।

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में श्री शुक्ला की उपलब्धियों पर एक विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा।

लोकसभा में चर्चा का विषय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री-विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका था।

दमरे महाप्रबंधक ने की ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार, 18 अगस्त 2025 को, रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा को लेकर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और विभाग के प्रमुखों के साथ सभी छह डिवीजनों - विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

श्री श्रीवास्तव ने बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यों, जैसे कि नई पटरियाँ बिछाने और सिग्नल संबंधी कार्यों के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने दोहराया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शॉर्टकट तरीकों से पूरी तरह बचना चाहिए।

महाप्रबंधक ने ट्रेनों के सुचारू संचालन और अग्निशामक यंत्रों जैसे सभी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ज़ोन भर में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की भी समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों के काम के घंटों पर भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक व्यवस्थित अध्ययन करें और एक विस्तृत कार्य योजना बनाएँ, जिसमें ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को उचित समय और अंतराल पर आराम देने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

इसके बाद, दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक चेतना नंद सिंह ने 18 अगस्त से 17 नवंबर, 2025 तक ज़ोन में चलाए जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। उन्होंने अभियान के दौरान कवर किए जाने वाले विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें मुख्य फोकस परिसंपत्ति प्रबंधन और डिजिटल पहलों पर रहेगा।

संतोष कुमार वर्मा ने हैदराबाद मंडल रेल प्रबंधक का पद्भार संभाला

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संतोष कुमार वर्मा ने सोमवार, दि. 18 अगस्त 2025 को, दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) का कार्यभार संभाल लिया है। वह भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आईआरएसएस) के 1995 बैच के अधिकारी हैं।

यह नई जिम्मेदारी संभालने से पहले, वह भारत सरकार के उपभोक्ता मामले मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।

श्री वर्मा ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर से एम.टेक की डिग्री प्राप्त की है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर के वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, रेलवे विद्युतीकरण के लिए केंद्रीय संगठन (सीओआरई), प्रयागराज के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, अनुसंधान, विकास और मानकीकरण संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ के निदेशक/भंडार, उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर के मुख्य सामग्री प्रबंधक, और दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक शामिल हैं। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद; आईएनएसईएडी सिंगापुर; और आईसीए-लआईएफ मलेशिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से सार्वजनिक नीति प्रबंधन का भी प्रशिक्षण लिया है।

मारवाड़ी-गुजराती गए तो भीख मांगेगा तेलंगाना

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने जताई तीखी प्रतिक्रिया

हम ऐसे तत्वों को कतई नहीं बख्शेंगे: राजा सिंह

हैदराबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। तेलंगाना में शुरू हुए मारवाड़ी-गुजराती विरोधी अभियान के खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भाजपा ने इसे कांग्रेस, एआईएमआईए और बीआरएस की साजिश बताया है और इसके प्रतिकार में समानांतर आंदोलन चलाने की चेतावनी दी है। प्रखर हिंदूवादी नेता एवं विधायक टी राजा सिंह ने भी इस अभियान को ओछी हरकत बताया है और कहा है कि ऐसी हरकतें करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कराने की कोशिश की जाएगी। टी राजा सिंह ने कहा, यहां से मारवाड़ी और गुजराती समाज के लोग गए तो तेलंगाना भीख मांगेगा।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में इन दिनों मारवाड़ी गो बैक का नारा देकर बवाल मचाया जा रहा है। इस अभियान में मारवाड़ी व्यापारियों के काम-धंधों पर हमला करते हुए उन्हें वापस लौटने को कहा जा रहा है। मारवाड़ियों पर स्थानीय व्यापारिक कारोबार छीनने से लेकर नकली सामान बेचने तक का आरोप लगाए जा रहे हैं।

भाजपा सहित हिंदूवादी नेता लगातार इस अभियान का विरोध कर रहे हैं। भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने इसे कांग्रेस-एआईएमआईएम-बीआरएस की चाल बताई और कहा कि यह हिंदू समुदाय को बांटने की कोशिश है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर इस तरह की हरकतें बंद नहीं हुईं तो भाजपा रोहिंग्या वापस जाओ आंदोलन चलाएगी। बंडी संजय ने कहा कि यह शर्म की बात है कि लोग उन बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं पर चुप हैं जो अवैध रूप से रह रहे हैं और समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। लेकिन वे उस मारवाड़ी समुदाय को निशाना बना रहे हैं, जिसने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दिया है और कभी भी राज्य को लूटा नहीं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का पुराना शहर आईएसआई का अड्डा बन चुका है और यहां असंख्य रोहिंग्या छिपे हुए हैं।

बंडी संजय ने आरोप लगाया कि कुछ खास व्यवसायों को खास लोगों से छीना गया है। नईम मटन शॉप और सलीम ड्राई क्लीनिंग शॉप जैसे नाम इस बात का सबूत हैं। जिन कामों को हिंदू खटीक समाज (मटन की दुकानें) और रजक समाज (ड्राई क्लीनिंग) करते थे, अब वे एक विशेष वर्ग (मुस्लिम वर्ग) के हाथों में चले गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस पर ये लोग चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने कभी भी सत्ता का लालच नहीं किया, बल्कि वे राज्य की तरक्की में भागीदार बने हैं तो फिर उन्हें तेलंगाना क्यों छोड़ना चाहिए?

हिंदूवादी नेता विधायक टी राजा सिंह ने कहा कि जिस मारवाड़ी समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है वह समुदाय राज्य की जीडीपी में सबसे अधिक योगदान देता है। राजा सिंह ने कहा, मारवाड़ी समाज को बदनाम करने वालों को हम नहीं बख्शेंगे। ऐसे लोगों को कानून के तहत जेल भेजा जाएगा। मारवाड़ी, गुजराती और राजस्थानी समुदाय तेलंगाना के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। इनके पूर्वज यहीं पैदा हुए थे और यहीं बस गए। इन समुदायों ने मेहनत से व्यापार खड़ा किया है। आज ये राज्य की अर्थव्यवस्था और जीडीपी को मजबूती देने वाले मुख्य स्तंभ हैं। हाल ही में कुछ लोग इन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्हें बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। यह पूरी तरह गलत है और इसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राजा सिंह ने कहा, कांग्रेस और उसके साथी दलों का रवैया साफ तौर पर पक्षपाती दिख रहा है। इनकी बातों में हिंदू विरोध साफ झलकता है। ये पार्टियां एक तरफ तो बाहरी हिंदू व्यापारियों को हटाने की बात कर रही हैं। कहती हैं कि ये लोग स्थानीय व्यापार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी तरफ ये लोग रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद कर रहे हैं। उनके लिए रहने, खाने और काम की व्यवस्था कर रहे हैं। कई सालों से ये पार्टियां हिंदू व्यापारियों के खिलाफ माहौल बना रही हैं। अब न्याय के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। इससे समाज में सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि यह सब एक साजिश के तहत किया जा रहा है। इस साजिश का मकसद हिंदुओं को आपस में बांटना है। साथ ही, इससे कुछ पार्टियां अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती हैं।

मानव कल्याण सेवा समिति ने खोला चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लिनिक

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मानव सेवा के पुनीत कार्य में एक और कदम बढ़ाते हुए, मानव कल्याण सेवा समिति ने रविवार, 17 अगस्त 2025 को काचीगुडा में श्री जिनकुशल सुरी स्वास्थ्य केंद्र - चैरिटेबल फिजियो-थेरेपी एंड एर्गोनॉमिक्स क्लिनिक का उद्घाटन किया। क्लिनिक का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के कर कमलों से किया गया।

समिति द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह क्लिनिक काचीगुडा राघवेन्द्रा मंदिर के सामने जैन निवास में स्थित है और इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को निशुल्क उपचार प्रदान करना है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी मौजूद थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में काचीगुडा पार्षद उमा यादव, बीजेपी काचीगुडा डिवीजन अध्यक्ष रमेश यादव, महावीर अस्पताल के चेयरमैन महेंद्र रांका, समाजसेविका मीना ठक्कर, राजेश दत्तानी, और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

इस अवसर पर मंत्री हितेन संगोई ने बताया कि समिति पिछले 9 वर्षों से निशुल्क क्लिनिक चला रही है, जिसमें कई डॉक्टर नियमित रूप से अपनी सेवाएँ देते हैं। उन्होंने उन डॉक्टरों के नाम भी बताए जो इस नेक काम में सहयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मानव कल्याण सेवा समिति के कार्यों की सराहना की और संस्था को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाज के लिए ऐसे प्रयास बेहद महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर, श्रीमती शोभा नरेश जैन (गेविंस ग्रुप) का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने क्लिनिक के लिए 400 वर्ग फुट का स्थान निशुल्क उपलब्ध कराया।

इसके अलावा, मातुश्री सोनबाई वल्लभजी सावला परिवार ने इंटीरियर और मशीनों के लिए 5,51,000 की राशि दान की, जिससे यह केंद्र सुचारू रूप से चल पाएगा।

समिति ने जन-भागीदारी सहयोग योजना की भी शुरुआत की है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति 1000 प्रति माह का योगदान देकर या अपने परिवार के जन्मदिन, पुण्यतिथि जैसे शुभ अवसरों पर 2500 की राशि दान करके इस सेवा से जुड़ सकता है। इस राशि का उपयोग गौशाला, जीवदया और अन्नदान के कार्यों में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सुरेश हीरजी गोसर, उपाध्यक्ष पंकज वल्लभजी सवला, सचिव हितेन सांगोई, और अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी रसोई गैस

गोरखपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में यूपी छह हजार मेगावाट तक पहुंचा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। यूपी में प्रचुर जल संसाधन होने के चलते इसके विकास की व्यापक संभावना है। अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी है लेकिन आने वाले समय में यह मोबाइल फोन कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी।

गोरखपुर में यूपी के पहले और देश के दूसरे हाइड्रोजन पावर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम छह हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। रिन्यूवल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है। हाइड्रोजन प्लांट इस कमी को दूर करेगा। पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में भी ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। इसमें यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा। टॉरेंट ग्रुप के इस प्लांट में ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर-घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जाएगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव : एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को करेंगे नामांकन

राधाकृष्णन ने की मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप दिया। बैठक में तय किया गया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन 20 अगस्त को होगा।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर सोमवार शाम को हुई एनडीए घटक दलों के फ्लोर लीडर्स और संसदीय दल के नेताओं की बैठक में उपराष्ट्रपति चुनाव की नामांकन की तारीख और रणनीति पर चर्चा की गई। इस बैठक में फैसला लिया गया कि 20 अगस्त सुबह 11 बजे उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन आज दिल्ली पहुंचे और हमने एनडीए के नेताओं के साथ एक बैठक की। वह वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और पूर्व में झारखंड के भी

राज्यपाल रह चुके हैं। सभी लोग उनसे परिचित हैं। इसके बावजूद एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम का ऐलान होने के बाद एक बैठक की गई है। हमें बहुत गर्व है कि सीपी राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। एनडीए गठबंधन के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। हमें उम्मीद है कि सभी दल उन्हें समर्थन देंगे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीपी राधाकृष्णन का नामांकन 20 अगस्त को सुबह 11 बजे दाखिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सभी नेता नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री राधाकृष्णन आज ही, मुंबई से यहां पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास जाकर श्री मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी ने उन्हें राजग का उप राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनके लंबे अनुभव से देश लाभान्वित होगा। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात के बाद एक्स पर लिखा, सी पी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। उनके राजग का उप राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उनकी सार्वजनिक सेवाओं और विभिन्न क्षेत्रों का लंबा अनुभव देश को लाभ पहुंचायेगा। आशा करता हूं कि वह हमेशा इसी समर्पण और संकल्प के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।

सीपी राधाकृष्णन को निर्विरोध उपराष्ट्रपति बनाने में जुटे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी के रूप में घोषणा होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वसम्मति बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में श्री सिंह रविवार रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन कर राजग प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन भी मांगा।

उल्लेखनीय है राजग की तरफ से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जिम्मेदारी दी गई है वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को इसका एजेंट नियुक्त किया गया है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व में हुई भारतीय जनता पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक में राजग उम्मीदवार के रूप में श्री राधाकृष्णन के नाम की घोषणा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की। श्री राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं और राज्यपाल के रूप में उनके पास लंबा प्रशासनिक अनुभव है। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से यह पद खाली है।

इस हसीना के बाथरूम की दीवार से मिले थे करोड़ो रुपए!

बॉलीवुड की इस अदाकारा ने सफलता के कदम चूमे। अपने शानदार अभिनय से सिल्वर स्क्रीन पर छाई रहीं और 1950 से 1990 के दशक तक भारतीय सिनेमा पर राज भी किया। लेकिन एक वक्त ऐसा आया, जब सब बर्बाद हो गया। लेकिन बाथरूम की दीवार में दफन थी 100 करोड़ की रकम! नोटों की गड्डियां देखकर हर कोई शॉक्ड रह गया। इन्होंने दावा किया कि अपना जिस्म बेचकर इन्होंने वो रकम कमाई थी। इसके बाद इनके साथ काम करने से हर किसी ने मना कर दिया। एक्ट्रेस ने नेपाली शख्स से हिंदू और ईसाई रीतिरिवाज से शादी की थी। साथ ही कोर्ट मैरिज भी की थी। क्या वजह थी, आइए बताते हैं।

इस अदाकारा ने बादशाह, हेलमेट, प्यासा,नया जमाना, एक गांव की कहानी, चंदन, फिर सुबह होगी, परवरिश, 'उजाला से लेकर मैं नशा में हूं', 'धूल का फूल' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसका नाम माला सिन्हा है, जिन्होंने धर्मेंद्र, मनोज कुमार, संजय खान, राजेश खन्ना से लेकर अमिताभ बच्चन संग पर्दे पर रोमांस किया है। और 40 साल तक इंडस्ट्री पर गर्दा उड़ाया है।

माला सिन्हा ने नेपाली एक्टर चिदंबर प्रसाद लोहानी से तीन बार शादी की थी। पहले इन्होंने कोर्ट मैरिज की थी। मगर ईसाई धर्म से होने के नाते एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि उनकी शादी चर्च में हो। इसलिए कपल ने मुंबई के चर्च में साथ जीने-मरने की कसम खाई। ये उनकी दूसरी शादी थी।

माला सिन्हा के पति चिदंबर के परिवारवाले को संतुष्टि नहीं हुई तो उन्होंने हिंदू रीतिरिवाज से उनकी शादी करवाई। क्योंकि ससुरालवालों ने एक्ट्रेस के सामने शर्त रखी थी कि जब तक फेरे नहीं होंगे, तब तक घर में एंट्री नहीं मिलेगी। इसके बाद उन्होंने हिंदू धर्म के हिसाब से शादी की और बहू बनीं। फिर इनको बेटी हुई।

माला सिनेमा की बेटी प्रतिभा सिन्हा फिल्मों में आईं लेकिन बात बनी नहीं। उनका करियर दिनों दिन गिरता जा रहा था और ये देख एक्ट्रेस दुखी हो रही थीं। उन्होंने लोगों से मिलना-जुलना बंद कर दिया था। इवेंट्स में जाना बंद कर दिया था। लाइमलाइट से दूर हो गई थीं।

माला सिन्हा ने 120 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। वह बहुत पैसे वाली थीं। और बताया जाता है कि उन्होंने घर पर कोई हाउस हेल्पर भी नहीं रखी थी। उनको घर का काम करना खुद ही पसंद था। मगर 1978 में उनके घर पर इनकम टैक्स का जब छापा पड़ा तो चारों तरफ खलबली मच गई।

जिस्म बेचकर पैसे कमाने वाला बयान, पिता के कहने पर दिया था । रिपोर्ट्स के मुताबिक, कानूनी दबाव में आकर माला सिन्हा ने ये बयान दिया था। बताया जाता है कि उनके पिका और लीगल एजवाइजर ने सलाह दी थी कि अगर वह ऐसा करेंगी तो सजा से बच जाएंगी। लेकिन ये दांव उल्टा पड़ गया। एक्ट्रेस की इमेज तारतार हो गई। इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया। सभी प्रोड्यूसर्स ने मुंह फेर लिया था। उनको बायकॉट कर दिया गया था।

जन्माष्टमी में भारत माता की जय बोलकर ट्रोल हुईं जान्हवी

अभिनेत्री ने भड़ककर कहा- नहीं बोलती तो प्रॉब्लम बोला तो मीम मटेरियल बना दिया, रोज बोलूंगी

जल्द ही फिल्म परम सुंदरी में नजर आने वालीं एक्ट्रेस जान्हवी कपूर हाल ही में एक दही हांडी प्रोग्राम का हिस्सा बनी थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ऑर्गेनाइजर के कहने पर भारत माता की जय के नारे लगाती नजर आई थीं। हालांकि इवेंट के बाद एक्ट्रेस का वीडियो वायरल हो गया और मटकी फोड़ते हुए भारत माता की जय बोलने पर उनकी जमकर आलोचना होने लगी। अब एक्ट्रेस ने खुद इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि अगर वो नारा नहीं लगातीं, तब भी लोगों को दिक्कत होती, लेकिन अब जब एक्ट्रेस ने नारा लगा दिया है, तब भी लोग उनकी वीडियो के साथ काट-छांट कर इसका मीम बना रहे हैं।

जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से दही हांडी इवेंट का पूरा वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'कॉन्टेक्स्ट के लिए पूरा वीडियो। उनके बोलने के बाद नहीं बोलती, तो प्रॉब्लम। और बोलो तो भी वीडियो को काट कर मीम मटेरियल। आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, वैसे सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, रोज बोलूंगी भारत माता की जय।

सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि मटकी फोड़ने से पहले इवेंट में मौजूद एक शख्स भारत माता की जय नारे लगा रहा है, वहीं जान्हवी उनका साथ देती नजर आ रही हैं। इसके बाद वो शख्स माइक जान्हवी को थमा देता है और मटकी फोड़ने के साथ नारा लगाने को कहता है। इस पर जान्हवी पूछती हैं कि क्या जोर से मारना पड़ेगा। उस शख्स के कहने पर जान्हवी मटकी फोड़ती हैं और माइक पर तेज आवाज में भारत माता की जय कहती हैं।मटकी फोड़ते हुए भारत माता की जय कहने पर जान्हवी को जमकर ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, क्या इन्हें नहीं पता की दही हांडी कृष्ण भगवान के लिए होती है और ऐसे लोगों को ये अवसर देते हो तुम लोग जिसे ये भी नहीं क्या है और क्या बोलना है।बताते चलें कि जान्हवी इन दिनों अपकमिंग फिल्म परम सुंदरी के प्रमोशन में व्यस्त चल रही हैं। ये फिल्म 29 अगस्त को रिलीज होने वाली है, जिसमें जान्हवी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में हैं।

महेश बाबू की भतीजी फिल्मों में करेंगी डेब्यू

तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू की भतीजी भारती फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। जी हां, खबर है कि रीमा सेन, काजल अग्रवाल, सदा, नितिन, उदय किरण और आधी पिनिसेट्टी जैसे सितारों को टॉलीवुड में डेब्यू करवाने वाले डायरेक्टर तेजा अब एक और नए चेहरे को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। भारती घट्टामनेनी दिवंगत एक्टर-प्रोड्यूसर रमेश बाबू की बेटी हैं। इस खबर के आते ही जहां महेश बाबू और रमेश बाबू के फैंस की बांछे खिल उठी हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। लोग इस हसीना के अभी से दीवाने हो रहे हैं।

डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती ने अपना लुक टेस्ट पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि डायरेक्टर तेजा एक रोमांटिक फिल्म बनाने जा रहे हैं। भारती घट्टामनेनी ने इससे जुड़े वर्कशॉप में भी हिस्सा लिया है।'

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि महेश बाबू और रमेश बाबू, दोनों ही परिवार भारती के डेब्यू को लेकर एक्साइटेड हैं। इसमें कहा गया है, 'तेजा अपनी फिल्म में किसी ऐसे को कास्ट करना चाहते थे जो पारंपरिक होने के साथ-साथ आकर्षक भी दिखे। बीते साल इंस्टाग्राम पर अपने चाचा महेश बाबू के चार्टबस्टर गाने कुरिची मदाथापेट्टी पर भारती का डांस वायरल हुआ था। समझा जा रहा है कि इसी ने उनके डेब्यू की राह आसान की है।

दिलचस्प बात यह है कि घट्टामनेनी परिवार से यह एकमात्र डेब्यू नहीं है। महेश बाबू के भतीजे जयकृष्ण घट्टामनेनी भी डायरेक्टर अजय भूपति की फिल्म के साथ टॉलीवुड में एंट्री की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में तेलुगू सिनेमा के दर्शकों को जल्द ही दोनों भाई-बहन अलग-अलग फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

भारती घट्टामनेनी के बारे में हालांकि, बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। इंस्टाग्राम पर उनके प्रोफाइल bharathighattamaneni पर भी वह कम ही एक्टिव रहती हैं। उनका आखिरी पोस्ट अगस्त, 2024 का है।

हालांकि, दिलचस्प है कि महज 6 पोस्ट करने वाली भारती को इस प्लेटफॉर्म पर 27.4 हजार से अधिक यूजर्स फॉलो करते हैं।सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें देख महेश बाबू के फैंस कह रहे हैं कि वह भी अपने पिता और चाचा की तरह खूबसूरत हैं। एक फैन ने लिखा है, 'खूबसूरती घट्टामनेनी परिवार के खून में है। ये लड़की कितनी प्यारी है। एक अन्य ने लिखा है, भारती में सादगी भी है और कशिश भी। वह टॉलीवुड में जरूर सक्सेसफुल होंगी।

तारक मेहता... की पुरानी सोनू का बदल गया अंदाज, स्कर्ट पहने आईं नजर

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक ऐसा सीरियल है, जो पिछले कई सालों से लोगों का दिल जीत रहा है। इस शो ने ऐसे कई किरदार फैंस को दिए, जो शो छोड़ने के बाद भी उनके दिलों पर राज करते हैं। एक ऐसी ही एक्ट्रेस हैं, पलक सिधवानी, जिन्होंने पांच साल तक शो में आत्माराम भिड़े और माधवी भिड़े की बेटी सोनू का किरदार निभाया।

पिछले साल पलक ने शो छोड़ा, लेकिन आज भी उन्हें फैंस 'सोनू' ही कहते हैं। जिनका अब कातिलाना लुक सबका ध्यान खींच रहा है। जहा 'पुरानी सोनू ने छोटी- सी स्कर्ट पहन अपनी तस्वीरें शेयर की। जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस लुक देखने को मिला, जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। अब आप खुद ही देख लीजिए कि उन्होंने क्या लुक अपनाया है।

27 साल की पलक इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। कभी वह देसी लुक्स में नजर आती हैं, तो कभी वेस्टर्न कपड़ों में ग्लैमर का तड़का लगा जाती हैं। इस बार हसीना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की। जहां वह कॉर्सेट टॉप के साथ स्कर्ट पहन अपनी कातिलाना अदाएं दिखा गईं। तभी तो उनके सिजलिंग रूप से नजरें हटाना मुश्किल हो गया। पलक के लुक की डीटेल्स पर ध्यान दें, तो वह बेज कलर का स्टनिंग कॉर्सेट टॉप पहने नजर आ रही हैं। जिसे प्रॉपर कॉर्सेट जैसे लुक न देकर बटन लगाकर स्टाइलिश टच दिया। स्ट्रैपलेस टॉप की नेकलाइन को डबल लेयर वाला बनाकर हाइलाइट किया, तो बटन के नीचे वी कट वाला डिजाइन दिया। जिससे पलक को पावरफुल लुक मिला। जिसमें एलिगेंस और स्टाइल का डबल तड़का नजर आया। अपने लुक को स्टनिंग टच देने के लिए पलक ने साथ में प्लीट्स वाला मिनी स्कर्ट वियर की। जिस पर भी कोई और कलर या पैटर्न नहीं बना है। जिसे दिया चौड़ी प्लीट्स वाला पैटर्न कमाल का लगा, जो कॉर्सेट टॉप के साथ बखूबी जचा। तभी तो इसने हसीना के कर्व्स को भी ब्यूटीफुल तरीके से कॉम्प्लिमेंट किया। जिससे पलक का छोटी- सी स्कर्ट में किलर लुक देखते ही बना। पलक ने अपने इस स्टाइलिश लुक को मिनिमल एक्सेसरीज के साथ पेयर किया। जहां वह बेज हार्ट शेप स्टड इयररिंग्स पहने नजर आईं, तो साथ में ब्राउन कलर के हाई बूट्स वियर किया। जिनका कलर कॉम्बिनेशन उनके अटायर के साथ परफेक्टली मैच कर गया। जहां वह लेस इज मोर वाला कॉन्सेप्ट फॉलो करके क्लासी और ग्लैमरस लगीं।

आखिर में अपने लुक को फाइनल टच देने के लिए पलक ने हेयर और मेकअप में भी ज्यादा ड्रामा ऐड नहीं किया। उन्होंने न्यूड लिप्स के साथ मेकअप को एकदम सॉफ्ट और सटल रखा, तो मिडिल पार्टीशन के साथ वैवी हेयर लुक की वाइब को मैच कर गए। जहां पुरानी सोनू की ब्यूटी सबका दिल जीत गई। पलक की तस्वीरों पर फैंस के खूब कमेंट्स आ रहे हैं, कोई उन्हें अपनी फेवरेट बता रहा है, तो किसी ने उन्हें सुंदर कहा, साथ ही उन्हें अब भी सोनू कहने वालों की भी यहां कमी नहीं रही। एक ने लिखा, 'सोनू आप बहुत प्रिटी हैं, बहुत- बहुत सुंदर और एलिगेंट', तो दूसरे ने कमेंट किया, 'गॉर्जियस लुक पलक डियर, आप मेरी मां की तरह सुंदर लग रहे हो'। इसी तरह किसी ने उनसे कहा कि ऐसे मत देखा प्यार हो जाएगा, तो कोई 'क्या खूब लगती हो बड़ी सुंदर दिखती हो', गाना ही गा बैठा। कुल मिलाकर स्कर्ट के साथ कॉर्सेट वाला लुक सिर से लेकर पैर तक परफेक्ट लगा।

आज भाद्रपद मास की अजा/जया एकादशी

दक्षिणावर्ती शंख से करें भगवान विष्णु का अभिषेक, शिवलिंग पर चढ़ाएं लाल गुलाल और लाल फूल

आज मंगलवार, 19 अगस्त भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसे अजा और जया एकादशी कहा जाता है। इस बार ये एकादशी मंगलवार को होने से इस दिन भगवान विष्णु के साथ ही शिव जी और मंगल देव की पूजा एक साथ करने का शुभ योग बना है।

एकादशी को शास्त्रों में पापनाशिनी तिथि कहा गया है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम का अध्याय है। इसमें सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया गया है। अजा एकादशी व्रत करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों का फल खत्म होता है। ऐसी मान्यता है। इस व्रत को अजा एकादशी इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये व्रत भक्त अजा अर्थात जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त करती है, ये व्रत भक्त को मोक्ष दिलाता है। ऐसी मान्यता है।

इस वर्ष अजा एकादशी मंगलवार को पड़ रही है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ज्योतिष में मंगल देव को मंगलवार का कारक ग्रह कहा जाता है। इसलिए एकादशी और मंगलवार के योग में विष्णु जी के साथ ही मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह से जुड़े दोष हैं, उन्हें शिवलिंग पर जल, बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, लाल फूल और लाल गुलाल चढ़ाना चाहिए और लाल मसूर की दाल का दान करना चाहिए। मंगल के मंत्र ऊँ भों भौमाय नम: मंत्र का जप करें।

एकादशी पर ऐसे कर सकते हैं पूजा-पाठ

ब्रह्ममुहूर्त में उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। लाल फूल और चावल अर्पित करें।

घर या मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति के सामने पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। पंचामृत से विष्णु जी को स्नान कराएं, तुलसी के पत्ते अर्पित करें। मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का

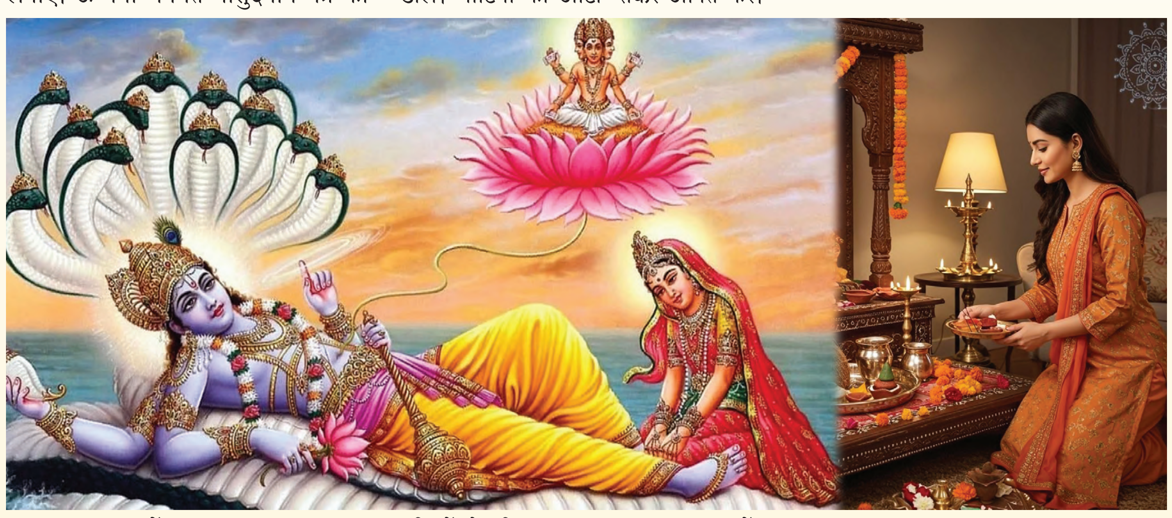

108 बार जप करें।

तुलसी को विष्णु प्रिय माना जाता है। बिना तुलसी भगवान विष्णु भोग नहीं स्वीकार करते। एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही तुलसी की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं, तुलसी नामाष्टक का पाठ करें। तुलसी की परिक्रमा करें, लेकिन सूर्यास्त के बाद तुलसी को स्पर्श न करें।

तुलसी नामाष्टक: वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी। पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।

एतभामांष्टक चैव स्त्रोतं नामर्थं संयुतम। यः पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

एकादशी पर दान-पुण्य करें। एकादशी पर दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। गौशाला में दान दें, गायों को हरी घास खिलाएं। तालाब में मछलियों के लिए आटे की गोलियां डालें। चींटियों को आटा-शक्कर अर्पित करें। पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी रखें। जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े, छाता, जूते आदि का दान करें। छोटे बच्चों को मिठाई खिलाएं या भोजन कराएं।

एकादशी पर जो लोग व्रत करते हैं, वे पूरे दिन अन्न का त्याग करते हैं और दिनभर भगवान के मंत्रों का जप करते हैं, सुबह-शाम को भी विष्णु जी की पूजा करते हैं। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर फिर से पूजा की जाती है, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है, इसके बाद भक्त स्वयं भोजन करते हैं। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

एकादशी व्रत पर क्या करें और क्या न करें

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को अजा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने और व्रत रखने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से मनुष्य को जीवन के समस्त दुखों से छुटकारा मिल सकता है और बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। लेकिन अजा एकादशी पर व्रत के कुछ खास नियमों का ख्याल रखना भी आवश्यक होता है। तभी इस व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

दशमी तिथि से ही करें ब्रह्मचर्य का पालन

इस बार अजा एकादशी व्रत 19 अगस्त, मंगलवार के दिन रखा जाएगा और एकादशी के नियम दशमी तिथि से ही शुरू हो जाते हैं। मान्यता है कि इसी दिन से तामसिक भोजन का त्याग करके सात्विक आहार लेना चाहिए। दशमी तिथि से ब्रह्मचर्य का पालन करना जरूरी माना जाता है। साथ ही, जो लोग यह व्रत नहीं रखते उन्हें भी एकादशी के दिन प्याज, लहसुन आदि तामसिक चीजों से परहेज करना चाहिए।

रात्रि में सोने की बजाए करें जागरण और मंत्रों का जाप

माना जाता है कि अजा एकादशी के दिन रात्रि के समय सोने की बजाए पूरे वक्त भगवान विष्णु के भजन गाने चाहिए। ऐसा संभव न हो तो आप रात में विष्णुजी के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से मनुष्य को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन के दुख दूर हो सकते हैं।

एकादशी तिथि पर भूलकर भी न करें ये काम

अजा एकादशी व्रत के दिन क्रोध करने, झूठ बोलने, झगड़ा करने, बुराई करने आदि कार्यों से बचना चाहिए। ऐसा करने से शुभ की जगह अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, इस शुभ तिथि पर दिन के समय सोना भी वर्जित माना जाता है।

द्वादशी तिथि पर खोलें व्रत

एकादशी के दिन व्रत रखने के बाद द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में अगले दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने के बाद तुलसी के पत्तों का सेवन करके व्रत का पारण करें। इस विधि से अजा एकादशी व्रत करना बेहद फलदायी माना जाता है।

चावल का भूलकर भी न करें सेवन

मान्यता है कि भूलकर भी एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, परिवार के भी किसी सदस्य को इस पुण्य तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए।

व्रत का संकल्प लें और कथा का पाठ करें

अजा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा और आरती करनी चाहिए। साथ ही, व्रत का संकल्प भी अवश्य लें और व्रत कथा का पाठ करें। ऐसा करने से जीवन के समस्त दुखों और पापों से आपको मुक्ति मिल सकती है।

गलती से भी न तोड़ें तुलसी के पत्ते

एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्तों को तोड़ना वर्जित माना गया है। लेकिन द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्तों से व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में उस दिन आप घर के बच्चे या बड़े से यानी जिसने एकादशी का व्रत न किया हो उनसे द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तुड़वा लेने चाहिए। क्योंकि द्वादशी तिथि के दिन भी व्रती द्वारा तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित माना गया है।

पितृपक्ष का 7 सितंबर से आरंभ, तृतीया और चतुर्थी श्राद्ध एक ही दिन

अपने पूर्वजों को याद करने के लिए और उनकी पूजा करने के लिए पितृपक्ष का समय सबसे शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितर स्वर्ग लोक से धरती लोक में आते हैं और अपने परिवार के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से होने जा रहा है और इस बार तृतीया और चतुर्थी तिथि का श्राद्ध एक ही दिन किया जाएगा। बता दे कि पितरपक्ष यानी श्राद्ध का आरंभ होने से पहले पिठौरी अमावस्या को कुश ग्रहण किया जाता है। इसके बाद प्रोष्ठपदी पूर्णिमा तिथि को पहले श्राद्ध किया जाता है। पितर पक्ष के पहले दिन अगस्त मुनि का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है।

पितृपक्ष 2025 की तिथियां और तारीख

पूर्णिमा तिथि श्राद्ध – रविवार 7 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

प्रतिपदा तिथि श्राद्ध – सोमवार 8 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

द्वितीया तिथि श्राद्ध – मंगलवार 9 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

तृतीया तिथि श्राद्ध ड़ चतुर्थी तिथि श्राद्ध – बुधवार 10 सितंबर को किया जाएगा।

भरणी तिथि और पंचमी तिथि श्राद्ध – गुरुवार 11 सितंबर को किया जाएगा।

षष्ठी तिथि श्राद्ध – शुक्रवार 12 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

सप्तमी तिथि श्राद्ध – शनिवार 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

अष्टमी तिथि श्राद्ध – रविवार 14 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

नवमी तिथि श्राद्ध – सोमवार 15 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

दशमी तिथि श्राद्ध – मंगलवार 16 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

एकादशी तिथि श्राद्ध – बुधवार 17 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

द्वादशी तिथि श्राद्ध – गुरुवार 18 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

त्रयोदशी तिथिड़मघा श्राद्ध – शुक्रवार 19 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

चतुर्दशी तिथि श्राद्ध – शनिवार 20 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध – रविवार 21 सितंबर 2025 को किया जाएगा

पितृपक्ष में रखें इन बातों का विशेष ख्याल

पितृपक्ष में अपने पूर्वजों का श्राद्ध तिथि के अनुसार किया जाता है। जिस दिन भी आपके पितरों का निधन हुआ हो उस तिथि के अनुसार, पितृपक्ष में श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध के दिन अपने पितरों का प्रिय भोजन जरुर बनाएं और इस दिन ब्राह्मण, कौए, गाय, बिल्ली और कुत्तों को जरूर खाना खिलाना चाहिए। इससे पंचबलि कहा जाता है। श्राद्ध के दिन सबसे पहले तर्पण करें। तर्पण के लिए काले तिल, जौ, और जल से पितरों को अर्घ्य दें। वैसे तो श्राद्ध पक्ष के दौरान रोजाना तर्पण करना बेहद जरूरी है। वैसे तो पितृपक्ष में दान करने का विशेष महत्व है और आप किसी भी दिन दान कर सकते हैं लेकिन, जिन दिन आपके पितरों का श्राद्ध है उस दिन दान जरुर करना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजे पर कौन सा मंत्र लिखने से टलती है हर बुरी शक्ति?

वास्तु शास्त्र कहता है कि मुख्य द्वार घर की ऊर्जा का प्रवेश द्वार है। यदि वहां सही मंत्र लिखे जाएं तो घर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहता है। शांति, सुख और समृद्धि अपने आप बढ़ती है और हर बुरी शक्ति स्वतः दूर हो जाती है। वास्तु शास्त्र में घर का मुख्य द्वार ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। दरवाजे पर लिखे गए पवित्र मंत्र केवल आस्था का प्रतीक नहीं होते बल्कि वे घर के लिए सुरक्षा कवच का काम भी करते हैं। शास्त्रों और वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सही मंत्र दरवाजे पर अंकित किए जाएं तो नकारात्मक ऊर्जा कभी भी घर में प्रवेश नहीं कर सकती और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हमेशा बना रहता है।वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को घर की आत्मा कहा गया है। यहां से शुभ और अशुभ दोनों तरह की ऊर्जा प्रवेश करती है। इसलिए शास्त्रों में सुझाव दिया गया है कि दरवाजे पर कुछ खास मंत्र लिखे जाएं ताकि घर में केवल सकारात्मक ऊर्जा ही आए और बुरी शक्तियां प्रवेश न कर सकें।

मंत्रों का महत्व –वास्तु विशेषज्ञ मानते हैं कि मंत्र केवल उच्चारण के लिए नहीं होते बल्कि इनका लिखा हुआ रूप भी उतना ही प्रभावी होता है। दरवाजे पर लिखे गए मंत्र घर को सुरक्षा कवच की तरह ढक लेते हैं और नकारात्मक शक्तियां दूर रहती हैं।

सबसे प्रभावी मंत्र

सबसे पवित्र और प्रभावी माना गया है श्री राम जय राम जय जय राम। मान्यता है कि इस मंत्र को मुख्य द्वार के ऊपर लिख देने से कभी भी घर में दुर्भाग्य या नकारात्मकता प्रवेश नहीं करती।

इसके अलावा ॐ नमः शिवाय भी दरवाजे पर अंकित करने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यह मंत्र वातावरण को पवित्र करता है और ग्रह दोषों के प्रभाव को कम करता है।

अन्य शुभ मंत्र

कई परिवार मुख्य द्वार पर ॐ हनुमते नमः लिखते हैं। यह मंत्र भूत-प्रेत और नजर दोष से रक्षा करता है।

धन और समृद्धि के लिए श्रीं बीज मंत्र को दरवाजे के दोनों ओर लिखना शुभ होता है। कहा जाता है कि इससे घर में धन और ऐश्वर्य का प्रवाह कभी नहीं रुकता।

लड्डू गोपाल की छठी 21 को

जन्माष्टमी पर बाल गोपाल पधार चुके हैं। कान्हाजी के जन्म का उत्सव भक्तों ने धूमधाम से मनाया। उनका लड्डू गोपाल के रूप में पूजन किया गया। अब लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाएगी, क्योंकि सनातन धर्म में बच्चे के जन्म के बाद छठी मनाई जाती है। इस दौरान भगवान कृष्ण के मंदिरों को सजाया जाता है। उनका पूजन किया जाता है और भोग लगाया जाता है।

मान्यता है कि जन्माष्टमी के छठे दिन लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाती है। चूंकि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण भगवान का जन्म हुआ था। ऐसे में छठे दिन यानी भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी तिथि पर छठी मनाई जाती है। इस साल जन्माष्टमी तिथि 16 अगस्त को थी, जबकि 21 अगस्त को त्रयोदशी उपरांत चतुर्दशी तिथि मनाई जाएगी। ऐसे में इस साल 21 अगस्त को लड्डू गोपाल की छठी मनाई जाएगी।

छठी पर लड्डू गोपाल का भोग

छठी पर सुबह उठकर स्नान ध्यान करें। लड्डू गोपाल का अभिषेक करें। उन्हें नए वस्त्र पहनाएं। इसके बाद पंचामृत, फल, फूल, मिठाई, तुलसी के पत्ते आदि चढ़ाएं। इसके साथ ही सबसे अहम चीज छठी पर कढ़ी चावल का भोग लड्डू गोपाल को जरूर अर्पित करें। इसके बाद इसे प्रसाद के तौर पर बांट दें। छठी पर कढ़ी चावल का भोग लगाने का बड़ा महत्व है। दही, बेसन और हल्के मसालों के साथ कढ़ी बनाएं और भगवान को अर्पित करें। इसके साथ ही माखन मिश्री का भोग भी लगाएं और मोरपंख अर्पित करें।

इसके साथ ही भगवान कृष्ण से जुड़े मंत्रों का जप करें। किसी भूखे को भोजन कराएं। इसके साथ ही कदंब के पेड़ की टहनी लाकर पूजा स्थल पर रख सकते हैं। माना जाता है कि भगवान कृष्ण को कदंब का पेड़ बड़ा प्रिय है। यही नहीं भगवान को बांसुरी भी चढ़ा सकते हैं।

बुध गोचर सिंह राशि में, मिथुन-धनु सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ, आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

बुध ग्रह का 30 अगस्त को सिंह राशि में गोचर होने जा रहा है। अभी बुध कर्क राशि में विराजमान हैं। अब सिंह राशि में प्रवेश करने के बाद बुध की सूर्य से युति होगी जिससे बुधादित्य योग बनेगा। खास बात यह है कि सूर्य अपनी स्वराशि सिंह में पहले से हैं और बुध अपने मित्र ग्रह सूर्य की राशि सिंह में इस महीने के आखिर में प्रवेश करेंगे और मित्र ग्रह के साथ ही युति भी करेंगे।

इसके साथ ही सिंह राशि में केतु भी विराजमान हैं। ऐसे में बुध गोचर के बाद तीन ग्रहों के इस राशि में होने से त्रिग्रह योग बनेगा। ऐसे में बुध का सिंह राशि में गोचर मिथुन सहित 5 राशियों के लिए उम्मीद से बेहतर परिणाम दिलाने वाला रहेगा। इन राशियों का संवाद कौशल बेहतर होगा। करियर में आगे बढ़ेंगे और परिवार में सुख शांति रहेगी।

मेष राशि, विरोधियों को करेंगे परास्त

बुध गोचर से मेष राशि के जातकों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक स्तर पर सुख समृद्धि मिलने के आसार हैं। प्रोफेशनल लाइफ में आपकी मेहनत और समर्पण की तारीफ होगी। खासकर प्रतिस्पर्धा वाले कार्यों में आप अपने विरोधियों को पछाड़ने में सफल होंगे।

इसके साथ ही नौकरीपेशा जातकों को इस दौरान प्रमोशन मिल सकता है। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। बातचीत के दौरान आप सोच समझकर शब्दों का इस्तेमाल करेंगे। प्रेम जीवन के लिहाज से भी समय अच्छा रहने वाला है।

उपाय: गाय की सेवा करने से आपको लाभ होगा।

मिथुन राशि, काम को मिलेगी नई पहचान

मिथुन राशि के जातकों के लिए बुध गोचर शुभ रहने वाला है। क्रिएटिव काम से जुड़े लोगों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके काम को नई पहचान मिल सकती है। इसके साथ ही आपको प्रमोशन मिल सकता है और वेतन वृद्धि का भी मौका आपके सामने आ सकता है। आप अपनी वाक्पटुता के दम पर अपने संबंधों को बढ़ाने में सफल रहेंगे। परिवार में आपका भाई बहनों के साथ रिश्ता मजबूत होगा। जीवनसाथी के साथ भी आपके रिश्ते में सौहार्द बना रहेगा। आप परिवार के साथ किसी कार्यक्रम में जा सकते हैं या छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं।

उपाय: चिड़िया को दाना डालें। आपके लिए हितकारी रहेगा।

सिंह राशि, आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

बुध गोचर सिंह राशि वालों के लिए लाभदायक रहने वाला है। खासकर कारोबार में आपको नई संभावनाएं प्राप्त हो सकती हैं। आपको कमाई के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसके साथ ही आप नए कार्य शुरू कर सकते हैं जो आपकी वित्तीय स्थिति को बेहतर बना पाएंगे। इस दौरान आपको मान सम्मान की भी प्राप्ति होगी। परिवार में आपके अच्छा माहौल रहेगा। विवाह योग्य जातकों के लिए अच्छा रिश्ता आ सकता है। आप उस पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के संबंध अच्छे रहेंगे। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

उपाय: गरीब कन्याओं की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद करें।

तुला राशि, भाग्य का मिलेगा सहयोग

बुध गोचर का प्रभाव तुला राशि के लिए स्पेशल रहने वाला है। इस दौरान आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए सफलता लेकर आएगी। इस अवधि में आपको कारोबार में तेजी देखने को मिलेगी। अगर आपके काम अटक रहे थे तो वे तेजी से पूरी होंगे। इसके साथ ही आपको धन प्राप्ति के नए मौके मिलेंगे। नौकरीपेशा जातकों को काम के लिए सराहना मिल सकती है। इस दौरान आपको भाई बहनों का साथ मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे।

उपाय: गाय को हरी घास खिलाना आपके लिए शुभ होगा।

धनु राशि, कारोबार में मिलेंगे नए मौके

धनु राशि के लिए बुध गोचर मंगलकारी रहने वाला है। इस दौरान आपको सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरीपेशा जातकों को उच्च अधिकारियों से समर्थन मिलेगा। आपके संबंधों में अगर उतार चढ़ाव चल रहा था तो अब स्थिरता आएगी। आपको कारोबार में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही प्रोफेशनल लाइफ में आप अपनी मधुर वाणी से लोगों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे। परिवार में आपके संबंध स्नेहपूर्ण रहेंगे। आपको जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा। आप भी अपने पार्टनर का ख्याल रखेंगे और अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से निभाएंगे।

उपाय: किन्नरों को हरी चूड़ियों का दान करें।

संपादकीय

पीएम का 'चिप' संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण और सुखद घोषणा यह की कि साल के अंत तक हम 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप बनाने लगेंगे। यदि यह घोषणा जमीनी स्तर पर साकार हो जाए, तो आने वाले 10-15 सालों में भारत वाकई 'सोने की चिडिया' वाला देश बन सकता है। यह अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि वैश्विक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के आकलन हैं। भारत एक व्यापक, विविध देश है, जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक है, निवेश पर्याप्त हैं और सरकार की प्राथमिकता है, लिहाजा व्यापक स्तर पर 'चिप' का उत्पादन संभव है। हालांकि हम अभी चीन, अमरीका, ताइवान सरीखे देशों से बहुत पीछे हैं। वे 'चिप्स क्रांति' के देश हैं, जबकि भारत अभी शोध के दौर में रहा है। दुनिया डिजिटल क्रांति के दूसरे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण एक रणनीतिक ताकत बन चुके हैं, लेकिन भारत अब भी तैयारियों के शुरुआती मोड़ पर खड़ा है। हालांकि गुजरात और बेंगलुरु में कुछ प्लांट लगाए गए हैं। स्टार्टअप भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से हम पीछे हैं। चीन आज दुनिया की 'डिजिटल रीढ़' है। माइक्रोचिप से लेकर मोबाइल फोन और सर्वर तक, हर जगह, उसकी उपस्थिति है। अब भारत के लिए चिप का राष्ट्रीय उत्पादन, विस्तार और रोजगार 'तकनीकी संप्रभुता' का सवाल है। भारत के पास प्रतिभाशाली इंजीनियर और डिजाइनर हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों के लिए 'चिप निर्माण' के सूत्रधार बने हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी अपनी घोषणा को साकार कराने और उसे निरंतरता देने में सफल रहे, तो सेमीकंडक्टर चिप भारत के लिए 'तेल' साबित हो सकते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण और देशव्यापी घोषणा प्रधानमंत्री ने जीएसटी को लेकर की है। सरकार ने अपने प्रस्ताव जीएसटी परिषद को विचारार्थ भेज भी दिए हैं। जीएसटी के दायरे में 10 लाख से ज्यादा वस्तुएं हैं। उसकी स्लैब दरें 12 फीसदी से घटा कर 5 फीसदी की जाती हैं, तो यह देश के लिए वाकई 'दीपावली का तोहफा' होगा। ये वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं-टूथ पाउडर, नमकीन, सूखे मेवे, टूथपेस्ट, साबुन, पेनकिलर दवाएं, सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल और कम्प्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, बर्तन, ज्योमेट्री बॉक्स, नक्शे, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर, पब्लिक वाहन, स्टोब, सीमेंट, फ्रिज, टीवी, एसी, वॉशिंग मशीन आदि। जाहिर है कि आम आदमी को राहत मिलेगी। अब सिर्फ दो ही स्लैब होंगे-5 फीसदी और 18 फीसदी। जीएसटी के दायरे में आने वाली मक्खन, फ्रूट जूस आदि वस्तुएं भी सस्ती होंगी। सरकार का आकलन है कि जीएसटी की दरें घटाने से लघु, सूक्ष्म, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में नौकरियों के अवसर बढ़ेंगे, ठेका श्रमिक बढ़ेंगे, आम आदमी की खर्च योग्य आय भी बढ़ेगी। देश की अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और जीडीपी 0.6 फीसदी से 0.7 फीसदी तक बढ़ सकती है। रोजगार देश की एक बुनियादी समस्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपए की 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' की घोषणा की है। दावा किया जा रहा है कि इससे करीब 3.5 करोड़ युवाओं को नौकरियां और रोजगार मिल सकेंगे। इस संदर्भ में सवाल है कि क्या यह योजना बजटीय घोषणाओं से अलग है? सवाल यह भी है कि संसद में बजट पेश करते हुए एक घोषणा की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में युवाओं को इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। भत्ता भी मिलेगा, हुनर भी सीख सकेंगे, सरकार पहली नौकरी पर 15,000 रुपए भी देगी। उस योजना का क्या हुआ, देश को अद्यतन स्थिति ब्रीफ की जाए। प्रधानमंत्री मोदी लालकिले से 103 मिनट तक बोले। यह किसी भी प्रधानमंत्री का, लालकिले से, अभी तक सबसे लंबा भाषण है। प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों को छुआ और यह एक परंपरा रही है। अंतरिक्ष में भारत का स्टेशन बनाने की बात भी कही। हाल ही में अंतरिक्ष से यात्रा कर लौटे शुभांशु शुक्ला का भी प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया। अब अंतरिक्ष पर सोमवार को संसद में चर्चा प्रस्तावित है।

भारत एक व्यापक, विविध देश है, जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक है, निवेश पर्याप्त हैं और सरकार की प्राथमिकता है, लिहाजा व्यापक स्तर पर 'चिप' का उत्पादन संभव है। हालांकि हम अभी चीन, अमरीका, ताइवान सरीखे देशों से बहुत पीछे हैं। वे 'चिप्स क्रांति' के देश हैं, जबकि भारत अभी शोध के दौर में रहा है। दुनिया डिजिटल क्रांति के दूसरे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण एक रणनीतिक ताकत बन चुके हैं, लेकिन भारत अब भी तैयारियों के शुरुआती मोड़ पर खड़ा है। हालांकि गुजरात और बेंगलुरु में कुछ प्लांट लगाए गए हैं। स्टार्टअप भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से हम पीछे हैं। चीन आज दुनिया की 'डिजिटल रीढ़' है। माइक्रोचिप से लेकर मोबाइल फोन और सर्वर तक, हर जगह, उसकी उपस्थिति है। अब भारत के लिए चिप का राष्ट्रीय उत्पादन, विस्तार और रोजगार 'तकनीकी संप्रभुता' का सवाल है।

आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं

जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

श्याम सरन

बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम - लिटिल बॉय और फैट मैन - की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा। चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति-मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार-मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें। बाद में, सदी के अंत में, मैं 'ग्लोबल ज़ीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार-मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व-निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व-निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि-आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे। अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक-दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व-निवारण परमाणु पहल, द्वि-आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है। सभी परमाणु-हथियार संपन्न देशों की भागीदारी वाली बहुपक्षीय वार्ताओं से ही परमाणु युद्ध के खतरे का समाधान संभव है। शुरुआत परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच एक बहुपक्षीय समझौते से की जा सकती है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने में वे कभी भी पहल न करेंगे और आदर्श रूप से तो, वे उनका इस्तेमाल ही न करने या उपयोग करने की धमकी न देने का प्रण करें। इस किस्म का समझौता इन दिनों जारी लड़ाई में रूस को यूक्रेन के खिलाफ सीमित क्षमता के परमाणु हथियार के इस्तेमाल की बात करने से रोक सकता। परमाणु युद्ध का खतरे बढ़ाने में तकनीक भी एक भूमिका निभा रही है। एक अपरिष्कृत किंतु अत्यधिक विनाशकारी अस्त्र बना सकने की तकनीक अब आसानी से उपलब्ध है। पूर्व-निवारण चोट दुश्मन राष्ट्र के खिलाफ तो कारगर हो सकती है, लेकिन गैर-राज्यीय ताकतों से निबटने में अप्रासंगिक हो जाती है। यह कल्पना की जा सकती है कि कोई आतंकवादी या जिहादी समूह किसी खतरनाक हथियार या अस्त्र को हथियाकर, उसे किसी दूसरे देश के क्षेत्र से, उसकी जानकारी और मिलीभगत के बिना भी, अपने लक्षित देश पर दाग दे। तब क्या उस देश के विरुद्ध परमाणु हथियारों से की जाने वाली जवाबी कार्रवाई न्यायोचित होगी जिसकी भूमि का इस्तेमाल अस्त्र दागने में किया गया? यह कल्पना भी की जा सकती है कि परमाणु अस्त्र लक्षित देश के अपने क्षेत्र के भीतर से दाग दिया जाए। तब इस मामले में जवाबी परमाणु कार्रवाई का क्या अर्थ होगा? परमाणु हथियार अब साइबर प्रणालियों के साथ भी जुड़ गए हैं और निशाना साधने के लिए उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। पहले से ही एक परमाणु-साइबर-स्पेस अबाध क्रम प्रणाली मौजूद है और इस अबाध क्रम में किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग किए जाने या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई शुरू करने का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग और निर्णय-प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ा देगा। हम एक ऐसे भविष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं जिसमें हमारे अपने विनाश के बीज छिपे हैं। पवित्र स्मारकों पर श्रद्धासुमन से कहीं ज़्यादा विचार करने लायक है हिरोशिमा और नागासाकी की भयावहता- एक ऐसी चेतावनी जिस पर ध्यान देना आवश्यक है।

युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यत: अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं।

देश दुनिया से

क्यों फिसड्डी हैं हम, एक विश्लेषण

हिमालयी क्षेत्र, विशेषकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड, भूकंप, भूस्खलन, बादल फटना, बाढ़, ग्लेशियर झील विस्फोट (जीएलओएफ) जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से अति-संवेदनशील है। इसके बावजूद हर आपदा के बाद स्थिति 'अफरा-तफरी', 'दोषारोपण' और 'मुआवजे' तक सीमित रह जाती है। एक कहावत है 'बुद्धिमान अपनी गलतियों से सीखते हैं' और 'जो दूसरों की गलतियों से सीखते हैं वे अधिक बुद्धिमान होते हैं।' परंतु हमारे आपदा प्रबंधन तंत्र पर यह दोनों लागू नहीं होते। यदि होते तो उत्तरकाशी भूकंप के बाद उत्तराखंड में केदारनाथ, भटवाड़ी, जोशीमठ, ऋषिगंगा जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। धाराली जैसे कस्बे नेस्तनाबूद न होते। हिमाचल में अगर हमने लुगदीभाटी (कुल्लू), घारट (सराहन) और बासपा (किन्नौर) से सबक लिए होते तो शायद नड्डी, भागसू, सिराज, थुनाग, ज्यूणी जैसे मामलों की पुनरावृति नहिं होती। प्रथमद्रष्ट्या प्रतिक्रिया आधारित प्रणाली : आपदा आने के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है। पहले से कोई व्यावहारिक पूर्व-सतर्कता या मॉक-ड्रिल्स नहीं होतीं। और अक्सर आपदा गुजर जाने के बाद पुनः अगले ऐसे अवसर की ताक में कुंभकर्णी नींद सो जाता है। आपदा के समय में भी तंत्र की प्राथमिकता केवल बचाव और राहत तक ही सीमित हो जाती है। ऐसे समय में राजनीतिक और प्रशानिक नेतृत्व की आपदा स्थल पर आवाजाही से आपदा प्रबंधन तंत्र की शक्ति और सामथ्र्य प्रभावितों की अपेक्षा उन अति विशिष्ट लोगों की ओर अधिक खर्च होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते चुनावों में आपदा प्रबंधन कभी मुद्दा नहीं बनता। नेता केवल आपदा के बाद फोटोऑप में दिखते हैं, लेकिन दीर्घकालिक नीति में रुचि नहीं लेते। आपदा के बाद राहत व बचाव दलों की प्रतिक्रिया बेहद धीमी होती है। दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए संसाधनों की कमी, खराब सडकें और हेलीकॉप्टर की सीमित उपलब्धता स्थिति को और बिगाड़ती है। प्रशिक्षण और संसाधनों का अभाव : स्थानीय प्रशासन और आपदा मोचन बलों के पास आधुनिक उपकरणों, ड्रोन, सर्च-रेस्क्यू कुत्तों और जीपीएस जैसी तकनीकों की भारी कमी है। गांव-स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का न होना भी एक बड़ा अभाव है। विकास बनाम पर्यावरण का टकराव : गत कुछ वर्षों से तीव्र विकास के नाम पर प्रारंभ की गई परियोजनाएं जैसे बिना वैज्ञानिक अध्ययन के चारधाम सडक़ परियोजना, बड़े बांध, सुरंगें, और होटल निर्माण जैसी गतिविधियां पहाड़ों की भौगोलिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। क्योंकि संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में युवा पर्वत शृंखला होने के नाते चट्टानें जो दो प्लेट के टकराने से उत्सर्जित हुई हैं, उनमें निरंतर फोल्ड फॉल्ट ज्वाइंट्स के अतिरिक्त भूकंपीय पट्टी के कारण जो हलचल होती है, ऐसे निर्माणों से उसे और गति मिलती है जिससे चट्टानें खिसकने, अवधाव, भूस्खलन, गाद चलन जैसी स्थिति बनी रहती है, अतः इस प्रकार के निर्माण जो आवश्यकता को कम और ठेकेदारी को अधिक ध्यान में रख कर नियत होते हैं आपदाओं को निमंत्रण देते हैं। संपूर्ण सिराज क्षेत्र में इस व्यवस्था का नतीजा निरीह नागरिक भोग रहे हैं। बिना पर्यावरणीय प्रभाव पारिस्थितिकी अध्ययन के बनी परियोजनाओं की परिणिति ऐसी ही होगी। स्थानीय सहभागिता की उपेक्षा : स्थानीय समुदायों और पारंपरिक ज्ञान को आपदा प्रबंधन योजनाओं में शामिल नहीं किया जाता। जब भी कोई आपदा आती है तो आपदा प्रबंधन में बचाव और राहत में स्थानीय और निकटवर्ती जनसंख्या ही बड़ी भूमिका निभाती है। यह प्रामाणिक तथ्य है परंतु इसके बावजूद राज्य अथवा जिला आपदा प्रबंधन प्रक्रिया के प्रशिक्षण, ज्ञानवर्धन, सशक्तिकरण में उनकी भूमिका पर कोई गौर नहीं होता। तकनीकी व संरचनात्मक तैयारी का अभाव : अधिकांश भवन भूकंपरोधी नहीं हैं। मौसम और भूगर्भीय पूर्वानुमान प्रणालियां कमजोर हैं। आपदा के समय राहत पहुंचाने के संसाधन सीमित हैं। राज्य और जिला-उपमंडल स्तर के आपदा प्रबंधन योजना वृत्त मात्र एक ग्रंथ बन कर रह जाते हैं जबकि उनका निरंतर अवलोकन और पुनरुद्धार ही सफल आपदा प्रबंधन की नींव है। अगर यह सब कुछ सही नहीं चल रहा, तो सुधार के लिए विकल्प क्या हैं, इस पर भी चर्चा, चिंता और चिंतन आवश्यक है? क्या हों विकल्प : संभावित समाधान : पूर्व-चेतावनी तंत्र को मजबूत करना, रडार, सेटेलाइट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित कर, समय पर चेतावनी दी जा सकती है। स्थायी विकास नीति : बड़े निर्माण कार्यों से पहले पर्यावरण प्रभाव आकलन, सामाजिक प्रभाव आकलन और पर्यावरणीय व्यय आकलन को अनिवार्य और पारदर्शी बनाना होगा। भू-जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और जोनिंग भू-संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां निर्माण पर रोक लगाई जाए। नदी-नालों के किनारों पर 25-50 मीटर तक किसी भी निर्माण की अनुमति न हो। इसके अतिरिक्त वर्तमान घटनाओं से सबक लेते हुए नदी नालों, मृतक ग्लेशियर के जमाव यानी अलुवायल फैन और कालेजियल फैन पर किसी बसावट को अनुमति नहीं होनी चाहिए। टेक्नोलॉजी का स्थानीय उपयोग रूड्रोन आधारित निगरानी, सैटेलाइट इमेजिंग, मौसम सेंसर, और मोबाइल आधारित आपदा ऐप्स ग्राम स्तर तक पहुंचाई जाएं। पहाड़ी क्षेत्रों में ऑप्टिकल फाइबर की जगह रेडियो आधारित इंटरनेट तकनीक अपनाई जाए। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समावेश स्थानीय लोगों के पारंपरिक अनुभव जैसे पक्षियों का व्यवहार, नदी का रंग-धारा, धरती की हलचल आदि को वैज्ञानिक अध्ययनों से जोड़ा जाए और इन्हें चेतावनी संकेतों में शामिल किया जाए। स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षित करना : स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन योजनाओं में शामिल नहीं किया जाता, जबकि वे सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान, अनुभव और सतर्कता प्रशासन के लिए संसाधन हो सकते हैं।

आपदा के समय में भी तंत्र की प्राथमिकता केवल बचाव और राहत तक ही सीमित हो जाती है। ऐसे समय में राजनीतिक और प्रशानिक नेतृत्व की आपदा स्थल पर आवाजाही से आपदा प्रबंधन तंत्र की शक्ति और सामथ्र्य प्रभावितों की अपेक्षा उन अति विशिष्ट लोगों की ओर अधिक खर्च होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते चुनावों में आपदा प्रबंधन कभी मुद्दा नहीं बनता।

आप का नजरिया

प्रासंगिकता का ऑडिट

सार्वजनिक क्षेत्र में अप्रासंगिक होते संस्थान या उपक्रम अगर पहचान लिए जाएं, तो राज्य के बजट में गंभीरता भी जुड़ जाएगी। हिमाचल में शिक्षा क्षेत्र का अप्रासंगिक चेहरा अब तक कई स्कूल-कालेजों की कलई खोल चुका है, तो इस प्रक्रिया की ईमानदारी में हर विभाग को अपनी फिजूलखर्ची रोकनी चाहिए। हम इसे कतरब्यौंत समझते हैं जबकि सार्वजनिक क्षेत्र का अप्रासंगिक चेहरा हटाने में ही राज्य की भलाई है। इसका एक कारण यह भी है कि जहां निजी क्षेत्र की भूमिका अंगीकार हुई, वहां सरकारी संस्थान हिलने लगे हैं। अभी तक कोशिश यह रही कि सरकारी क्षेत्र को आगे बढना सिखाया जाए, लेकिन लाव लश्कर के सहारे चलने वाली व्यवस्था को कहां मंजूर कि संभल के चला जाए। यहां शिक्षण संस्थान बनाम सरकारी बसों की परख करें, तो न योग्यता, न सुविधा और न ही सेवा भाव दिखाई देता है। बसें रूट बदल कर चलाई तो जा सकती हैं, लेकिन प्रासंगिक होने के लिए निजी क्षेत्र से बहुत कुछ सीखना पड़ेगा। दिल्ली को हिमाचल के विभिन्न भागों से जोड़ती निजी वोल्वो बसों के सामने हिमाचल को दिल्ली से जोड़ती सरकारी बसों के बीच आखिर मुकाबला तो 'सेवा और सुविधा' का ही है। प्रदेश में दो दर्जन नई वोल्वो भी अगर प्रासंगिकता के संघर्ष में टिकट नहीं बेच पा रहीं, तो समझना होगा कि अब परिवहन क्षेत्र में कितना बदलाव आ चुका है। था एक वक्त जब चंडीगढ़ तक की बस सेवा में एचआरटीसी का एकमात्र रूट परिवहन का स्वामी बन जाता था। अब स्वामी तो यात्री है। क्या एचआरटीसी सीधे यात्रियों को संबोधित कर पा रही है। क्या बस डिपो इस दृष्टि से खोले कि यात्री सीधे संबोधित किए जा सकें। यही अंतर है जो निजी बसों को बस डिपो में नहीं, सेवा और सामथ्र्य में बेहतर बनाता है।ऐसे में परिवहन निगम को आधे से ज्यादा डिपो बंद करके चंडीगढ़ और दिल्ली में स्वतंत्र डिपो खोलने चाहिएं। दिल्ली और चंडीगढ़ के बस डिपो से बसें अगर हिमाचल के विभिन्न भागों को चलेंगी, तो प्रासंगिकता पैदा होगी। इसी तरह डिपो के बजाय प्रमुख रूटों पर चंडीगढ़ से पहले और चंडीगढ़ से आगे एचआरटीसी को फूड मार्ट विकसित करने चाहिएं, वरना ढाबा नीति तो पहले भी बनती रही। प्रासंगिकता हिमाचल के हर दफ्तर और दफ्तर के कार्यक्षेत्र को भी निभानी होगी। अगर प्रदेश में आठ नगर निगम बन गए, तो अब पुलिस के भी आयुक्तालय बनाने पड़ेंगे। प्रासंगिकता के हिसाब से हिमाचल के तमाम विश्वविद्यालयों से यह लेखा-जोखा मांगा जाए कि किसान-बागबान तक उनके अनुसंधान तथा इस क्षेत्र का नवाचार कहां खड़ा है। मेडिकल कालेजों से पूछा जाए कि चिकित्सा विज्ञान के किस पहलू में उनकी सफलताओं ने मरीजों का भरोसा किस हद तक जोड़ा। कमोबेश जिस तरह की कसौटियों में शिक्षा मंत्री, स्कूल-कालेजों की इमारतों में प्रासंगिकता ऑडिट कर रहे हैं, इसी तरह हर विभाग के तहत हर दायित्व और हर कायार्लय के कामकाज को प्रा संगिकता के मानदंड साबित करने होंगे। यहां यही सिर्ि द्ध खेल, भाषा, लका एवं संस्कृति, पर्य टन विभागों तथा तमाम बोर्ड -निगमों को भी पानी होगी।

उदाहरण के लिए भाषा-संस्कृति विभाग ने शिलमा के अलावा सोलन, कुल लू, ऊना, लिबासपुर तथा मंडी में ऑडिटोरियम जोड़े हैं, लेकिन इनके औचित्य को यथार्थ से जोडने तथा प्रा संगिकता बढ़ाने के लिए प्रयास ही नहीं हो रहे, लहिाजा कई सभागार तो साल में दो-चार बार ही खुलते हैं।

क्या हिमालच की संस्कृति-संवाद, गीत-संगीत, नृत्य व लोक रंगमंच की दृष्टि हम इन्हें प्रासंगिक बना पाए।हम इन्हें स्थानीय लकाकारों की गतिविधियों से जोड़ कर पर्यटन और संस्कृति के प्रमुख केंद्र बना सकते हैं।

हम इसे कतरब्यौंत समझते हैं जबकि सार्वजनिक क्षेत्र का अप्रासंगिक चेहरा हटाने में ही राज्य की भलाई है। इसका एक कारण यह भी है कि जहां निजी क्षेत्र की भूमिका अंगीकार हुई, वहां सरकारी संस्थान हिलने लगे हैं। अभी तक कोशिश यह रही कि सरकारी क्षेत्र को आगे बढना सिखाया जाए, लेकिन लाव लश्कर के सहारे चलने वाली व्यवस्था को कहां मंजूर कि संभल के चला जाए।यहां शिक्षण संस्थान बनाम सरकारी बसों की परख करें, तो न योग्यता, न सुविधा और न ही सेवा भाव दिखाई देता है। बसें रूट बदल कर चलाई तो जा सकती हैं, लेकिन प्रासंगिक होने के लिए निजी क्षेत्र से बहुत कुछ सीखना पड़ेगा।दिल्ली को हिमाचल के विभिन्न भागों से जोड़ती निजी वोल्वो बसों के सामने हिमाचल को दिल्ली से जोड़ती सरकारी बसों के बीच आखिर मुकाबला तो 'सेवा और सुविधा' का ही है।

अमृत कलश

पवित्रता जीवन की संपूर्णता

पवित्रता जीवन की संपूर्णता का प्रतीक है। बाह्य पवित्रता और आंतरिक पवित्रता दोनों एक–दूसरे की पूरक हैं। जैसे दीपक के प्रकाश के लिए तेल–बाती दोनों आवश्यक हैं वैसे ही सच्चे कर्मयोगी और आध्यात्मिक मुमुक्षु के लिए ये दोनों ही पवित्रताएं अनिवार्य हैं। बाह्य पवित्रता का अर्थ है शरीर वस्त्र वातावरण और व्यवहार की शुद्धता। आध्यात्मिक साधना का प्रथम चरण भी बाह्य शुद्धि से ही शुरू होता है। जब विचार निष्कलंक उद्देश्य निष्काम और भावनाएं निर्मल होती हैं तब व्यक्ति के भीतर दिव्यता प्रकट होती है। ईर्ष्या द्वेष छल लोभ आदि आंतरिक अशुद्धियां–अपवित्रता हैं जो आत्म बल को नष्ट कर देती हैं। इस आंतरिक शुद्धता और पवित्रता के बिना भक्ति ध्यान या साधना निष्फल हो जाती है। कोई व्यक्ति बाहर से बहुत सुसज्जित है परंतु भीतर से द्वेष और अहंकार से भरा हुआ है तो उसका प्रभाव नकारात्मक ही होगा। वहीं साधारण कपड़ों में शांत दयालु और निष्कलंक दय वाला व्यक्ति सभी का सम्मान पाता है। गीता में भगवान कृष्ण आंतरिक पवित्रता की प्राप्ति के लिए ज्ञान और तप की आवश्यकता पर बल देते हैं। कहते हैं 'जिसने ज्ञान और तप से आत्मा को पवित्र किया है वही मुझे प्राप्त कर सकता है।' महंत स्वामी महाराज समझाते हैं कि यह ज्ञान आत्मा की गहराई से जन्मा वह बोध है जिसमें व्यक्ति पहचानता है कि 'मैं शरीर नहीं आत्मा हूं' और यह आत्मा अविनाशी है। जब यह समझ दृढ़ होती है तब संसार के सुख–दुख मान–अपमान लाभ–हानि सब बदल जाते हैं। ज्ञान को जीवन में उतारने के लिए तप आवश्यक है। तप यानी निरंतर आत्म–नियंत्रण संयम संकल्पों पर अडिग रहना और आसक्ति से मुक्ति की प्रक्रिया में स्वयं को तपाना।

दृष्टि कोण

टैरिफ चुनौती के लिए नई रणनीति जरूरी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकाना पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। ज्ञातव्य है कि अमेरिकी डेयरी उत्पादों और आनुवांशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों के लिए बाजार पहुंच पर मतभेद के मद्देनजर भारत और अमेरिका के बीच एक अगस्त की निर्धारित समय सीमा में अंतरिम व्यापार समझौता नहीं हो पाया है। ऐसे में जहां 7 अगस्त से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 फीसदी शुल्क (टैरिफ) लागू कर दिया है, वहीं 27 अगस्त से भारत पर रूस से तेल खरीदी के मद्देनजर जुर्माने के रूप में 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाने का कार्यकारी आदेश भी जारी किया है। भारत अब ब्राजील के साथ सबसे ज्यादा 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ वाला देश बन गया है। चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा शत्रु बताने वाले ट्रंप ने चीन पर महज 30 फीसदी टैरिफ लगाया है। जहां पाकिस्तान पर 19 फीसदी टैरिफ है, वहीं भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धी एशियाई देशों पर भी कम टैरिफ है। ऐसे में जहां चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के लिए 900 अरब डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किए जाने की चुनौती बढ़ गई है, वहीं देश की 6.5 फीसदी अनुमानित विकास दर के घटकर 6 फीसदी के स्तर पर पहुंचने की चुनौती भी बढ़ गई है। अतएव अब ट्रंप की टैरिफ चुनौती का मुकाबला करने के लिए नई रणनीति के तहत किसानों और निर्यातकों को सब्सिडी, घरेलू खपत को बढ़ाना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की मजबूती, स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत अभियान को जन-जन तक पहुंच, मुक्त व्यापार समझौतों में तेजी के विशेष अभियानों के साथ आगे बढना होगा। अब इस रणनीति पर देरी करने का कोई विकल्प भारत के पास नहीं है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच कारोबार तेजी से बढने की जो ऊंची संभावनाएं दिखाई दे रही थी, वे ट्रंप के द्वारा भारत पर ऊंचे टैरिफ और रूसी तेल की खरीदी पर जुर्माने के आदेश ने धूमिल कर दी हैं। वस्तुतः इस समय अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अंतिम दौर की चर्चा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के तहत भारत के चर्चाकारों के द्वारा देश के करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़े हुए कृषि और डेरी क्षेत्र में रियायत नहीं देने की दृढ़ता दिखाई जाने से अमेरिका ने भारत पर दबाव बढ़ाने के मद्देनजर ऊंचे टैरिफ का ऐलान किया है। यद्यपि भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात प्रधान अर्थव्यवस्था नहीं है और अर्थव्यवस्था में मजबूत घरेलू बाजार एक बड़ी शक्ति है, फिर भी अब भारत को अमेरिकी बाजारों के लिए निर्यात के साथ-साथ वैश्विक व्यापार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्ञातव्य है कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और निर्यात गंतव्य है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को 86.5 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया। इस दौरान अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 40.8 अरब डॉलर रहा। ऐसे में ट्रंप के द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के मद्देनजर भारत के कई उद्योग-कारोबार प्रभावित होंगे। मसलन, ऑटो कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियां, टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री, मेटल और फार्मा कंपनीज पर ट्रंप के टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ट्रंप के ऊंचे टैरिफ से विकास दर और निर्यात घटने की चुनौतियों का सामना करने और हरसंभव तरीके से निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने रणनीतिपूर्वक आगे बढना शुरू किया है। नई रणनीति के तहत वाणिज्य मंत्रालय ने इस्पात, लेदर, रत्न, खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत और यांत्रिक मशीनरी, इंजीनियरिंग, समुद्री और कृषि सहित कई क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ बैठकें की हैं, ताकि उच्च शुल्क के कारण उन्हें होने वाली समस्याओं को समझा जा सके और उन्हें ब्राजील की तरह राहत दी जा सके। निर्यातक सरकार से वित्तीय सहायता, किफायती ऋण, ब्याज सब्सिडी चाहते हैं। निर्यातक निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों व शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) जैसी योजनाओं के तहत बकाया राशि का समय पर भुगतान और अमेरिका के लिए सीधे निर्यात जैसे राजकोषीय प्रोत्साहनों का विस्तार करने की जरूरत अनुभव कर रहे हैं। निश्चित रूप से अब भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को और बहिर्मुखी बनाना होगा। भारत की तेजी के साथ की डगर पर तेजी के साथ बढना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्त्रोत बढेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक–दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता–पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है. वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख–सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा–सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 अगस्त 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 03:34 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 01:08 तक
योग : वज्र रात्रि 08:29 तक
करण : बालव सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अजा एकादशी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकार खेल प्रतिभा को निखारने के लिए श्रेष्ठ खेल सुविधाएं करवा रही है उपलब्ध: भजनलाल

जयपुर 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए गांवों से लेकर कस्बों तक श्रेष्ठ खेल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है।

श्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग के अधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार करने के क्रम में बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 के सफल आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तावित खेलों के आयोजन से प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार होगा। उन्होंने खेल विभाग को प्रदेशभर में खेल सुविधाओं के निरंतर विस्तार और आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश–प्रदेश से हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके आवास, आवागमन, भोजन सहित आवश्यक सुविधाओं की सर्वोत्तम व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए खेलों का सफल आयोजन किया जाए। उन्होंने इस आयोजन को राजधानी जयपुर के साथ ही अन्य जिलों में भी कराने की संभावनाओं पर विचार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए और श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूपरेखा बनाई जाए। इस संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पूर्व आयोजकों से भी संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने खेलों के आयोजन स्थलों के लिए ऐसे खेल मैदानों का चयन करने के लिए निर्देशित किया जहां खिलाड़ियों को श्रेष्ठ सेवाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित गेम्स के सफल संचालन के लिए मोबाईल ऐप डिजाइन करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की खेलों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए यथासंभव कदम उठाए जाएं।

उन्होंने प्रदेश में खेल अवसंरचना के उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए इसे आधुनिक बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से पूर्व की समयावधि में प्रदेशभर में पंचायत स्तर तक खेलों का अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। साथ ही, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पर्याप्त मानव संसाधन होना अति आवश्यक हैं। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग को खेल प्रशिक्षक सहित अन्य रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पॉर्ट की अवधारणा के तहत प्रत्येक जिले में एक खेल को विशेष रूप से बढ़ावा देने का फैसला किया है।

नगरीय विकास के प्रोजेक्ट्स को समय पर करें पूरा : शर्मा

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है जिससे प्रदेश के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे को गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को नगरीय विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करने और नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुण–वत्तापूर्ण कार्य पर फोकस करने के निर्देश दिए जिससे जनता को समय से इनका लाभ मिले। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरत एवं वर्तमान प्रचलन को ध्यान में रखते हुए कार्य करें ताकि बोर्ड के राजस्व में वृद्धि हो सके। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड निजी डेवलेपरर्स से प्रतिस्पर्धा करते हुए आमजन को गुणवत्तायुक्त आवास उचित मूल्य में उपलब्ध करवाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रचार–प्रसार करे, परियोजनाओं में नवाचार लाए और इनके विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल करे ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा इनका लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किए कुंभलगढ़ दुर्ग स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में दर्शन

राजसमंद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को कुंभलगढ़ दुर्ग परिसर में आयोजित महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट की बैठक लेने के पश्चात प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने शिवलिंग पर जल अर्पित कर प्रदेश की खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की।

दर्शन उपरांत उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में आए पर्यटकों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान एक नन्हीं बच्ची से उन्होंने स्नेहपूर्वक पूछा कि क्या वह महाराणा प्रताप के बारे में जानती है? बच्ची ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया हाँ। उप मुख्यमंत्री ने बच्ची की माता जी की प्रशंसा की और प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को हमारे इतिहास और संस्कृति और महापुरुषों के बारे में बताना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने बच्ची को स्नेहिल दुलार किया। उप मुख्यमंत्री के संग कुम्भलगढ़ की स्थानीय बालिकाओं और वहाँ भ्रमण पर आई पर्यटक महिलाओं ने सेल्फी ली।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटक महिलाओं को कुम्भलगढ़ जैसे शानदार पर्यटक स्थल की यात्रा की फोटो अपने सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उप मुख्यमंत्री की सहजता और आत्मीय व्यवहार से वहाँ उपस्थित आम नागरिक और पर्यटक प्रभावित हुए।

श्री चारभुजा मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

ब्यावर (राजस्थान), 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री चारभुजा सेवा समिति गिरी द्वारा ब्यावर के गिरी गांव स्थित श्री चारभुजा मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का पावन पर्व बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।इस शुभ अवसर पर, हैदराबाद की श्री राम दरबार सत्संग समिति के सदस्यों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कन्हैया वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन पाराशर और जगजीत सिंह सहित समिति के अन्य सदस्यों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन में समस्त ग्रामवासियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन होकर भजन–कीर्तन किए और उनकी मनमोहक झाँकियों के दर्शन किए।यह आयोजन दोनों समितियों और स्थानीय ग्रामवासियों के बीच एकता और धार्मिक सद्भाव का प्रतीक बन गया।

सबके विकास की सोच ही भाजपा को श्रेष्ठ बनाती है : डॉ. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया सोमवार को रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिला कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। डा. पूनिया ने दोनों जिला कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इन बैठकों में रेवाड़ी में जिला अध्यक्ष वंदना पोपली और महेंद्रगढ़ में जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव ने बैठक की अध्यक्षता की और जिला की रिपोर्ट कार्यकारिणी में प्रस्तुत की।

मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर बोलते हुए कहा कि भाजपा ने देश में विकास आधारित राजनीति की नींव रखी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिस काबिलियत से सरकार चला रहे हैं वो अदभुत है। गरीबों के सर पर पक्की छत है। राशन की कोई चिता नहीं है यही भाजपा सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर डा. सतीश पूनिया ने विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ संगठन की नव मजबूती का संकल्प भी कार्यकर्ताओं को दिलाया।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ था। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भाजपा ने अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज करते हुए भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए हैं।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार भारत को सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी राष्ट्र के निर्माण के लिए निरंतर सक्रिय है। आज भाजपा देश में एक प्रमुख राष्ट्रवादी शक्ति के रूप में उभर चुकी है एवं देश के सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कृतसंकल्प है।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी, जो आज 'सबका साथ, सबका विकास' की उद्घोषणा के साथ गौरव सम्पन्न भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार के कार्य व योजन–ाओं को जन जन तक पहुचाने का काम करें। रेवाड़ी जिला कार्यकारिणी की बैठक में अनिल डहीना, डा. कृष्ण कुमार, लक्ष्मण सिंह यादव और सतीश खोला तथा महेंद्रगढ़ जिला कार्यकारिणी की बैठक में ओम प्रकाश यादव, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, मदन गोयल, कंवर सिंह यादव ने सेवा पखवाड़ा एवं पंच परिवर्तन, संगठनात्मक विस्तार एवं बूथ पर होने वाले कार्यक्रम, प्रदेश एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निजीकरण के नाम पर बीजेपी सरकार देश की संपत्ति को प्राइवेट कंपनियों के हाथ सौंप रही : दीपेन्द्र

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दीपेन्द्र हुड्डा ने संसद में सरकार से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अलावा अन्य बैंकों के निजीकरण की योजना और विचाराधीन बैंकों के नाम पूछते हुए उन बैंकों के विनिवेश से प्राप्त होने वाले अनुमानित राजस्व पर सवाल किया और ये भी पूछा कि क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय या समेकन के किसी नए प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसके जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि दो बैंकों के निजीकरण और आगे और बैंकों के विलय की संभावनाओं पर विचार कैबिनेट समिति करेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार न तो बैंकों के नाम सार्वजनिक कर रही है और न ही यह बता रही है कि कितने राजस्व की अपेक्षा है। सरकार के जवाब से स्पष्ट है कि पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखकर जनता को अंधेरे में रखा जा रहा है। भाजपा राज में सरकारी संस्थाओं का निजीकरण किया जा रहा है। सरकारी बैंक में आम और गरीब निश्चिन्त होकर अपना पैसा डाल देता था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करके गरीबों के लिए बैंकों के दरवाजे खोले, जिसे बीजेपी सरकार बंद कर रही है। कांग्रेस की आर्थिक नीति से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लाभ आम गरीब उठाता था, बीजेपी की नीति से गरीबों को मिलने वाला लाभ अब चंद धनाढ्यों की तिजोरियों में जाएगा।

सड़कों के निर्माण और मुरम्मत में गुणवता का रखा जाए विशेष ध्यान : सैनी

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला पंचकूला के पाहड़ी क्षेत्र मोरनी व कालका में लोगों को सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 19 गांवों के लगभग 61 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पक्का कर पेवर ब्लॉक की सड़कें बनाने के निर्देश दिए। इन सड़कों की चौड़ाई 12 फुट होगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहाँ लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने वन विभाग से एनओसी लेकर शीघ्र इन गांवों में सड़कों के निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मोरनी व कालका के पहाड़ी क्षेत्र के इन गांवों में सड़क बनने से वहां के निवासियों को आवाजाही के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और इन इलाकों में विकास के नए मार्ग प्रशस्त होगी। यहां रहने वाले निवासियों को कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से जल्द निजात मिलेगी। नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में नई सड़कों के निर्माण और मुरम्मत में गुणवता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवता से किसी भी प्रकार का समझौता कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि तय समय सीमा में विकास कार्यों को पूरा करवाया जाए। यदि कोई कार्य को पूरा करने में देरी करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला पंचकूला के थापली बधिशेर से कोटी 1.68 किलोमीटर, पिंजौर मल्लाह से मंगनीवाला 1.20 किलोमीटर और गोबिंदपुर से थाथर 5.35 किलोमीटर सड़क की वन विभाग से एनओसी लेकर इन सड़कों का निर्माण कार्य भी अतिशीघ्र शुरू किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने पानीपत से सफीदों 41 किलोमीटर, सफीदों से जींद 21.65 किलोमीटर और जिला अम्बाला में साहा चौक से पंचकूला–यमुनानगर फोरलेन तक व साहा चौक से कालपी तक तथा टोहाना रतिया सड़क के सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण करने के कार्य को जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल सहित लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार का कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला हड़ताल की अवधि को माना अर्जित अवकाश

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने साल 2023 में हड़ताल पर गए लिपिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अब इस हड़ताल अवधि को उपार्जित अवकाश (लीव ऑफ दी काइंड ड्यू) माना जाएगा। साथ ही, हड़ताल अवधि का न तो वेतन काटा जाएगा और न ही इस अवधि को सेवा में बाधा (ब्रेक इन सर्विस) के रूप में नहीं माना जाएगा।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी है, द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि हड़ताल पर जाने से पूर्व अर्जित अथवा संचित 'अर्जित अवकाश' को सर्वप्रथम समायोजित किया जाएगा, इसके पश्चात 'हाफ पे लीव' जाएगा। अर्जित अवकाश और 'हाफ पे लीव' की कटौती के बाद भी यदि हड़ताल अवधि शेष रहती है तो अग्रिम अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाएगा, जिसे संबंधित लिपिकों के भविष्य में अर्जित होने वाले अवकाश खाते से समायोजित किया जाएगा।

पत्र में कहा गया है कि यह छूट केवल एक बार की विशेष व्यवस्था के तौर दी जा रही है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं लिया जाएगा। ये निर्देश केवल कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों, खास तौर पर लिपिकों पर लागू होंगे, जिन्होंने उस विशेष हड़ताल में भाग लिया था। ये निर्देश अन्य किसी भी मामले में लागू नहीं होंगे। तदनुसार, विभागों में कार्यरत एसएएस कैडर से सत्यापन के उपरांत वेतन जारी किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, सभी मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, उप–मंडल अधिकारियों (नागरिक) और खजाना अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

मेक इन इंडिया को मिलेगी धार, इंजीनियर्स को रोजगार

सैमसंग अब नोएडा में बनाएगा लैपटॉप

हर साल 60-70 हजार लैपटॉप होंगे तैयार

लखनऊ/नोएडा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने भारत में अपने मैनुफैक्चरिंग ऑपरेशन्स का विस्तार करते हुए नोएडा स्थित प्लांट में लैपटॉप बनाना शुरू कर दिया है। यह कदम भारत सरकार की मेक इन इंडिया योजना के तहत देश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। भारत में सैमसंग का रिसर्च यूनिट 7,000 से ज्यादा इंजीनियरों को रोजगार देता है। सैमसंग कंपनी भविष्य में और भी डिवाइसेज भारत में बनाने की योजना बना रही है।

नोएडा में सैमसंग की फैक्ट्री 1996 में स्थापित हुई थी और तभी से भारत में सैमसंग की बड़ी मैनुफैक्चरिंग यूनिट के रूप में काम कर रही है। यहां पहले से ही फीचर फोन, स्मार्टफोन, वियरेबल्स और टैबलेट्स बनाए जाते हैं। अब लैपटॉप निर्माण की शुरुआत से कंपनी का फोकस भारत में अपने प्रोडक्ट्स की रेंज बढ़ाने पर है। यह प्लांट हर साल 120 मिलियन स्मार्टफोन बनाने की क्षमता रखता है और दुनियाभर में सैमसंग का दूसरा सबसे बड़ा

मोबाइल निर्माण केंद्र है (पहला दक्षिण कोरिया में है)। सैमसंग, भारत से स्मार्टफोन एक्सपोर्ट करने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भी है, वहीं पहले नंबर पर एप्पल है।

जनवरी 2024 में सैमसंग के मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के प्रमुख टीएम रोह ने कहा था कि नोएडा प्लांट में लैपटॉप बनाने की तैयारी चल रही है। अब यह निर्माण शुरू होने जा रहा है और इस लाइन में हर साल करीब 60,000 से 70,000 लैपटॉप बनाए जा सकेंगे। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सैमसंग की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा, सैमसंग भारत में उन्नत तकनीकी डिवाइसेज का निर्माण बढ़ा रहा है। यह भारत की प्रतिभा और नवाचार से प्रेरित है। हाल ही में उन्होंने सैमसंग के दक्षिण-पश्चिम एशिया के सीईओ जेबी पार्क और कारपोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन से भी मुलाकात की थी और कंपनी की भारत में भूमिका को सराहा था। भारत में सैमसंग का रिसर्च यूनिट 7,000 से ज्यादा इंजीनियरों को रोजगार देता है, जिससे यह साफ होता है कि कंपनी भारत के टेक इकोसिस्टम में लंबे समय तक निवेश करना चाहती है।

भारत सरकार ने अगस्त 2023 में लैपटॉप इंपोर्ट पर रोक लगाई थी, जिसे बाद में रजिस्ट्रेशन सिस्टम में बदला गया, ताकि देश में ही लैपटॉप निर्माण को बढ़ावा दिया जा सके। हालांकि एसर, एचपी, लेनेवो और एसस जैसी कंपनियां सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना का फायदा उठा रही हैं, लेकिन सैमसंग ने इस योजना में भाग नहीं लिया है। इसके बजाय, कंपनी अपने दम पर भारत में निर्माण क्षमता बढ़ा रही है। भारत में लैपटॉप बनाकर, सैमसंग अब चीन और वियतनाम से होने वाले आयात पर निर्भरता घटाएगा, जिससे आयात शुल्क में बचत के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए लागत कम होने की संभावना है।

वर्तमान में सैमसंग भारत के स्मार्टफोन मार्केट में दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड है (मूल्य और वॉल्यूम दोनों में)। साथ ही यह टैबलेट पीसी मार्केट में 15 प्रतिशत शेयर रखता है। हालांकि अब तक लैपटॉप मार्केट में इसकी खास मौजूदगी नहीं रही है। यह कदम उस खाली जगह को भरने की दिशा में है। सैमसंग अब एमएसआई जैसी कंपनियों की कतार में शामिल हो गया है, जिसने हाल ही में चेन्नई में लैपटॉप बनाना शुरू किया है।

जमीनों के दाम हुए दोगुना नया सर्किल रेट लागू

आगरा में जमीनों की 50 प्रतिशत बढ़ गई कीमत

आगरा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जमीन, मकान और दुकान खरीदना सोमवार से 40 प्रतिशत तक महंगा हो जाएगा। सोमवार से नए सर्किल रेट प्रभावी हो जाएंगे। नए रेट के अनुसार ही बैनामा होंगे। अब फव्वारा में दुकान की कीमत 1.95 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर होगी, जबकि संजय प्लेस में 1.84 लाख रुपए वर्गमीटर होगी। एमजी रोड, कमला नगर, जयपुर हाउस और फतेहाबाद रोड पर भी संपत्ति खरीदने में जनता की जेब ढीली होगी।

आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई के बाद डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने सोमवार से नए सर्किल रेट लागू करने के आदेश दिए हैं। जिले में करीब आठ साल बाद सर्किल रेट का निर्धारण हुआ है। एडीएम वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला ने बताया कि सर्किल रेट लागू करने से पहले निबंधन और राजस्व टीमों ने संयुक्त सर्वे किया। बाजार मूल्य परखा। उसके आधार पर नए सर्किल रेट का निर्धारण हुआ है।

सोमवार से खेरागढ़, एत्मादपुर, फतेहाबाद, किरावली, बाह और सदर तहसील क्षेत्र में भी बढ़े हुए सर्किल रेट के आधार पर संपत्ति खरीदने के लिए स्टांप शुल्क देना पड़ेगा। पांच श्रेणियों में सर्किल रेट जारी हुए हैं। आवासीय दरों में 30 से 40 प्रतिशत, व्यावसायिक दरों में 35 से 40 प्रतिशत और रोड सेगमेंट की दरों में 50 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। इनके अलावा नव विकसित क्षेत्रों में 30 प्रतिशत और औद्योगिक क्षेत्रों के सर्किल रेट में भी 30 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है।

नए सर्किल रेट में जमीन की कीमत सड़क की चौड़ाई के अनुसार होगी। जितनी ज्यादा चौड़ी सड़क, उतनी महंगी। अकृषिक भूमि पर नौ मीटर, 18 मीटर और 18 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर अलग-अलग सर्किल रेट निर्धारित हुए हैं। इनके अलावा वाणिज्यिक संपत्ति में दुकान, कार्यालय और गोदाम की भूमि का रेट अलग-अलग होगा। इसी तरह एकल वाणिज्यिक भवन में स्थित दुकान, गोदाम व कार्यालय का सर्किल रेट कार्पेट एरिया के अनुसार निर्धारित किया गया है।

69000 शिक्षकों की भर्ती में हुई अनियमितता का मामला

सुप्रीम कोर्ट में सरकार द्वारा पक्ष न रखने से अभ्यर्थी नाराज

बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरकर की नारेबाजी

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों में नाराजगी है। अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में अनियमितता हुई है। इस कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए। मामले की हाईकोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। फैसला उनके पक्ष में आया। लेकिन, सरकार की

लापरवाही के कारण उसका पालन नहीं हो सका। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी पक्ष रखने से पीछे हट रही है।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया।

हाईकोर्ट ने नियमों का पालन करते हुए तीन महीने के अंदर अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार हीला हवाली करती रही। मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। कोर्ट में 20 से अधिक तारीखें लगी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार लापरवाही कर रही है। इस कारण हम लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारी तरफ से मजबूत पैरवी करे। हम लोगों को जल्द न्याय दिलाए।

अंतरराष्ट्रीय धाविका को नहीं बनाया यूपी टीम का हिस्सा

अलीगढ़ की नीरू ने जीता स्वर्ण पदक, फिर भी नहीं दिया मौका

अलीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी स्टेट चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय धाविका नीरू पाठक राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए यूपी टीम का हिस्सा नहीं बन पाईं। उन्हें बड़ा ही अरमान था कि वह अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश के लिए न सिर्फ दौड़ेंगी, बल्कि स्वर्ण पदक भी जीतेंगी। इसके लिए उन्होंने दिल्ली छोड़ दिया था।

छह साल पहले नीरू पाठक अलीगढ़ छोड़कर दिल्ली अभ्यास करने चली गई थीं और दिल्ली की ओर से दौड़ने लगीं। एएफआई से एनओसी मिलने के बाद 29 व 30 जुलाई को यूपी स्टेट चैंपियनशिप, लखनऊ में नीरू ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्हें पूरी उम्मीद थी कि वह 20 से 23 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली 64वीं सीनियर इंटर स्टेट राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा

लेंगी। लेकिन जब यूपी की टीम बनी तो उसमें उनका नाम नहीं था। टीम में न चुने जाने पर नीरू को झटका लगा है।

नियमानुसार स्वर्ण पदक जीतने वाले का नाम प्रदेश की टीम में होता है। इतना ही नहीं अलीगढ़ के संदीप चौधरी का नाम भी यूपी टीम में नहीं है। उन्होंने भी 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। अलीगढ़ से हैमर थ्रो में श्रुति का नाम यूपी टीम में है लेकिन वह अलीगढ़ की नहीं हैं। श्रुति किसी और जिले की रहने वाली है। इसे लेकर भी चयन पर सवाल उठ रहे हैं। यूपी एथलेटिक्स संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष शमशाद निसार ने कहा, स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी नीरू पाठक का नाम यूपी टीम में नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी शिकायत एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ. ललित भनोट से की गई है। चयन समिति के अधिकारियों में मिलकर नीरू की इंट्री की गुहार लगाएंगे।

फतेहपुर के विवादास्पद मकबरे का मामला

धार्मिक स्थल पर स्वामित्व के लिए अदालत जाएंगे हिंदू

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। फतेहपुर के विवादास्पद मकबरे को हिंदू धार्मिक स्थल बताने का दावा करने वाला हिंदू समुदाय इसके स्वामित्व के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएगा। इसके लिए याचिका दाखिल करने की तैयारी चल रही है। हिंदू समुदाय मकबरे को प्राचीन ठाकुरद्वारा बता रहा है। इसके लिए भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने भी कानूनी लड़ाई लड़ने की घोषणा की है।

फतेहपुर के आबूनगर के रेड्डया मोहल्ले में स्थित पुराने धार्मिक स्थल का विवाद अब अदालत में जाएगा। भारतीय जनता पार्टी इस स्थल को ठाकुरद्वारा बताते हुए इसके स्वामित्व के लिए अदालत में याचिका दाखिल करने जा रही है। भाजपा के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने इसकी जिम्मेदारी पार्टी के विधि प्रकोष्ठ को सौंपी है। भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि भाजपा हमेशा कानून का पालन करती आई है। पार्टी इस मामले को अदालत में ले जा रही है। ठाकुरद्वारा संबंधी ऐतिहासिक दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। तीन दिन के अवकाश के चलते थोड़ी देरी हुई। सोमवार से प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। इस सप्ताह अदालत में याचिका

दाखिल की जाएगी।

गौरतलब है कि जन्माष्टमी के अवसर पर हिंदू संगठनों ने इस स्थल को ठाकुरद्वारा बताते हुए पूजा-अर्चना की घोषणा की थी। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू करने से संगठनों ने स्थल पर जाने की योजना बदल दी। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष ने समर्थकों के साथ धार्मिक स्थल की तस्वीर पर पूजा कर प्रतीकात्मक दावा जताया। फिलहाल यह इमारत पुलिस के कब्जे में है। क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा के बीच केवल स्थानीय निवासियों को आधार कार्ड दिखाकर प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। भाजपा का दावा है कि उनके पास इस स्थल के ठाकुरद्वारा होने के प्रमाण हैं। धार्मिक स्थल विवाद को लेकर 17 अगस्त तक लागू की गई बीएनएस की धारा 163 (पूर्व की धारा 144) की अवधि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 16 अक्तूबर तक बढ़ाई गई है। अपर जिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि ईद, बारावफात, नवरात्र, दशहरा, विजयदशमी और परीक्षाओं को लेकर धारा 163 जिले में 16 अक्टूबर तक लागू रहेगी।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से यह मकबरा पहले प्राचीन इमारत ठाकुरद्वारा था। इसमें हिंदू समुदाय पूजा-अर्चना करते थे। उक्त जमीन रामनरेश सिंह की है। इमारत में कमल के फूल और त्रिशूल के चित्र खुदे हैं, जो केवल हिंदू धार्मिक स्थलों में बनाए जाते हैं। मंदिर में घंटा बांधने के लिए जंजीर है, जो इस इमारत में है। मुस्लिम धार्मिक स्थलों में घंटा नहीं लगता। हिंदू संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार, जन्माष्टमी के दिन विवादित धार्मिक स्थल पर पूजन करने के लिए प्रयागराज, अयोध्या और मध्य प्रदेश से अखाड़ों और नागा संन्यासियों को बुलाने का निर्णय लिया गया था।

प्राचार्यों की नियुक्ति में फर्जी प्रमाणपत्रों का रहा बोलबाला

70 फीसदी ने लोगों ने लिया फर्जी प्रमाणपत्रों का सहारा

प्रदेशभर में दोबारा कराया जाएगा प्रमाणपत्रों का सत्यापन

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में फर्जी शोध अनुभव के आधार पर प्राचार्यों को नियुक्ति मिली। फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्ति पाने वालों की संख्या 70 फीसदी है। शासन से शिकायत के बाद मामले में जांच शुरू हो गई है और प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों का दोबारा सत्यापन कराकर शासन ने आख्या मांगी है। प्रदेश भर में नियुक्त 290 प्राचार्य के प्रमाणपत्रों का सत्यापन दोबारा कराया जाएगा।

फर्जी और कूटरचित अभिलेखों के आधार पर प्राचार्य पद पर चयनित होने की शिकायत के बाद शासन ने यह निर्णय लिया है।

उच्च शिक्षा के शिक्षा निदेशक ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी करके प्रमाणपत्रों का सत्यापन करने के आदेश दिए हैं। संयुक्त निदेशक डॉ. शशि कपूर की ओर से क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को जारी पत्र में कहा गया है कि विज्ञापन संख्या 49 के तहत फर्जी कूटरचित अभिलेखों के आधार पर प्राचार्य पद पर चयनित होने की शिकायत मिली थी। इसके आधार पर चयनित प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराकर सत्यापन आख्या दो दिन में उपलब्ध कराएं। इसके बाद क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने जिलों के महाविद्यालयों में पत्र भेजकर सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शासन के आदेश से पूरे प्रदेश के महाविद्यालयों में हड़कंप की स्थिति है। शिकायतकर्ता सलिल कुमार तिवारी ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को लिखे पत्र में कहा है कि विज्ञापन संख्या 49 वर्ष 2019 के अंतर्गत अशासकीय महाविद्यालयों में प्राचार्यों की भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद 21 जून 2021 में दस्तावेजों के सत्यापन किए गए।

इस भर्ती प्रक्रिया में चयनित प्रवक्ताओं ने कई स्तर पर कूट रचना करके अभिलेखों को तैयार किया। इन अभिलेखों में चयन की अनिवार्य शर्त थी कि अभ्यर्थी को शोध का अनुभव होना। इसी शर्त को पूरा करने के लिए अभ्यर्थियों ने फर्जी शोध अनुभव तैयार करवाए और चयन प्राप्त किया। जब 2023 और 2024 में इनकी जांच की गई तो पाया गया कि लगभग 70 फीसदी अभ्यर्थियों ने फर्जी व कूट रचित शोध अनुभव लगाए थे।

प्रदेश भर के महाविद्यालयों में नियुक्ति के लिए 2019 में भर्ती के लिए विज्ञापन मांगे गए थे। 2021 में लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद नियुक्ति हुई थी। इसमें भारतीय इतिहास में पहली बार प्राचार्य की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली गई थी। इसमें 290 प्राचार्यों का चयन किया गया था और 65 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश वर्मा ने कहा, विज्ञापन संख्या 49 के आधार पर नियुक्त प्राचार्यों के प्रमाणपत्रों के सत्यापन का आदेश मिला है। इसके आधार पर पूर्वांचल के 10 जिलों में सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलेवार सत्यापन प्रक्रिया कराई जाएगी। प्रबंधकों से सत्यापन की रिपोर्ट मांगी जाएगी।

सबूत दें या फिर माफी मांगें राहुल गांधी

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, भ्रम फैलाना बंद करें

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर जो आरोप लगा रहे हैं, उसके लिए सबूत दें या फिर माफी मांगें। देश में भ्रम न फैलाएं। चुनाव आयोग पर विपक्ष के लगातार हमलावर रहने पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने राहुल गांधी

को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार कह रहा है कि राहुल गांधी या विपक्षी नेता एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्षी नेता देश से झूठ बोल रहे हैं। जिस तरह से वे मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें या तो सबूत देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए।

सांसद ने कहा, चुनाव आयोग लगातार उनसे हलफनामा मांग रहा है। लेकिन, आप सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किसी पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। वे उस संवैधानिक संस्था को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग की वजह से ही आज अखिलेश यादव सांसद बने हैं। उसी चुनाव आयोग की वजह से ही आज हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना में राहुल गांधी की सरकार है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर उनके पास एसआईआर के मुद्दे पर देश में फैलाए जा रहे भ्रम का कोई सबूत है, तो वे उसे या तो भारतीय संसद में अध्यक्ष के सामने पेश करें, या फिर उस चुनाव आयोग को दें, जिस पर वे आरोप लगा रहे हैं। वरना वे देश को शर्मिंदा न करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा होने की संभावना

मुंबई,18 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम का अगले माह होने वाले एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को चयन होने की उम्मीद है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति की बैठक में खिलाड़ियों नाम पर विचार किये जाने के बाद टीम की घोषणा होगी। इस बैठक में कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल होंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन काफी कठिन रहेगा क्योंकि हाल में कई युवाओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप के लिए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल तक को जगह मिलना मुश्किल रहेगा। चयनकर्ता सलामी जोड़ी के तौर पर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को शामिल कर सकते हैं।

वहीं बैकअप ओपनर के तौर पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के नाम हैं पर यशस्वी को जगह मिलने की अधिक संभावना है।

शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक 754 रन बनाए थे। इसके अलावा आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए 650 रन बनाए थे। इसके बावजूद उनकी जगह पक्की नहीं मानी जा रही। वैसे भी एशिया कप एक टी20 टूर्नामेंट है और चयनकर्ता अभिषेक और सैमसन की ही जोड़ी उतारना चाहेंगे।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम में बल्लेबाजों के तौर पर सूर्यकुमार यादव के अलावा तिलक वर्मा की जगह पक्की है जबकि ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या का खेलना तय है। दूसरे ऑलराउंडर के लिए शिवम दुबे और रिंकू सिंह के बीच मुकाबला है। शिवम को हालांकि बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी करने का लाभ मिल सकता है। वहीं श्रेयस अय्यर के चुने जाने की संभावना कम है. जबकि विकेटकीपर संजू सैमसन के बैकअप के तौर पर जितेश शर्मा को जगह मिल सकती है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की लिए शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में शायद ही जगह मिले। एशिया कप में तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह कर सकते हैं। उनके साथ अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ही हर्षित राणा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चयन की संभावना बेहद कम है। स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल में से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा।

बाबर को एशिया कप में इस कारण शामिल नहीं किया : हेसन

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन ने अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज और उसके बाद एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं करने पर अपनी सफाई दी है। इन दोनो ही अनुभवी खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने पर कई सवाल भी उठे हैं। बाबर टीम के कप्तान भी रहे हैं हालांकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। रिजवान का भी यही हाल है।स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट में सुधार करें वह भी लंबे समय से रन नहीं बना पाये हैं। एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से यूएई में टी-20 प्रारूप में होगी। इसमें पाक टीम सलमान अली आगा की कप्तानी में उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

यूपी टी20 लीग:मेरठ मैवरिक्स की धमाकेदार जीत, कानपुर सुपरस्टार्स 86 रन से पराजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 का आगाज़ रविवार को शानदार अंदाज़ में हुआ। उद्घाटन मुकाबले में मेरठ मैवरिक्स ने अपने आक्रामक खेल के दम पर कानपुर सुपरस्टार्स को 86 रन से मात दी। मैवरिक्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 225 रन दो विकेट खोकर बनाए। जवाब में सुपरस्टार्स की टीम निर्धारित ओवरों में सिर्फ 139 रन नौ विकेट पर ही बना सकी। मैच में माधव कौशिक ने आतिशी अंदाज दिखाते हुए मात्र 31 गेंदों पर 95 रन की पारी खेली, जिसमें चौकों-छक्कों की बरसात रही। उनके साथ ऋतुराज शर्मा ने भी 36 गेंदों में 60 रन बनाए। शुरुआत में अक्षय दुबे (44 रन) और स्वस्तिक चिकारा (19 रन) ने पारी को मज़बूत आधार दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कानपुर सुपरस्टार्स के शीर्ष क्रम ने निराश किया। इंजमाम हुसैन (4 रन) और आदर्श सिंह (1 रन) जल्दी पवेलियन लौट गए। कप्तान समीर रिजवी ने संघर्ष करते हुए 45 रन बनाए और प्रियांशु गौतम ने 34 रनों का योगदान दिया, लेकिन टीम विशाल लक्ष्य के सामने टिक नहीं सकी। मेरठ के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। विजय कुमार, कार्तिक त्यागी और यश गर्ग ने 2-2 विकेट झटके, जबकि जीशान अंसारी को एक सफलता मिली।

बल्लेबाजों का ध्यान भटकाने ब्रश तक नहीं करते थे इंग्लैंड के विकेटकीपर जैक : टफनेल

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल ने एक ऐसा खुलासा किया है जिससे लोग हैरान हो गये हैं। टफनेल के अनुसार उनके समय में विकेटकीपर जैक रसेल की एक अजीब आदत थी। जैक कई दिनों तक अपने दांतों को ब्रश तक नहीं करते थे। रसेल के अनुसार जैक ऐसा इसलिए करते थे ताकि बल्लेबाज को उनके मुंह से आ रही दुर्गंध से परेशान हो और वह अपना विकेट खो दे। टफनेल ने कहा कि कि जैक जानबूझकर कई दिनों तक अपने दांतों में ब्रश नहीं करते थे। जब उनसे इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह ऐसा इसलिए करते थे ताकि उनकी मुंह की बदबू से सामने क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज का ध्यान भटक जाए और वह सही से खेल न पाए। रसेल के अनुसार इस तरह की हरकतों से भी मैच का रुख पर प्रभाव पड़ता था क्योंकि इससे उनके गेंदबाज को सहायता मिलती थी। टफनेल के अनुसार विकेटकीपर ही मैदान पर बल्लेबाज के सबसे करीब होने के कारण उसे किसी न किसी प्रकार से परेशान कर सकते हैं।

श्रेयस को एशिया कप के लिए शामिल करें : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अगले माह होने वाले एशिया क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग की है। एशिया कप अगले माह संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। चोपड़ा ने कहा कि श्रेयस मध्यक्रम के एक भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। वह बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के करण उपयोगी रहेंगे। चोपड़ा ने कहा, श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। बीच के ओवरों में उनसे बेहतर कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं रहा। बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के कारण उपयोगी रहेंगे वह विपक्षी टीम पर आक्रमण कर रहे थे। वह जब चाहें बाउंड्री लगा रहे थे और दूसरे छोर पर खेल रहे बल्लेबाज पर से दबाव कम कर रहे थे। चोपड़ा ने यह भी कहा कि श्रेयस ने आईपीएल 2025 में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर टी20 में अपने को साबित किया था। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, आईपीएल में काफी दबाव के बाद भी श्रेयस के लिए सत्र काफी अच्छा रहा। हमने बार-बार देखा है कि टी20 टीम का चयन आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर होता है। हमने वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सभी के साथ ऐसा देखा है। अगर हम इस नजरिए से देखें, तो श्रेयस भी खेलने के अधिकारी हैं क्योंकि उन्होंन आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तानी के तौर पर काफी रन बनाये हैं।

डल झील में होगा पहला खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल, 21 से 23 अगस्त तक दिखेगा नया नजारा

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)।

डल झील पहली बार एक नए अंदाज में देश के सामने आने को तैयार है। जम्मू-कश्मीर की पहचान बन चुकी इस झील में खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन 21 से 23 अगस्त तक होगा। यह पहला मौका होगा जब राष्ट्रीय स्तर की ओपन वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता यहां आयोजित की जाएगी। इस तीन दिवसीय खेल महाकुंभ में देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

छह खेलों में होगी प्रतिस्पर्धा

फेस्टिवल में कुल छह खेल होंगे, जिनमें तीन पदक इवेंट रोइंग, कायाकिंग और कैनोइंग शामिल हैं। इसके अलावा डेमो इवेंट्स के तौर पर वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट रेस और शिकारा स्प्रिंट भी आयोजित किए जाएंगे, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेंगे। गुलमर्ग पहले ही खेलो इंडिया विंटर गेम्स के जरिए देश का प्रमुख विंटर स्पोर्ट्स हब बन चुका है। अब डल झील को वाटर स्पोर्ट्स गंतव्य बनाने की कोशिश की जा रही है। इस आयोजन से न सिर्फ एथलीट्स बल्कि हाउसबोट मालिकों और स्थानीय कारोबारियों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। आयोजन की तैयारी के लिए झील की सफाई और डिवीडिंग जैसे काम तेजी से किए गए हैं।

खिलाड़ियों और विशेषज्ञों की उम्मीदें

जाने-माने कायाकिंग और कैनोइंग खिलाड़ी व ओलंपिक जज बिलक्रिस मीर ने कहा, यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत में वाटर स्पोर्ट्स के नए युग की शुरुआत है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का आभार मानते हैं। अब तक 15 राष्ट्रीय पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ी मोशिन अली ने कहा कि वह डल झील में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचना चाहते हैं। कोच मुहम्मद इम्तियाज़ का मानना है कि जैसे गुलमर्ग विंटर स्पोर्ट्स का केंद्र बना, वैसे ही यह फेस्टिवल डल झील को वाटर स्पोर्ट्स के नक्शे पर चमकाएगा।

सांस्कृतिक रंग भी होंगे खास

इस आयोजन को कश्मीर की संस्कृति से भी जोड़ा गया है। फेस्टिवल का मैस्कॉट हिमालयन किंगफिशर है जबकि लोगो में डल झील का शिकारा शामिल किया गया है। शिकारा चलाने वाले मुहम्मद रफीक मल्ला ने कहा कि इस आयोजन से झील में रहने वाले लोगों को भी नए अवसर मिलेंगे।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल खेलो इंडिया कैलेंडर में शामिल नई प्रतियोगिता है। यह आयोजन गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स के बाद जम्मू-कश्मीर में होने वाला दूसरा बड़ा इवेंट होगा। 2017-18 में शुरू हुई खेलो इंडिया योजना का मकसद जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, प्रतिभा की पहचान करना और खेल अवसंरचना का विकास करना है।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से ईशान किशन बाहर, अभिमन्यु ईश्वरन बने ईस्ट जोन के कप्तान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 के पहले मैच से टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन बाहर हो गए हैं। वह इंग्लैंड में नॉटिंघमशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप खेलते समय लगी चोट से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ईशान की गैरमौजूदगी में अभिमन्यु ईश्वरन को ईस्ट जोन की कप्तानी सौंपी गई है। ईस्ट जोन का मुकाबला 28 अगस्त से शुरू हो रहे मैच में शुभमन गिल की अगुआई वाली नॉर्थ जोन टीम से होगा। ईस्ट जोन को एक और बड़ा झटका तेज गेंदबाज आकाश दीप के बाहर होने से लगा है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उन्होंने चार टेस्ट खेले थे। हालांकि, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट वह चोट के कारण मिस कर गए थे, लेकिन सीरीज के आखिरी मैच में वापसी की थी। अब उन्हें आराम की सलाह दी गई है और वह दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल पाएंगे। आकाश दीप की जगह टीम में असम के मुख्तार हुसैन को शामिल किया गया है। ईशान किशन की जगह ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को टूर्नामेंट ओपनर के लिए मौका मिला है। टीम संयोजन में बदलाव के बाद रियान पराग को ईस्ट जोन का उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

द हंड्रेड में तेज गेंदबाज बेकर ने हैट्रिक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी

मैनचेस्टर,18 अगस्त (एजेंसियां)।

इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में अनकैप्ड तेज गेंदबाज सन्नी बेकर ने हैट्रिक लगायी है। सन्नी को हाल ही में सीमिति ओवरों के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था। बेकर ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की ओर से लगातार तीन विकेट लिए। इससे वह सैम कुरेन, इमरान ताहिर और टाइमल मिल्स जैसे दिग्गजों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। सुपरचार्जर्स के खिलाफ मैच में ओरिजिनल्स ने जोस बटलर के 64 रनों और हेनरिक क्लासेन के 50 रनों की सहायता से तीन विकेट पर 171 रन बनाये। /3 का मजबूत स्कोर बनाया। बेकर की हैट्रिक से सुपरचार्जर्स की टीम 114 रनों ही बना पायी और उसे 57 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

बेकर ने 17 गेंदों में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। वह प्रतियोगिता में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 5 मैचों में 16.42 की औसत से 7 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 3 विकेट रहा है। इंग्लैंड ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की तिकोणीय सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की थी और उसमें बेकर को शामिल किया है। इंग्लैंड अब 2 सितंबर से हेडिंग्ले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलेगा। घरेलू सीरीज के बाद 17 सितंबर से मालाहाइड में आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज होगी।

एकदिवसीय टीम - इंग्लैंड टीम : हैरी ब्रुक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सन्नी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, जेमी स्मिथ।

टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम : हैरी ब्रुक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, ल्यूक वुड।

आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड टी20 टीम : जैकब बेथेल (कप्तान), रेहान अहमद, सन्नी बेकर, टॉम बैंटन, जोस बटलर, लियाम डॉसन, टॉम हार्टले, विल जैक्स, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, ल्यूक वुड।

नये कोच ने छेत्री को राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं करने का कारण बताया

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच खालिद जमील ने स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री को सीएएफए नेशंस कप राष्ट्रीय शिविर के लिए शामिल नहीं किये जाने पर उठ रहे सवालों को लेकर कहा है कि ये टूर्नामेंट अक्टूबर में होने वाले एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों की तैयारी के लिए रखा गया है। इसी कारण इसमें युवाओं को अधिक अवसर दिये गये है। कोच के अनुसार वह अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहते थे। छेत्री ने इसी साल संन्यास से वापसी की है। वहीं जमील को हाल ही में मार्केज की जगह पर नया कोच बनाया गया था। कोच ने कहा कि छेत्री नौ अक्टूबर को (विदेश में) और 14 अक्टूबर को (घरेलू) धरती पर सिंगापुर के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों में टीम में रहेंगे। एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों में शामिल रहेंगे उन्होंने कहा, 'मैं इस फीफा विंडो के दौरान कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहता हूं। मैंने छेत्री से इस बारे में बात की थी। टीम में उनके जैसे खिलाड़ी का होना हमेशा खुशी की बात होती है और उनके लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं।' जमील ने कहा, 'छेत्री एक महान खिलाड़ी हैं। मैं उनके खिलाफ खेला हूं, मैंने उन्हें कई अवसरों पर खेलते देखा है और वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह भारतीय फुटबॉल के लिए एक आदर्श हैं अभी राष्ट्रीय शिविर में 22 खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं जबकि बचे हुए 13 अन्य डूरंड कप के लिए क्लबों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं और जल्द ही शिविर से जुड़ेंगे। सीएएफए नेशंस कप में जमील कोच के तौर पर पहली बार दिखेंगे।

प्रीमियर लीग: आर्सेनल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर विजयी शुरुआत की, कैलाफियोरी बने हीरो

ओल्ड ट्रैफर्ड,18 अगस्त (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के महंगे नए आक्रामक लाइनअप का असर पहले ही मैच में फीका पड़ गया, जबकि आर्सेनल ने रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में 1-0 से जीत दर्ज करते हुए प्रीमियर लीग खिताब की अपनी मुहिम का आगाज किया।

मैच का एकमात्र गोल इटली के डिफेंडर रिकार्डो कैलाफियोरी ने 13वें मिनट में किया। यूनाइटेड के गोलकीपर अल्ताय बायिंदिर की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने आसान हेडर से गेंद को जाल में डाल दिया। बायिंदिर इस मैच में चोटिल आंद्रे ओनाना की जगह खेले थे।

यूनाइटेड ने आक्रामक कमजोरी दूर करने के लिए इस सीज़न में 200 मिलियन पाउंड खर्च कर माथियस कुन्हा, ब्रायन म्ब्यूमो और बेंजामिन सेस्को को टीम में शामिल किया है, लेकिन तीनों ही आर्सेनल की मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

आर्सेनल ने पिछले तीन सीज़न लगातार दूसरे स्थान पर खत्म किए हैं और अब कोच मिकेल आर्टेटा पर 2003-04 के बाद क्लब का पहला लीग खिताब दिलाने का दबाव है। इस मैच में टीम को गोलकीपर डेविड रायया और सॉलिड डिफेंस ने जीत दिलाई। रायया ने कई शानदार बचाव करते हुए यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं दिया।

यूनाइटेड की ओर से पैट्रिक डॉर्गु का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर गया, जबकि म्ब्यूमो और कुन्हा की कोशिशें भी नाकाम रहीं। दूसरी ओर, आर्सेनल का नया स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस शांत प्रदर्शन करते दिखे और उन्हें जल्द ही काई हैवर्ट्ज़ से बदल दिया गया। दूसरे हाफ में यूनाइटेड ने दबाव जरूर बनाया, लेकिन आर्सेनल ने लीड को बनाए रखा और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इस जीत के साथ आर्सेनल ने अपने खिताबी प्रतिद्वंद्वियों लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के साथ तालमेल बनाए रखा।

आर्चरी प्रीमियर लीग : पहले सीजन के लिए भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट जारी

दीपिका कुमारी, ज्योति सुरेखा वेन्नम, धीरज बोम्मादेवर और अभिषेक वर्मा सहित कई शीर्ष भारतीय तीरंदाज शामिल

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)।

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सोमवार को आर्चरी प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण के लिए भारतीय खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। यह पहला ऐसा टूर्नामेंट होगा, जिसमें दुनिया भर के रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइज़ी शैली में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। इसमें शामिल खिलाड़ियों को विश्व रैंकिंग (टॉप-10, टॉप-20) और हाल ही में हुई एएआई चयन ट्रायल्स के आधार पर चुना गया है।

भारतीय स्टार तीरंदाजों की मौजूदगी - ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं दीपिका कुमारी (विश्व नंबर 3) और धीरज बोम्मादेवर (विश्व नंबर 14) रिकर्व कैटेगरी में खेलेंगे। वहीं कंपाउंड कैटेगरी में विश्व रिकॉर्डधारी जोड़ी — ऋषभ यादव (विश्व नंबर 9) और ज्योति सुरेखा वेन्नम (विश्व नंबर 3) भी हिस्सा लेगी। इनके अलावा विश्व नंबर 10 अभिषेक वर्मा, विश्व नंबर 11 पृथमेश फुगे, विश्व नंबर 16 प्रियांश और विश्व नंबर 17 पर्नीत कौर भी मैदान में उतरेंगे। हालिया चयन ट्रायल्स के आधार पर ओलंपियन तरुणदीप राय (रैंक 4) और अतानु दास (रैंक 5) भी रिकर्व प्रतियोगिता में खेलेंगे। वहीं महिला रिकर्व वर्ग में अंकिता भक्त (रैंक 2) और भजन कौर (रैंक 6) के साथ कई युवा खिलाड़ी शामिल किए गए हैं।

कंपाउंड कैटेगरी में दमदार लाइनअप - पुरुष कंपाउंड खिलाड़ियों में अमन सैनी (रैंक 1), ओजस प्रवीन देवताले (रैंक 5), साहिल राजेश जाधव (रैंक 6), चिट्टिबोम्मा जिग्नास (रैंक 8) और पुलकित कजला (रैंक 9) खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभिमन्यु ईश्वरन कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

मुम्बई। अभिमन्यु ईश्वरन अगले माह ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में भारत ए टीम की कप्तानी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम का सितंबर में भारत दौरे का कार्यक्रम है। इस दौरे में वह भारत ए टीम के खिलाफ 16 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक अनौपचारिक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में अभिमन्यु बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेला है। अभिमन्यु ईश्वरन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर जा चुके हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिला है। वहीं ऋतुराज 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर गए थे पर उन्हें भी तब अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। ईश्वरन लंबे समय से अपने टेस्ट डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वही ऋतुराज एकदिवसीय और टी20 में डेब्यू कर चुके हैं। वहीं साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर खेल सकते हैं। इसके बाद वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का हिस्सा होंगे। सुदर्शन ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। करुण नायर और सरफराज खान को भी इस टीम में जगह मिलना तय है। करुण ने टेस्ट टीम में जगह बनाई थी पर वह इंग्लैंड दौरे पर वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये थे। ईशान किशन को भी इस बार अवसर मिल सकता है। वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम मैच में भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने के काफी करीब थे पर फिट नहीं होने के कारण उन्हें अवसर नहीं मिला। तब ऋषभ के रिप्लेसमेंट के तौर पर एन जगदीशन को शामिल किया गया था। जगदीशन को भी इंडिया ए टीम में जगह मिल सकती है। इसके अलावा बल्लेबाज देवदत्त पडिकल और स्टार ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी इंडिया ए के लिए खेलेंगे। भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहें मोहम्मद शमी को भी टीम में जगह मिल सकती है।

दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया के चुनिंदा 6 हवाईअड्डों में शामिल हुआ, सालाना क्षमता 109 मिलियन यात्रियों तक पहुंची

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के तहत संचालित दिल्ली एयरपोर्ट ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मई 2023 में टर्मिनल-1 के पूरी तरह से चालू होने के बाद, दिल्ली एयरपोर्ट की यात्री क्षमता 109 मिलियन (10.9 करोड़) तक पहुंच गई है। इस उपलब्धि के साथ यह एयरपोर्ट एशिया का दूसरा और भारत का अकेला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जो सालाना 100 मिलियन से अधिक यात्रियों को संभाल सकता है।

इससे पहले इस क्लब में केवल टोक्यो हानेडा एयरपोर्ट ही शामिल था। सरकार यदि टर्मिनल-2 के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण को मंजूरी देती है, तो दिल्ली एयरपोर्ट की कुल क्षमता 140 मिलियन यात्रियों तक बढ़ सकती है। फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के इस साल नवंबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इसकी शुरुआती क्षमता सालाना 12 मिलियन यात्रियों की होगी, जो दिल्ली एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद करेगा। 2024 में दिल्ली एयरपोर्ट ने 80 मिलियन से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक संभाला है। वैश्विक स्तर पर देखें तो ऐसे एयरपोर्ट जिनकी क्षमता 100 मिलियन से ऊपर है, उनमें अटलांटा (125.48 मिलियन), दुबई (120 मिलियन), टोक्यो हानेडा (110 मिलियन), लंदन हीथ्रो (103 मिलियन) और डलास (102.9 मिलियन) शामिल हैं। एयरपोर्ट्स के बीच प्रतिस्पर्धा तेज़ हो रही है। इस्तांबुल एयरपोर्ट की क्षमता इस साल के अंत तक 120 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि सऊदी अरब का किंग सलमान इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2030 तक 120 मिलियन और 2050 तक 185 मिलियन यात्रियों की सेवा देने का लक्ष्य रखता है। इस तेजी से बढ़ती क्षमता से वैश्विक हवाई यात्रा का नया युग दिख रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सेबी की निपटान याचिकाओं में बड़ी वृद्धि, 798 करोड़ का शुल्क वसूला

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में बाजार नियामक सेबी को प्रतिभूति नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में 703 निपटान याचिकाएं प्राप्त हुईं, जो पिछले वर्ष के 434 आवेदनों की तुलना में 62 फीसदी अधिक हैं। यह वृद्धि दर्शाती है कि बाजार सहभागियों में लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचते हुए विवाद सुलझाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सेबी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार प्राप्त याचिकाओं में से 284 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 272 याचिकाएं वापस ली गईं, अस्वीकृत की गईं या लौटा दी गईं। निपटाए गए मामलों से सेबी ने 798 करोड़ रुपये निपटान शुल्क और 65 करोड़ रुपये वसूली शुल्क के रूप में प्राप्त किए। पिछले वर्ष के 434 आवेदनों की तुलना में 62 फीसदी अधिक निपटान आदेश मुख्य रूप से भेदिया व्यापार, धोखाधड़ीपूर्ण व्यवहार, वैकल्पिक निवेश कोष, म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर जारी किए गए। सेबी का निपटान तंत्र पक्षकारों को कुछ शर्तों और शुल्क के साथ मामले समाप्त करने का विकल्प देता है, जिससे मुकदमेबाजी से बचा जा सकता है। साथ ही 2024-25 में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में सेबी से जुड़े 533 नई अपीलें दायर की गईं, जो पिछले वर्ष की 821 अपीलों की तुलना में कम हैं। इनमें से लगभग 62 फीसदी अपीलें धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध विनियम, 2003 के उल्लंघन से जुड़ी थीं।

डेटा सुरक्षा और नवाचार के लिए भारत को स्वदेशी यूपीआई एप की जरूरत : एसबीआई

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के यूपीआई भुगतान क्षेत्र में फिलहाल कुछ बड़े तीसरे पक्ष एप्लिकेशन का प्रभुत्व है, जिनमें फोनपे, गूगल पे और पेटीएम शीर्ष स्थान पर हैं। जुलाई 2025 के आंकड़ों के अनुसार, फोनपे ने 8931 मिलियन लेनदेन और 12,20,141 करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन किए हैं। इसके बाद गूगल पे ने 692.3 करोड़ लेनदेन और 8,91,297 करोड़ रुपये के लेनदेन किए, जबकि पेटीएम ने 136.6 करोड़ लेनदेन और 1,43,651 करोड़ रुपये के लेनदेन दर्ज किए। एसबीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि इन प्रमुख प्लेटफार्मों पर विदेशी स्वामित्व या प्रभाव मौजूद है, जिससे यूपीआई डेटा कुछ बड़े खिलाड़ियों के पास केंद्रित हो गया है। इस स्थिति में देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह जरूरी है कि एक घरेलू, काउंटर इंट्यूटिव यूपीआई ऐप विकसित किया जाए, जो न केवल लेनदेन डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करे, बल्कि फिनटेक नवाचार को भी भारत की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाए। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि घरेलू यूपीआई ऐप की मौजूदगी से भारत को विदेशी प्रभाव से मुक्त होकर वित्तीय डेटा पर अधिक नियंत्रण मिलेगा। इससे देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली की मजबूती के साथ-साथ वित्तीय स्वायत्तता भी बढ़ेगी। इसके अलावा, यह कदम भारतीय स्टार्टअप्स और फिनटेक कंपनियों को भी प्रोत्साहन देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता जारी

नई दिल्ली। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

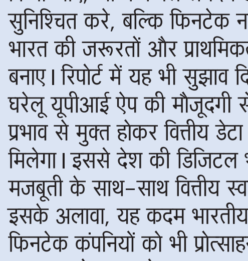

सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 18 अगस्त को भी दरों को यथावत बनाए रखा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 104.72 और डीजल 90.21 रुपए प्रति लीटर पर बनी हुई है। लंबे समय से यहां सौ रुपए से अधिक पेट्रोल खरीदना आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी स्थिति लगभग समान है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 और डीजल 92.15, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 प्रति लीटर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 94.69 और डीजल 87.80 लीटर बिक रहा है। इंदौर में पेट्रोल 106.48 प्रति लीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि मार्च 2024 के बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी बड़े बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, इस बीच कभी-कभार 1-2 रुपए प्रति लीटर का मामूली उतार-चढ़ाव जरूर देखा गया।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार 1,168 अंक तक उछला सेंसेक्स

बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले से किए गए जीएसटी सुधारों के ऐलान और भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने की पॉजिटिव खबर के कारण शेयर बाजार में लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद बाजार में कुछ देर के लिए मुनाफा वसूली का दबाव भी बना, इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी लगातार बढ़त के साथ ही कारोबार करते रहे। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1168.11 अंक तक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 390.70 अंक तक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 676.09 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और निफ्टी 245.65 अंक यानी एक प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स एक प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.39 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.78 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.31 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,365 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,562 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,627 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 176 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में 2,760 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,858 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 902 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 718.13 अंक की मजबूती के साथ 81,315.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 1,168.11 की बढ़त के साथ 81,765.77 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 560 अंक से अधिक फिसल कर 81,202.42 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर बनाया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 676.09 अंक की तेजी के साथ 81,273.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 306.90 अंक की छलांग लगा कर 24,938.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 10 बजे के थोड़ी देर पहले 390.70 अंक की मजबूती के साथ 25,022 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 170 अंक फिसल कर 24,852.85 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर दिखाया, जिसके कारण निफ्टी निचले स्तर से थोड़ी मजबूती दिखाते हुए 245.65 अंक की बढ़त के साथ 24,876.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 8.75 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 5.86 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 5.08 प्रतिशत, नेस्ले 5.02 प्रतिशत और बजाज ऑटो 4.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

चीन का शेयर बाजार: निवेशकों के लिए चुनौती और बचत की बढ़ती प्रवृत्ति

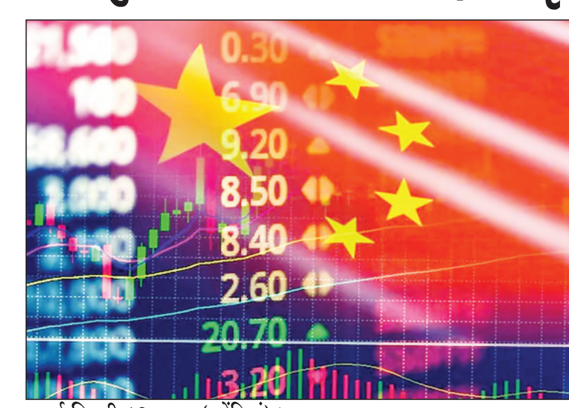

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन के शेयर बाजार में निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है, जिससे वे बचा रहे पैसा

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, वहां के लोग खर्च करने के बजाय अधिक बचत कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण चीन का कमजोर और अनिश्चित शेयर बाजार है। पिछले दशक में चीन के शेयर बाजार में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, खासकर 10 साल पहले एक बड़ा बुलबुला फटना, जिसने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया। तब से बाजार अब भी उस स्तर पर नहीं पहुंच पाया है, जिससे लोगों का निवेश पर भरोसा कम हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले अमेरिका के एसएंडपी 500 इंडेक्स में 10,000 डॉलर लगाए होते, तो उसकी रकम तीन गुना से अधिक हो गई होती। वहीं, चीन के सीएसआई 300 बेंचमार्क में इतनी ही रकम लगाने पर निवेशक को केवल 3,000 डॉलर का लाभ हुआ होगा। यह दर्शाता है कि चीन के शेयर बाजार में निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है, जिससे वे खर्च करने की बजाय पैसे बचाने में लगे हैं। चीन के शेयर बाजार की संरचना भी इसकी समस्या को बढ़ा रही है।

करीब 35 साल पहले इस बाजार को मुख्य रूप से सरकारी परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाने के लिए बनाया गया था, न कि निवेशकों को लाभ देने के लिए। इस वजह से बाजार में शेयरों की अधिकता और अनुचित व्यापार प्रथाएं आम हो गईं, जो भी 11 ट्रिलियन डॉलर के बाजार पर असर डाल रही हैं।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग घरेलू खर्च बढ़ाकर 5 फीसदी की आर्थिक विकास दर हासिल करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें शेयर बाजार में सुधार और निवेशकों का विश्वास बहाल करना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का पूंजी बाजार निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जबकि फाइनेंसर्स को लाभ पहुंचाया है।

इस खराब आर्थिक माहौल में चीन की बचत दर 35 फीसदी तक पहुंच गई है, जो कि डिस्पोजेबल इनकम का बड़ा हिस्सा है। इस स्थिति को बदलना आसान नहीं होगा, क्योंकि आर्थिक अनिश्चितता और बाजार की कमजोर स्थिति लोगों को खर्च करने के बजाय बचाने पर मजबूर करती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश का ऐतिहासिक...

उकसावे के काम भी किए हैं। मसलन, मंदिर परिसर में बीफ-बारबीक्यू पार्टियों की योजना बनाना, हिंदू तीर्थयात्रियों पर बीफ-बिरयानी के पैकेट फेंकना और हिंदू महिलाओं को परेशान करना। ये हरकतें जानबूझकर हिंदुओं को अपमानित करने और उनकी पवित्र परंपराओं का अपमान करने के लिए की जाती हैं।

पाकिस्तानी आईएसआई के मंसूबे सीताकुंड से भी आगे तक फैले हैं। अन्य ठिकानों में चटगांव स्थित मेधास मुनि आश्रम, बंदरबन जिले का स्वर्ण मंदिर और कॉक्स बाजार के महेशखली स्थित आदिनाथ मंदिर शामिल हैं। ये सभी प्राचीन और पवित्र हिंदू स्थल दक्षिण एशिया की आध्यात्मिक विरासत में गहराई से समाए हुए हैं। आईएसआई 2022 से रोहिंग्याओं और बिहारियों (फंसे हुए पाकिस्तानियों) को आतंकवादी ब्रिगेड बनाने के लिए आक्रामक रूप से भर्ती कर रही है। इसे अराकान आर्मी (रोहिंग्याओं से बनी) और मुहाजिर रेजिमेंट (बिहारियों से बनी) नाम दिया गया है। इन रंगरूटों को अल-कायदा की निगरानी में गुरिल्ला युद्ध के लिए नेपाल और पाकिस्तान के प्रशिक्षण शिविरों में भेजा जाता है।

तख्तापलट के बाद बांग्लादेश की स्थिति काफी बिगड़ गई है। यूनुस शासन ने कराची से आने वाली खेपों पर लैंडिंग के बाद अनिवार्य सीमा शुल्क निरीक्षण हटा दिया, जिससे आईएसआई को बांग्लादेश में हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की बाढ़ लाने की अनुमति मिल गई। इन अवैध व्यापारों से होने वाली आय का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों में किया जाता है। पाकिस्तानी राजनीतिक इरशाद अहमद खान (पीएमएल-एन) ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि पाकिस्तान बांग्लादेश को भारतीय प्रभाव से मुक्त करने के लिए हथियार भेज रहा है। इस चौंकाने वाले कबूलनामे ने यूनुस शासन की इस्लाम-समर्थक नीतियों से प्रेरित पाकिस्तान द्वारा बांग्लादेश में गुप्त रूप से की जा रही साजिशों की पुष्टि कर दी।

पाकिस्तान को दुनिया भर में एक आतंकवाद-संरक्षक देश के रूप में जाना जाता है, जहां संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देश सुरक्षा जोखिमों के कारण उसके नागरिकों पर कड़े वीज़ा प्रतिबंध लगाते हैं। इसके ठीक विपरीत, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश ने उन सुरक्षा उपायों को हटा दिया है जो कभी पाकिस्तानी घुसपैठ पर अंकुश लगाते थे। 2 दिसंबर 2024 को यूनुस शासन ने बांग्लादेशी वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी का नियम समाप्त कर दिया। बाद में एक गोपनीय विज्ञप्ति में खुलासा हुआ कि दुनिया भर में बांग्लादेशी दूतावासों को भी ऐसा ही करने का निर्देश दिया गया है, जिससे आतंकवाद के जोखिमों को कम करने के लिए 2019 में जारी आदेश रद्द हो गया। इससे भी बुरी बात यह है कि 29 सितंबर 2024 को बांग्लादेश शासन ने एक राजपत्र जारी कर पाकिस्तानी शिपमेंट को अनिवार्य सीमा शुल्क निरीक्षण से छूट दे दी। इस खामी ने आईएसआई के लिए हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के द्वार खोल दिए।

बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों पर जारी हमला सिर्फ एक धार्मिक समुदाय पर हमला नहीं है, यह बांग्लादेश को जेहादियों के गढ़ में बदलकर भारत की पूर्वी सीमा को अस्थिर करने की पाकिस्तान की बड़ी साजिश का हिस्सा है। यूनुस शासन द्वारा लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा बाधाओं को हटाकर आईएसआई की घुसपैठ को बढ़ावा देने के साथ, बांग्लादेश कट्टरपंथी इस्लामी और आतंकवादी ताकतों के लिए एक लॉन्चपैड बनता जा रहा है। अगर पाकिस्तान की आईएसआई, लश्कर-ए-तैयबा और ढाका के सत्तारूढ़ इस्लामवादियों के बीच इस खतरनाक गठबंधन का सीधा मुकाबला नहीं किया गया, तो बांग्लादेश न केवल अपनी बहुलवादी पहचान खोने का जोखिम उठाएगा, बल्कि हिंदू धर्म और भारतीय सभ्यता के खिलाफ पाकिस्तान के अंतहीन जेहाद का नया युद्धक्षेत्र भी बन जाएगा।

सड़क छाप हरकतों...

तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी समेत अन्य सहित इंडी एलायंस के सांसदों ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा और भारत के चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी के आरोप लगाए।

लोकसभा की कार्यवाही भी 12 बजे तक स्थगित कर दी गई है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे और कुछ सांसद वेल तक आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों को समझाने की कोशिश की और ये चेतावनी भी दी कि अगर किसी सांसद ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो वे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को मजबूर हो जाएंगे। जब इस पर विपक्षी सांसदों का हंगामा बंद नहीं हुआ तो सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने शून्य काल भी नहीं चलने दिया।

कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कहा, हमने संविधान की शपथ ली है कि देश के साथ कोई अन्याय नहीं होने देंगे। चुनाव आयोग ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे राहुल गांधी ही चुनाव आयोग हों। आप चुनाव आयोग हैं, आपको उठ रही आवाज़ों की जांच करनी चाहिए थी और सच्चाई सामने लानी चाहिए थी, लेकिन आप उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा हाल कर रहे हैं। गलती आपकी है और आप राहुल गांधी से हलफनामा मांग रहे हैं, आप हलफनामा दीजिए। चुनाव आयोग को जांच करानी चाहिए और जो आंकड़े हम मांग रहे हैं वह देने चाहिए।

मतदाता सूची से...

जा सके जहां सूची उपलब्ध होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि नाम हटाए जाने से जिन लोगों को दिक्कत है, उन्हें अपने आधार कार्ड के साथ निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति दी जाती है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त की तारीख निर्धारित करते हुए आयोग से उसके निर्देश की पालन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। इससे पहले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से उन दस्तावेजों की जानकारी देने को कहा, जिन पर बिहार में 2003 के गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान विचार किया गया था।

लोकसभा में ...

और किसी ने कभी उन पर ध्यान नहीं दिया। पीएम मोदी ने यह भी कहा था, मैंने यह सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया है कि भारतीय नागरिकों को बेवजह सलाखों के पीछे डालने वाले अनावश्यक कानून समाप्त किए जाएं। हमने पहले संसद में एक विधेयक पेश किया था, हम इसे इस बार फिर से लाए हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, यह नया विधेयक देश में अधिक अनुकूल कारोबारी और नागरिक-केंद्रित वातावरण बनाने में मदद करेगा। इससे पहले 2023 में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम पारित किया गया था, जिसके तहत 19 मंत्रालयों और विभागों द्वारा प्रशासित 42 केंद्रीय अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराध-मुक्त कर दिया गया था।

जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2023 के माध्यम से सरकार ने कुछ प्रावधानों में कारावास और/या जुर्माने को हटा दिया था। कुछ नियमों में कारावास को हटा दिया गया और जुर्माने को बरकरार रखा गया, जबकि कुछ मामलों में कारावास और जुर्माने को मात्र जुर्माने में बदल दिया गया था। सरकार पूर्व में 40,000 से ज्यादा अनावश्यक प्रावधानों को खत्म कर चुकी है। इसने 1,500 से ज्यादा पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त किया है।

मदरसों में अन्य ...

मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में गुरुमुखी और पाली की पढ़ाई की भी अनुमति मिल जाएगी। इससे उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2016 और उत्तराखंड गैर-सरकारी अरबी और फ़ारसी मदरसा मान्यता नियम, 2019 भी भंग हो जाएंगे।

ये नियम मदरसा बोर्ड को पाठ्यक्रम तैयार करने, परीक्षा आयोजित करने और मदरसों का निरीक्षण करने का अधिकार देते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। वर्तमान में, बोर्ड के पास एक मान्यता समिति है जो मदरसों को मान्यता प्रदान करने का काम करती है। बोर्ड के नियमों में कहा गया है, समिति में 13 सदस्यीय बोर्ड द्वारा नामित एक सदस्य, एक एकेडमिक रैंक मेंबर, डिप्टी-रजिस्ट्रार और एक हेडमास्टर रैंक का सदस्य होगा। प्रस्तावित विधेयक से संस्थान की मान्यता रद्द होने की संभावना है क्योंकि यह सिखों, जैनियों, ईसाइयों, बौद्धों और पारसियों को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान चलाने की अनुमति देता है जबकि वर्तमान प्रावधान केवल मुसलमानों के लिए है। वर्तमान में, राज्य भर में 452 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हैं।

यह अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए शिक्षण संस्थानों को संबंधित प्राधिकारी से मान्यता प्राप्त करना भी अनिवार्य करता है। इसके अलावा, शिक्षण संस्थान का सोसाइटी अधिनियम, ट्रस्ट अधिनियम या कंपनी अधिनियम के तहत रजिस्टर होना और जमीन, बैंक खातों और अन्य संपत्तियों का स्वामित्व संस्थान के नाम पर होना आवश्यक है। पत्र में कहा गया है, वित्तीय कुप्रबंधन, पारदर्शिता की कमी या धार्मिक और सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध गतिविधियों के मामलों में मान्यता वापस ली जा सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 19 अगस्त, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने डिसेबल फाउंडेशन ट्रस्ट और इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, हैदराबाद जिला शाखा के सहयोग से सोमाजीगुड़ा स्थित संस्कृति राजभवन कम्युनिटी हॉल में 150वें निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, राज्य मंत्री अदलुरी लक्ष्मण, हैदराबाद जिलाधीश श्रीमती हरिचंदन, और पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी. पित्ती जैसे गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मेडीकवर अस्पताल, सिकंदराबाद ने इस शिविर में कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच और आरबीएस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कीं। इस सेवा में डॉ. सुमाश्री (ऑर्थोपेडिक), डॉ. सिंधु (कार्डियोलॉजी) और मार्केटिंग से नरेंद्र, प्रबंधक संतोष और साई कृष्णा ने सहयोग दिया। लायंस क्लब ऑफ सिकंदराबाद साधुराम नेत्र अस्पताल, दोमलगुडा ने भी निशुल्क नेत्र जांच की, जिसमें 84 लोगों को चश्मे दिए गए और 4 लोगों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में ट्रस्टी किशोर छाबरिया, भगवान, एमडी नूर और शिविर समन्वयक यादगिरी ने योगदान दिया।एसएनआर डेंटल के डॉ. नवनीत राज और डॉ. एस. निखिल राज ने भी अपनी दंत चिकित्सा सेवाएँ दीं।

शिविर के सफल आयोजन में संयोजक और अग्रवाल सेवा दल के सदस्य सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, रतन गुप्ता, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल और स्वयंसेवक सुनयना नरसरिया और दिशा गुप्ता ने सक्रिय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, डिसेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरय्या, रेड क्रॉस के सीईओ रामुलु, विधायक के. लक्ष्मा रेड्डी, रेड क्रॉस के अध्यक्ष भीम रेड्डी, डॉ. नारी चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक डॉ. कीर्तना यादव सहित कई अन्य संस्थाओं और लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शिविर में कुल 172 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिससे यह आयोजन सफल रहा।

आंध्र में दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन तीर्थयात्रियों सहित पांच की मौत

विजयवाडा, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाईं और नेल्लोर जिलों में सोमवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन तीर्थयात्रियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए।पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के बेल्लारी से एक वाहन में सवार होकर कुछ लोग तिरुमला तीर्थस्थल की यात्रा पर गए थे। जब तीर्थयात्री बेल्लारी वापस लौट रहे थे तभी तनकल्लू मंडल के नंदीपल्ली गांव में उनकी वाहन सरकारी बस से टकरा गई। घटना में तीन तीर्थयात्रियों की तत्काल मृत्यु हो गई।

जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा परिषद मठ मंदिर में कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा परिषद के मठ मंदिर में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव बड़े ही उल्लास और धार्मिक भक्ति के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर का नेतृत्व महंत श्रीअमृत दास खाकी जी के मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने पूजा और आराधना का आयोजन किया।

कार्यक्रम में महंत अरूण दास, महंत योगी प्रशांत दास, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, विजय कुमार तोतला समेत अनेक भक्तगण और श्रद्धालु उपस्थित रहे। विंध्याचल क्षेत्र से आए भजन मंडली ने भक्तिभाव से भरपूर भजन प्रस्तुत किए, जिनमें पुष्पेंद्र शुक्ला, संतोष पाठक, अलकेश मिश्रा, कमलेश द्विवेदी, महेश गौतम, सोनू मिश्रा, नितिन ऊर्मालिया, बबलू गर्ग, धनेन्द्र गौतम (बिट्टू जी), अमित शुक्ला, ब्रजबिहारी पाण्डेय, सचिन तिवारी, महेंद्र तिवारी, सूरज महाराज, लक्ष्मण, शिवांश, शांतनु, मनीष मलानी, आनंद पवन, कुमावत, पिंटू महाराज, रमेश आदि ने मधुर भजन-संकीर्तन कर माहौल भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान भक्तों ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की और प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान की झांकी का दर्शन किया और भक्ति में लीन हुए। यह आयोजन भक्तों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार लेकर आया।

इस भव्य कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन श्रद्धालुओं की उपस्थिति और भजन मंडली की प्रस्तुति से अत्यंत सफल रहा। सभी भक्तगण और आयोजकों ने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

परोपकार उत्सव गणेश महोत्सव 2025 का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्था संस्कार फ्यूजन ने प्लैटिनम होटल हिमायत नगर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान परोपकार उत्सव गणेश महोत्सव 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 28 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चलेगी, जिसका ग्रैंड फिनाले 3 सितंबर को आयोजित किया जाएगा।

संस्था के अध्यक्ष भरत चाण्डा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपनी संस्कृति और समाज की जड़ों से जोड़ना है, ताकि परोपकार की भावना को बढ़ावा मिल सके। पोस्टर लॉन्च के इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, जिनमें अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, एस्ट्रो पाइप्स के मालिक अभिषेक पटावरी, गुजराती ब्रह्म समाज के महामंत्री अजय ओझा, श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स के अध्यक्ष अरुण डाकतिया और राजस्थानी ब्राह्मण सभा के महामंत्री रामदेव नागला शामिल थे।

अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने इस प्रतियोगिता की भव्यता और अनूठे उद्देश्य की प्रशंसा करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। अजय ओझा ने कहा कि यह युवाओं को समाज से जोड़ने का एक शानदार अवसर है, जबकि अरुण डाकतिया ने हैदराबाद में पहली बार आयोजित हो रहे इस परोपकारी उत्सव की खुशी व्यक्त की। भरत चाण्डा ने बताया कि यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि संस्कृति और समाज सेवा का बड़ा आंदोलन है। इसमें अभय दान, आहार दान, शिक्षा दान, जीवन दान और आयुष दान जैसी थीम पर आधारित गतिविधियों का समावेश है। विजेताओं को 3 लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार देने का प्रा-वधान है। यह प्रतियोगिता सभी के लिए खुली है, और सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रतिभागी इसमें भाग ले सकते हैं।संस्था के कोषाध्यक्ष पूजन अग्रवाल ने बताया कि अभी तक 75 पंडाल का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जिनमें सह प्रायोजक अर्बन सीटिंग और एस्ट्रो पाइप्स, सहयोगी में फेरो एक्काटेक, यति होटलवेयर, त्रिनेत्र एंटरप्राइजेज, बच्चा फर्नीचर, बज्ज डिजिटल मार्केटिंग, हम सोच आदि का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने इच्छुक प्रतिभागियों से संपर्क करने और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।विमोचन कार्यक्रम में- नितिन लखोटिया, रिंकू अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, हितेश अग्रवाल, नवीन चांडक, डॉ. राकेश शर्मा, अर्जुन थानवी, विनोद राठी, सागर चाण्डा, राजेश थानवी, राकेश व्यास, लक्ष्मीकांत बजाज, जोगिंदर सिंह, दर्पण वासुदेव, अभिषेक भक्कड़, नितेश अग्रवाल, पवन मिश्रा, दामोदर जोशी, संदीप जायलवाल, अलका मिंडा, बबीता पेलोड, मीना परतानी सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

विदेशी धरती पर गूंजा 'जय कन्हैया लाल की', भारतीय संस्कृति का दिखा अनूठा रंग

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने संभाला कृष्ण और राधा का रूप, कार्यक्रम में दिखी नई पीढ़ी की भागीदारी

सेंट लुईस, मिसौरी (यूएसए), 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र महिला मंच, तेलंगाना की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सरला अग्रवाल ने अमेरिका के सेंट लुईस, मिसौरी में अपने परिवार, नन्हे-मुन्ने बच्चों और अन्य सखियों के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया। विदेशी धरती पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली, जहाँ 'जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंज उठे।

इस अवसर पर, घर को पारंपरिक भारतीय तरीके से सजाया गया था। बच्चों ने भगवान कृष्ण और राधा की मनमोहक वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया।

पारंपरिक गीतों और भजनों के साथ-साथ भगवान कृष्ण की जीवनी पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। बच्चों और बड़ों ने मिलकर भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की और आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

श्रीमती सरला अग्रवाल ने बताया कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक पूजा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का एक प्रयास है।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में दिनेश-सरला अग्रवाल, पूर्वेश-ननिता अग्रवाल, तुषिता, छवि अग्रवाल और उनकी अन्य सखियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। सभी ने मिलकर इस पर्व को अविस्मरणीय बना दिया।

राजस्थान नागरिक संघ, बोइनपल्ली की सावन की सैर आयोजित

भद्राचलम की छोटी अयोध्या में भक्ति और आनंद का संगम

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान नागरिक संघ, बोइनपल्ली, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा आयोजित सावन की सैर का भव्य रूप से सम्पन्न हुई। इस बार सावन की सैर के तहत छोटी अयोध्या (भद्राचलम) के भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें कमेटी के 40 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन भक्ति, प्रकृति, और सामुदायिक एकता का अनुपम संगम रहा।कमेटी के वरिष्ठ सदस्य मदन सिंह शेखावत ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सावन की सैर के इस विशेष आयोजन की शुरुआत 14 अगस्त को बोइनपल्ली स्थित वैष्णोदेवी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। सभी सदस्यों ने माता रानी और हर हर महादेव के जयकारों के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में बस से भद्राचलम के लिए प्रस्थान किया।15 अगस्त को सुबह भक्तगण भद्राचलम के पावन गोदावरी नदी के तट पर पहुँचे, जहाँ सभी ने स्नान किया। इसके पश्चात, श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में भगवान राम, सीता माता, और लक्ष्मण जी के दर्शन किए। मंदिर की शांत और आध्यात्मिक वातावरण ने सभी के मन को भक्ति से भर दिया।

दर्शन के बाद भोजन की व्यवस्था की गई, जिसके उपरांत सभी पर्णशाला के लिए रवाना हुए।पर्णशाला, गोदावरी नदी के तट पर स्थित एक रमणीय स्थल है, जिसके बारे में मान्यता है कि भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी ने अपने वनवास का कुछ समय यहाँ व्यतीत किया था। चारों ओर हरियाली से घिरी पहाड़ियाँ और गोदावरी नदी की कल-कल बहती धारा ने सभी को प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने का अवसर प्रदान किया। भक्तों ने इस प्राकृतिक छटा का भरपूर आनंद उठाया।यात्रा का समापन वारंगल में हुआ, जहाँ सभी ने गीत-संगीत, नृत्य, और उत्साह के साथ रात्रि भोजन का आनंद लिया। इसके बाद, 16 अगस्त को सुबह सभी सदस्य सकुशल हैदराबाद वापस लौटे।

इस सावन की सैर का आयोजन सुरेश शर्मा, जगदीश जांगिड़, तेजाराम जाखड़, और मदन सिंह शेखावत की संयुक्त देखरेख में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में रमेश जांगिड़, कैलाश वैष्णव, लोकेश शर्मा और महिला सदस्यों टीना शर्मा, सुमित्रा जांगिड़, नेहा जाखड़, सीमा जांगिड़, राजबाला वैष्णव, सरिता शर्मा, और संजना शेखावत का विशेष सहयोग रहा।कमेटी ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक भक्ति को बढ़ावा देना था, बल्कि समुदाय के बीच एकता और सामंजस्य को भी प्रोत्साहित करना था।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक पान बाजार स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। कमेटी के कार्यों के प्रति समाज के सदस्यों में बढ़ता उत्साह देखने को मिला, जिसका प्रमाण बैठक में लगातार बढ़ रही संख्या है।

यह कमेटी हर रविवार को अपनी बैठक करती है, जहाँ समाज के सभी बंधु अपने शादी योग्य पुत्र-पुत्रियों के लिए इस निःशुल्क सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, शिवराज अग्रवाल, अरविंद गोयल, सत्यनारायण मोदी, नीति अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, देविंदर अग्रवाल, मीनू गर्ग, भगवान अग्रवाल, पवन संघी, गोविंदराम अग्रवाल, पवन संघी, गोविंदराम बंसल और संतोष देवी बंसल सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।कमेटी का उद्देश्य समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए एक मंच प्रदान करना है, और इसकी निःशुल्क सेवा ने लोगों को काफी आकर्षित किया है।

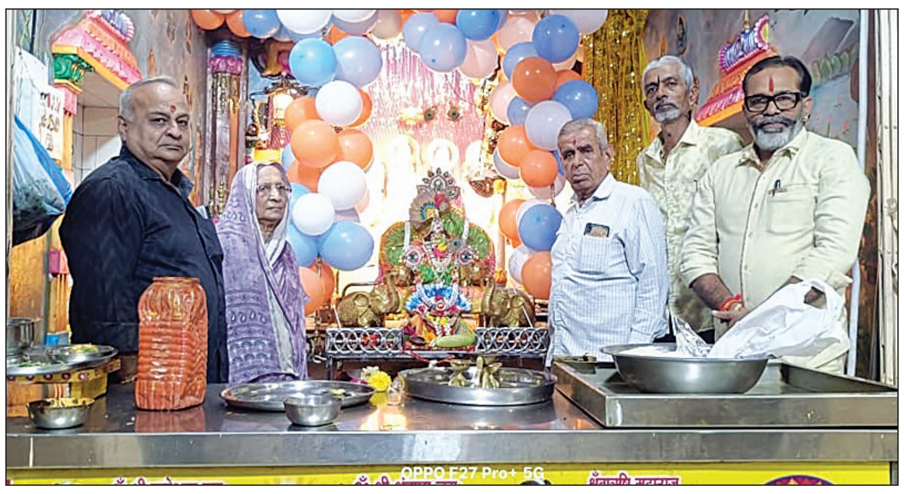

श्री रामदरबार पंचायती बाड़ा फिलखाना में भव्य रूप से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर पालने (झूले) में विराजे भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करते अनिल जायलवाल, कमलादेवी जयलवाल, रामदेव नागला, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी व कमलनारायण उपाध्याय।

फीलखाना स्थित रामपालजी चैंबर्स में श्री रामपालजी कन्हैयालालजी व्यास के निवास स्थान पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर, भगवान कृष्ण की मनमोहक और सुंदर झाँकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए सैकड़ों भक्त उपस्थित हुए। इस पावन पर्व पर परिवार के सदस्यों और स्वजाति बंधुओं ने भी दर्शन का लाभ उठाया।

अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच की आंध्र प्रदेश इकाई का गठन

पहली गोष्ठी का सफल आयोजन, सरिता सुराणा अध्यक्ष मनोनीत

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच ने अपनी नई आंध्र प्रदेश इकाई का गठन कर इसकी पहली मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया, जो देशभक्ति और स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित थी। इस आयोजन की अध्यक्षता मंच के संस्थापक नरेश नाज़ ने की, जिन्होंने सरिता सुराणा को इस नई इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से हुआ, जिसमें जम्मू से मकाम की राष्ट्रीय महासचिव सुमन पाल मुख्य अतिथि और तेलंगाना की इकाई अध्यक्ष डॉ. अर्चना पाण्डेय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सरिता सुराणा ने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया और अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि साहित्यिक और देशभक्ति भावना से ओतप्रोत योगदान देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करता है।कार्यक्रम में वरिष्ठ कवयित्री किरन सिंह ने सरस्वती वंदना से शुरुआत की, उसके बाद विमलेश सिंघी ने वीर जवानों को समर्पित कविता प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने जय जवान, सीमा प्रहरी, सरहद और दीपक जैसे शीर्षकों के माध्यम से शौर्य का संदेश दिया। राजस्थान से डा. निर्मला शर्मा ने स्वदेशी आंदोलन पर अपनी कविता कही, वहीं हर्षलता दुधोड़िया ने आल्हा छंद में शहीदों के नाम गीत प्रस्तुत किए।

उड़ीसा की रिमझिम झा ने देशभक्ति भाव से ओतप्रोत रचनाएँ पढ़ीं, जबकि ज्योति गोलामुडी ने वीरों के बलिदान की कविताएँ सुनाईं।

अमिता श्रीवास्तव ने अपने अनोखे अंदाज में भाव व्यक्त किए, और डॉ. अर्चना पाण्डेय ने वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी रचना प्रस्तुत की। सुमन पाल ने अपने अनुभव और विचार साझा किए, जिससे उपस्थित सभी प्रतिभागियों का मन प्रफुल्लित हो उठा।

अध्यक्षीय टिप्पणी में सरिता सुराणा ने सभी रचनाकारों की सराहना की और अपनी कविता 'आओ अमृत महोत्सव मनाएँ' प्रस्तुत की। गोष्ठी का समापन सभी प्रतिभागियों की रचनाओं और समर्पित भावना के साथ हुआ, जिसे उपस्थित सभी ने अत्यंत सफल और प्रेरणादायक माना।

यह आयोजन महिलाओं की साहित्यिक प्रतिभा और देशभक्ति भावना का प्रतीक बन गया है, जो महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति एक नई दिशा की ओर संकेत करता है। हर्षलता दुधोड़िया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमसीआरएचआरडी संस्थान ने आईटीईसी प्रतिभागियों के लिए वैश्विक उद्यमिता प्रशिक्षण शुरू किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार के डॉ. एम.सी.आर. एच.आर.डी. संस्थान ने 'उद्यमिता: सफल स्टार्टअप बनाना' विषय पर एक दो-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (खढएउ) पहल के तहत दुनिया भर के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया है।

संस्थान की उपाध्यक्ष और महानिदेशक (एफएसी), श्रीमती शांति कुमारी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं, ने अपने संबोधन में कहा कि उद्यमिता का मतलब सिर्फ व्यवसाय बनाना नहीं है, बल्कि यह नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और सतत विकास में योगदान देने के बारे में है। उन्होंने जोर दिया कि आज की दुनिया में स्टार्टअप भौगोलिक सीमाओं से बंधे नहीं हैं, बल्कि उनकी सोच और प्रभाव वैश्विक है।

श्रीमती शांति कुमारी ने भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि देश तेजी से दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है, जहाँ युवा उद्यमी और यूनिकॉर्न विभिन्न क्षेत्रों को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, और स्किल इंडिया जैसी प्रमुख सरकारी पहलों को एक जीवंत उद्यमी संस्कृति के लिए उत्प्रेरक बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को सोचो स्थानीय, काम करो वैश्विक के मंत्र का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे अपने देशों के लिए समाधान तैयार कर सकें और साथ ही बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी योगदान दे सकें।पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. माधवी रावुलापति ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी और इसके अनूठे पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में व्याख्यान, इंटरैक्टिव कार्यशालाएं और फील्ड विजिट शामिल हैं, जो प्रतिभागियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार मॉडल और विकास रणनीतियों की गहरी समझ प्रदान करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सीखने के लक्ष्यों को पूरा करना ही नहीं है, बल्कि ग्लोबल साउथ के देशों के बीच मजबूत संबंध और सहयोग को भी बढ़ावा देना है। डॉ. माधवी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों में उद्यमी मानसिकता को विकसित करेगा, सीमा पार सहयोग को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें अपने देशों में बदलाव लाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बनने के लिए सशक्त बनाएगा।

काव्य-धारा साहित्यिक समूह का वार्षिक सम्मेलन 24 को

इंदौर/हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काव्य-धारा साहित्यिक समूह और काव्य-धारा प्रकाशन 24 अगस्त, 2025 को श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति, रवींद्रनाथ टैगोर मार्ग, इंदौर में अपना सातवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। इस अवसर पर किसलय और मनीषा नामक दो साझा-संकलनों सहित कुल 8 नई पुस्तकों का भव्य लोकार्पण किया जाएगा।इस सम्मेलन में जिन पुस्तकों का लोकार्पण होगा, उनमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर विज्ञान व्रत की सामने है आईना, डॉ. रागिनी शर्मा की नित्यश्री, गीता अग्रवाल की काव्य तरणि, पायल शर्मा की तर्पण, रश्मि शर्मा की निशिगंधा, डॉ. संजीव धानुका की छोटे-छोटे डग, मंजू राठी की मनन का कथन, और मनोरमा शर्मा मनु की दरख्तों के साए शामिल हैं।

पुस्तक लोकार्पण के बाद, द्वितीय सत्र में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के कई प्रदेशों से आए कवि अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे। हैदराबाद के स्थानीय कवि भी इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम के मंच पर कई महान विभूतियां शोभा बढ़ाएंगी, जिनमें अध्यक्ष डॉ. राजीव शर्मा, मुख्य अतिथि विज्ञान व्रत, विशेष अतिथि हरे राम वाजपेई और विजय बागरी विजय तथा सम्मानित अतिथि डॉ. श्याम मनोहर सीरोठिया शामिल हैं।

काव्य-धारा की अध्यक्ष सुनीता लुल्ला द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आयोजन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय दिन साबित होगा, क्योंकि यह साहित्यिक समूह 2019 से साझा-संकलनों के माध्यम से साहित्य के सफर को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रहा है।

काव्य दर्पण, भाव समर्पण कवि सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, और अणुव्रत समिति, हैदराबाद ने मिलकर तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में एक भव्य कवि सम्मेलन काव्य दर्पण, भाव समर्पण का आयोजन किया। यह कार्यक्रम साध्वी श्री गवेषणा जी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में संपन्न हुआ।इस अवसर पर साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कर्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शुभ कर्मों के उदय होने पर जानवर भी सुख-सुविधाओं का भोग करते हैं, जबकि अशुभ कर्मों के कारण इंसान के बच्चों को भी दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से शुभ और अशुभ कर्मों से बचने का तरीका बताया।

कार्यक्रम में मुख्य कवियों के रूप में पायलट विकी खटेड़, ज्योति नारायण, सरला पी. भूतोडिया, हर्षलता दुधोडिया और विजय आंचलिया को आमंत्रित किया गया। सभी कवियों ने देशभक्ति और अन्य विषयों पर अपनी मनमोहक रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं का दिल जीत लिया।कार्यक्रम का संचालन दिलीप डागा ने किया। अणुव्रत समिति की मंत्री रीता सुराणा और महिला मंडल की सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने क्रमशः विकी खटेड़ और ज्योति नारायण का परिचय दिया।कार्यक्रम में अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, महिला मंडल की अध्यक्ष नमिता सिंधी, और तेयुप के अध्यक्ष राहुल गोलछा सहित लगभग 150 श्रोताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में, सभी कवियों को साहित्य मोमेंटो और शॉल देकर सम्मानित किया गया। महिला मंडल की सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अग्रवंशी युवा शाखा तेजस्वी नगर ने गौशाला में की सेवा

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवंशी युवा शाखा तेजस्वी नगर ने रविवार, 17 अगस्त 2025 को अत्तापुर स्थित काला हनुमान मंदिर गौशाला में अपनी साप्ताहिक बैठक और सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त सेवा कार्यक्रम के तहत, शाखा के सदस्यों ने गौशाला में 500 किलोग्राम सब्जी का दान किया। इसके अतिरिक्त, सभी उपस्थित सदस्यों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

इस सेवा कार्य में शाखा के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें अध्यक्ष ध्रुव अग्रवाल, उपाध्यक्ष ऋषभ अग्रवाल, मंत्री शैलेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव विधि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हर्ष बंसल और केएस सदस्य महेक अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, प्रथम अग्रवाल, निहाल सांघी, भूमिका अग्रवाल, आरती अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, आदित्य पित्ती, लवीन और पहेल अग्रवाल शामिल थे।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा का सावन-भादों वन विहार सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा द्वारा आयोजित सावन-भादों का वन विहार रविवार को सिरी नेचर वैली रिज़ॉर्ट, इब्राहीमपट्टनम में बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में लगभग 80 सदस्य बच्चों सहित भाग लेकर प्रकृति का आनंद उठाते हुए एक यादगार दिन बिताया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद नई गठित कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया, जिसकी अध्यक्षता सुनील मोदी ने की। अध्यक्ष सीमा मोदी ने अपने उद्बोधन में सभी सदस्यों को समाज की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

परंपरा के अनुरूप कविता गोयल को वरिष्ठ नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दंपति प्रतियोगिता थी, जिसमें समाज के कई जोड़े ने उत्साह के साथ भाग लिया। पुरस्कार विजेताओं में प्रथम स्थान पर आयुषी और संचित मोदी, जबकि द्वितीय स्थान पर कोमल और सौरभ अग्रवाल रहे।

रिज़ॉर्ट पहुंचते ही सभी का स्वागत वेलकम ड्रिंक्स से किया गया। इसके बाद सदस्यों ने वाटर राइड्स, बच्चों के विशेष पार्क, पैडल बोटिंग और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने पार्क में खेलकूद कर खूब मस्ती की, वहीं बड़ों ने प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया। मैजिक शो ने सभी का मन मोह लिया और माहौल को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में स्वादिष्ट लंच का आयोजन हुआ, जिसके बाद हाई-टी का आनंद लिया गया।

पूरे कार्यक्रम का संचालन कोमल अग्रवाल ने प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में संयुक्त सचिव संजय मोदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सफलता में सौरभ कुमार अग्रवाल (संयोजक), संजय गुप्ता, निखिल अग्रवाल (सह संयोजक) की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

इस आयोजन में रमेश कुमार गुप्ता, संजय मोदी, सुनील मोदी, टी.आर. गोयल, नवीन अग्रवाल, पराग अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, रचित अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया। यह आयोजन पारिवारिकता, सद्भाव और समाजिकता का प्रतीक रहा।

चिंतल स्थित पंवार निवास पर सीरवी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के कई वरिष्ठ सदस्यों और पदाधिकारियों ने भाग लिया।सम्मानित होने वालों में उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार और कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग शामिल थे।इस अवसर पर, समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें संतोष चोयल, शेषाराम पंवार, मांगीलाल काग, सुखाराम उदाराम, मंगलाराम काग, चुतराराम सोनपुरा, मोहनलाल काग, कानाराम बर्फा, भुण्डाराम वर्फा, राजुराम लचेटा, चंदणाराम चोयल, सोहनलाल हाम्बड़, अमेदाराम, चौथाराम पंवार और थानाराम पंवार शामिल थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.JC 731812F Sub Dhondwad Anil Bhairu of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son name is changed from SWAROOP to DHONDWAD SWAROOP ANIL and my another son name is also changed from SANGRAM to DHONDWAD SANGRAM ANIL

CHANGE OF NAME

I, JYOTI AD is legally wedded spouse of Army No. JC 731812F Sub Dhondwad Anil Bhairu R/o.Vill&post:Songaon, Teh&Dist:Satara, Maharashtra 415002 have changed my name from JYOTI AD to DHONDWAD JYOTI ANIL vide affidavit 18/08/25 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, MEENAKSHI SUNDARAM Father of Service No. 15172915K Hav (DS) MAGESH M, Resident of Vill and P. O:Nagavedu, Teh:Arakkonam, Dist:Vellore, Tamilnadu-631062 have changed my name from MEENAKSHI SUNDARAM to MEENATCHI SUNDHARAM CHINNASAMY vide affidavit dt:18-8-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.JC 733640K Sub LALCHAND GUPTA of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO that my father name and DOB is changed from RAMJEE GUPTA, DOB:17-5-1950 to RAMJI GUPTA, DOB:01-01-1939.

CHANGE OF NAME

I, MANGALA MATHI, is legally dependent Daughter of Service No. 2550732, Rank: LATE EX-SEP, Name: IRUDIANATHAN, Residing at H.No.2-9-58/202, F.No. 202, SECOND FLR, SREE SIDDHI AASHRAY APTS, BOLARUM, PO: ALWAL, Dist: Medchal-Malkajgiri, State: Telangana, Pin: 500010, I have Changed my Name from MANGALA MATHI to IRUDIA MANGALA MARY, That my date of birth is 12-12-1957, Affidavit P DAYAVATHI, LLM date 14/08/2025

महान लोगों की आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए मिलकर करें काम : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सभी को मिलकर महान व्यक्तियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रयास करना चाहिए। सोमवार को, सरदार सरवई पापन्ना गौड़ की जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में उन्होंने यह बात कही।

यह कार्यक्रम जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तत्वावधान में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया था। इस समारोह में जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड, गौड़ संघों के नेताओं और अन्य पिछड़ा वर्ग संघों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।कलेक्टर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सरदार पापन्ना गौड़ के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया, माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में, जिला कलेक्टर ने पापन्ना गौड़ को तेलंगाना के बहुजन राज्य का योद्धा और मुगलों के खिलाफ लड़ने वाला एक महान सेनानी बताया। उन्होंने कहा कि पापन्ना गौड़ ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी सेना बनाई और बहुजनों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने सभी से ऐसे महान लोगों के विचारों को साकार करने और जन कल्याण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर, जिला पिछड़ा वर्ग विकास अधिकारी सजीवन, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़, जिला जनजाति विकास अधिकारी रमादेवी, नेता अजमीरा श्याम नायक, गौड़ा संगम के जिला अध्यक्ष सुदर्शन गौड़, पिछड़ा वर्ग संघ के प्रतिनिधि रमेश, प्रणय और विभिन्न संघों के सदस्य तथा अधिकारी उपस्थित थे।

निर्माण कार्य का निरीक्षण और निर्देश

यदाद्रि/भुवनगिरि, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदाद्रि भुवनगिरि जिला कलेक्टर ने निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और मंडल परिषद विकास अधिकारी से गाँव में चल रहे कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से पूछा कि कितने आवास निर्माणाधीन हैं और वे किस स्तर पर हैं।

निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने उन आवासों को देखा जहाँ काम दाल (नींव) तक पूरा हो चुका है और स्लैब स्तर तक का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने लाभार्थियों से सीधे बात करके यह भी सुनिश्चित किया कि उन्हें बिल का भुगतान समय पर मिल रहा है। लाभार्थियों ने पुष्टि की कि भुगतान सीधे उनके खातों में जमा कर दिया गया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन आवासों का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। इस निरीक्षण के दौरान, एमपीडीओ, आवास कर्मचारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंदिर में चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

मंचेरियाल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के सब-डंस्पेक्टर राजशेखर ने कहा कि रामकृष्णपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र बोक्कलगुट्टामें गांधारी मैसम्मा मंदिर में चोरी हुई और आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया रविवार को पुलिस स्टेशन में आयोजित एक बैठक में विवरण का खुलासा किया गया जब पुजारी रविवार सुबह मंदिर में आए तो उन्होने ताले टूटे हुए पाए अंदर की हंडी टूटी हुई थी और उपहार चोरी हो गए इस बीच मंदिर समिति के सदस्यों की शिकायत पर तुरंत विशेष टीमों का गठन किया गया उन्होंने कहा कि कयतनपल्ली में चार संदिध लोगों को देखा गया था और जब उन्होंने पुलिस को देखा तो उन्होंने भागने की कोशिश की पीर उनमें मेंसेतीन को पकड़ लिया गया उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने चोरी की बात कबूल कर ली और उनके पास से 4,000 रूपये नकद जब्त किए गए उन्होंने कहा कि एक अन्य व्यक्ति फरार है इस संबंध तीन आरोपियों कुंतला भीमिया, मदका चिरंजीवी और कदमंची श्रीनिवास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सिंगरेनी ने की रामागुंडम क्षेत्र में नए पहचाने गए कोयला भंडारों की खोज

मंचेरियाल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने रामागुंडम क्षेत्र में नए कोयला भंडार की पहचान की है क्षेत्र के विभिन्न भागों में सर्वेक्षण कर रहे अन्वेषण विभाग ने गोदावरीखानी शहर के बाहरी इलाके में भंडार की खोज की है प्रारंभिक अध्ययनों से पता चला है कि गोदावरी नदी के तट पर सम्मक्का-सरक्का जतारा स्थल के पास 250 मीटर की गहराई पर लगभग 3 करोड़ टन कोयला मौजूद है यह जमाव 5.5 मीटर और 3 मीटर मोटाई वाली दो परतों में पाया गया है सिंगरेनी के अधिकारियों ने जीडीके-ख इनक्लाइन खदान से सुरंग बनाने सहित उत्खनन के विकल्पों का आकलन शुरू कर दिया है उच्च-दीवार खनन तकनीक के माध्यम से कोयला निकालने की भी संभावना है कई मौजूदा खदानें लगभग समाप्त होने के कगार पर हैं इसलिए कंपनी ने गोदा-वरीखानी जीडीके-5 ओपनकास्ट खदान ओसीपी-2 और अद्रियाला लॉन्गवॉल परियोजना के पोचम्मा मंदिर के पास के बाहरी इलाकों में अन्वेषण कार्य तेज़ कर दिया है अधिकारी खनन कार्य को सुगम बनाने के लिए नए भंडारों को मौजूदा खदानों से जोड़ने की व्यवहार्यता की जाँच कर रहे हैंइस क्षेत्र में कोयला भंडार पहली

बार 1959 में रामागुंडम मंडल के जनगांव के पास खोजे गए थे एससीसीएल ने जीडीके-ख में 24 मिलियन टन कोयला भंडार की पहचान की और 1961 में खनन शुरू किया अब तक, लगभग 21 मिलियन टन कोयला निकाला जा चुका है और अभी भी तीन मिलियन टन कोयला बचा है जिसके अगले 12 वर्षों तक चलने की उम्मीद है।

वर्तमान में आरजी-1आरजी-2, आरजी-3 और एड्रियाला लॉन्गवॉल परियोजना में भूमिगत और खुली खदानों में कोयला उत्पादन चल रहा है जिसमें सबसे अधिक उत्पादन रामागुंडम क्षेत्र की चार खुली खदानों से हो रहा है।

निलवाई पुलिस थाने के उप-निरीक्षक सुरेश को निलंबित कर दिया

चेन्नूर , 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल जिला के निलवाई पुलिस थाने के उप-निरीक्षक सुरेश को निलंबित कर दिया गया है, उन पर पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में हस्तक्षेप करने और पीड़ित से रिश्वत मांगने का आरोप था, ऐसा प्रतीत होता है।

कि रिश्वत न देने पर पीड़ित की पिटाई की गई, अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित अल्लानु किस्टाया की शिकायत के आधार पर जयपुर के एसीपी वेंकटेश्वरलु ने जाँच की और आरोप सही पाए, स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरेश, एक महीने पहले निलवाई पुलिस स्टेशन में तबादला हुआ था, पर विभिन्न अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप करने और कई लोगों के साथ मारपीट करने का आरोप है।

ठेका मज़दूर संघ के जेएसी नेताओं का 22 को विरोध प्रदर्शन

मंचेरियल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ठेका मज़दूर संघ के जेएसी नेता टोकला रमेश ने कहा कि वे सिंगरेनी में ठेका मज़दूरों का वेतन बढ़ाने के लिए इस महीने की 22 तारीख को हैदराबाद में प्रजा भवन के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। रविवार दोपहर इस संबंध में बोलते हुए, उन्होंने प्रबंधन पर ठेका मज़दूरों के प्रति लापरवाही बरत ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनावों के दौरान किए गए वादों के अनुसार मज़दूरों का वेतन बढ़ाने में विफल रही है।

जला प्रभारी मंत्री का दौरा 20 को

आसिफाबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।राज्य के आबकारी, मद्य निषेध, पर्यटन, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव इस महीने की 20 तारीख को जिले में आएंगे, मंत्री कसुला के अतिरिक्त निजी सचिव ननिल कुमार ने एक बयान में बताया। उन्होंने कहा कि वे 20 तारीख को सुबह 8.40 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे।

ताड़ के पेड़ से गिरकर मजदूर की मौत

यदाद्रि/भुवनगिरि, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदागिरिगुट्टा मंडल के चिन्नाकंदुकुरु गाँव में एक ताड़ के पेड़ से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई।

यह दुखद घटना आज सुबह हुई। गाँव के 58 वर्षीय नल्लमासा शंकरैया हमेशा की तरह ताड़ का रस इकट्ठा करने गए थे।

रस निकालते समय, उनका संतुलन बिगड़ गया और वह पेड़ से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।इस दुखद घटना के बाद, यदाद्री भुवनगिरी जिला समिति के सदस्यों ने आबकारी विभाग के अधिकारियों से अपील की है कि वे मृतक के परिवार को सरकार द्वारा निर्धारित अनुग्रह राशि तुरंत प्रदान करें।

किनवट और माहुर में भारी बारिश से आई बाढ़ विधायक ने की मुख्यमंत्री से मदद की अपील

किनवट, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 15 और 16 अगस्त को हुई भारी बारिश के कारण किनवट और माहुर तालुकों मेंबाढ़ आ गई है। इस आपदा से बड़े पैमाने पर कृषि भूमि नष्ट हो गई है, फसलों को 100% नुकसान हुआ है और कई घर ढह गए हैं।इन गंभीर हालातों को देखते हुए, किनवट-माहुर के विधायक भीमरावजी केराम ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक ज्ञापन भेजकर प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए तत्काल आर्थिक सहायता, विशेष अनुदान और मुआवज़ा देने की मांग की है।आधिकारिक बयान के अनुसार, बाढ़ ने दोनों तालुकों में भारी तबाही मचाई है।माहुर तालुका में 16,327 किसान प्रभावित हुए हैं और 17,283 हेक्टेयर में लगी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। इसके अलावा, 76 घर और एक दुधारू पशु भी बाढ़ के पानी में बह गए।किनवट तालुका में 44,356 किसान प्रभावित हुए हैं। कपास, सोयाबीन, अरहर और मक्का जैसी प्रमुख फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है।बाढ़ के कारण कई पुल और सड़कें भी बह गई हैं, जिससे यातायात बाधित हो गया है। इस दुखद घटना में एक स्कूल बस चालक सहित दो लोगों की मौत भी हो गई है

।विधायक केराम ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रभावित किसानों और परिवारों को तुरंत आर्थिक सहायता दी जाए। कृषि आदानों के नुकसान की भरपाई के लिए विशेष सब्सिडी प्रदान की जाए। सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए और खतरनाक स्थानों पर सुरक्षा दीवारें बनाने के लिए धनराशि जारी की जाए।

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए : वेंकटेश

आसिफाबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकारी स्कूलों और कल्याण छात्रावासों में पढ़ने वाले छात्रों को गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सोमवार को उन्होंने जिले के आसिफाबाद मंडल के येल्लाराम गाँव स्थित मंडल परिषद प्राथमिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया और छात्रों व शिक्षकों की उपस्थिति, भोजन की गुणवत्ता और कक्षाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ

छात्रों को मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की सुविधा के लिए सभी सरकारी स्कूलों में सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराने और अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्रों पर विशेष ध्यान दें और उनके अभिभावकों से बात करें ताकि वे स्कूल न छोड़ें।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में छात्रों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए और विद्यालय के आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखा जाना चाहिए।इस कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी उदय बाबू, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बाढ़ के पानी को घरों में घुसने से रोकने के वैकल्पिक इंतजाम : तिवारी

आसिफाबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि भारी बारिश के कारण आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ के पानी को घुसने से रोकने के लिए वैकल्पिक उपाय किए जाएँगे। सोमवार को उन्होंने जिले के रेब्बेना मंडल केंद्र के रेब्बेना गाँव स्थित एन.टी.आर. कॉलोनी का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि भारी बारिश के मद्देनजर निचले और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठा रही है। उन्होंने अधिकारियों को बारिश के पानी को घरों में घुसने से रोकने के लिए उचित वैकल्पिक इंतजाम करने, नहरों से गाद हटाने और बाढ़ के पानी के बहाव मार्ग में किए जाने वाले मरम्मत कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य शुरू किए जाएँ और लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि क्लोरीनीकरण, ब्लीचिंग, फॉगिंग और ऑयल बॉल छिड़काव का कार्य समय पर किया जाना चाहिए।इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

महाराष्ट्र बाढ़ में जगतियाल की तीन महिलाओं समेत चार लोग लापता

मंचेरियल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र में आई बाढ़ में जगतियाल कस्बे की तीन महिलाओं समेत चार लोग लापता हो गए लापता लोगों की पहचान टीआर नगर निवासी अफरीना, हसीना, समीना और सोहेब के रूप में हुई है यह समूह दो दिन पहले एक बाबा से मिलने महाराष्ट्र गया था और लौटते समय कथित तौर पर एक दुर्घटना का शिकार हो गयापिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश के कारण ज़्यादातर जलाशय उफान पर है उदगीर के पास आधी रात के आसपास उनकी गाड़ी बाढ़ के पानी में फंस गई सोहेब तो किसी तरह बच निकले लेकिन तीन महिलाएँ और ड्राइवर बह गए बह जाने से पहले अफ़्रीना,जिसके छोटे बच्चे हैं अपने पति सलीम को फ़ोन करके बच्चों की देखभाल करने को कहा था इसके तुरंत बाद उसका फ़ोन बंद हो गया परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने तेलंगाना सरकार से अनुरोध किया है कि वह लापता व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए महाराष्ट्र के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करे।

गणेश प्रतिमाओं की स्थापना हेतु अनुमति ऑनलाइन देनी होगी : किशोर

मंचेरियाल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस महीने की बुधवार, 27 तारीख को विनायक चतुर्थी उत्सव के अवसर पर, रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय के पेड्डापल्ली मंचेरियाल क्षेत्र में स्थित मंडपों में गणेश प्रतिमाएँ स्थापित करने और उत्सव मनाने के इच्छुक लोगों को पुलिस विभाग से अनुमति लेनी होगी.और प्रतिमाओं की स्थापना से संबंधित पूरी जानकारीइस ऑनलाइन लिंक https://policeportal.tspolice.gov.in/index.htm पर क्लिक करें और आवेदक का

विवरण,देने के लिए पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा है।

पेद्दापल्ली और मंचेरियाल जिला के नगर और गांवों में कार्यरत गणपति मंडप प्रबंधकों को इस वेबसाइट पर अपना विवरण शामिल करने की सलाह दी, यदि विवरण ऑनलाइन उपलब्ध नहीं हैं, तो उन्हें निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की सलाह दी गई,उन्होंने बताया कि कमिश्नरेट पुलिस तंत्र 24 घंटे उपलब्ध है और किसी भी आपात स्थिति में, उन्हें तुरंत डायल 100 पर संपर्क करना चाहिए, सीपी ने कहा कि जो लोग मंडपों में गणेश प्रतिमा स्थापित करके उत्सव का आयोजन करते हैं, उन्हें पुलिस विभाग के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने आंध्र प्रदेश को 29,000 मीट्रिक टन यूरिया का आश्वासन दिया

विजयवाड़ा/नई दिल्ली, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री जे.पी. नड्डा ने आंध्र प्रदेश में यूरिया की कमी को दूर करने के लिए 21 अगस्त तक 29,000 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित करने का आश्वासन दिया है।आज, आंध्र प्रदेश के शिक्षा, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस बैठक में राज्य में यूरिया की तत्काल कमी और अन्य विकास पहलों पर चर्चा हुई।बैठक के दौरान, मंत्री लोकेश ने चल रहे खरीफ सीजन के बीच यूरिया की गंभीर कमी पर प्रकाश डाला और केंद्र सरकार से

किसानों की मदद के लिए तुरंत आवश्यक आपूर्ति आवंटित करने का अनुरोध किया। इस पर, केंद्रीय मंत्री नड्डा ने 21 अगस्त तक 29,000 मीट्रिक टन यूरिया आंध्र प्रदेश को आवंटित करने का आश्वासन दिया, जिससे यह कमी प्रभावी ढंग से दूर हो जाएगी।लोकेश ने स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए राज्य में एक प्लास्टिक पार्क स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा।शैक्षणिक बुनियादी ढांचे के संबंध में, मंत्री ने विशाखापत्तनम में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (छखझएठ) के लिए एक स्थायी परिसर स्थापित करने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए 100 एकड़ भूमि की पहचान कर ली गई है और इसके विकास के लिए आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया।श्री लोकेश ने केंद्रीय मंत्री नड्डा को गठबंधन सरकार के पिछले 14 महीनों में विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति से भी अवगत कराया और लंबित परियोजनाओं के लिए केंद्र से समर्थन मांगा।

श्रीमद् भागवत कथा : राघवाचार्य जी महाराज ने श्री कृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा की महिमा बताई

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

हिमायनगर स्थित होटल प्लैटिनम में मधुसूदन-ललिता मोदानी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का पाँचवाँ दिन सोमवार को भक्ति और आनंद के माहौल में संपन्न हुआ। प्रख्यात कथावाचक पं. राघवाचार्य जी महाराज ने भक्तों को श्री कृष्ण बाल लीला, श्री गोवर्धन पूजा, और छप्पन भोग दर्शन की कथाओं का रसपान करवाया। उन्होंने इन कथाओं के आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भक्तों को भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में लीन किया। इस अवसर पर मधुसूदन मोदानी, ललिता मोदानी और उनके परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पं. राघवाचार्य जी महाराज ने अपनी मधुर और प्रेरक वाणी में श्रीमद् भागवत पुराण की कथाओं को जीवंत कर भक्तों को भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं के रस में डुबो दिया। उन्होंने श्री कृष्ण बाल लीला की कथाएँ सुनाते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण की बचपन की लीलाएँ न केवल मनोरंजक हैं, बल्कि उनमें गहरे आध्यात्मिक और नैतिक संदेश छिपे हैं। माखन चोरी, कालिया मर्दन, और गोपियों के साथ रासलीला जैसी कथाओं के माध्यम से उन्होंने समझाया कि श्री कृष्ण की हर लीला हमें प्रेम, निश्छलता, और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा,श्री कृष्ण की बाल लीलाएँ हमें सिखाती हैं कि जीवन में सच्चाई और प्रेम के साथ जीना ही सच्चा आनंद है। उनकी नटखट लीलाएँ हमें यह भी बताती हैं कि भगवान अपने भक्तों के बीच सदा सुलभ और प्रेममय रूप में रहते हैं।इसके बाद, श्री गोवर्धन पूजा की कथा का वर्णन करते हुए राघवाचार्य जी ने बताया कि जब श्री कृष्ण

ने गोवर्धन पर्वत को अपनी अँगुली पर उठाकर इंद्र के अहंकार को चूर किया, तो उन्होंने प्रकृति और भक्ति के महत्व को स्थापित किया। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और भगवान के प्रति समर्पण की शिक्षा देती है। उन्होंने कहा,

गोवर्धन पूजा हमें सिखाती है कि प्रकृति और भगवान एक-दूसरे से जुड़े हैं। हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति को दृढ़ करना चाहिए।

छप्पन भोग दर्शन की महिमा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि गोवर्धन पूजा के बाद गोपियों और नंद बाबा ने भगवान श्री कृष्ण को छप्पन प्रकार के भोग अर्पित किए, जो भक्ति और कृतज्ञता का प्रतीक है। यह भोग भक्तों को यह संदेश देता है कि हमें भगवान को अपने मन की शुद्ध भावनाओं के साथ सब कुछ समर्पित करना चाहिए।

पं. राघवाचार्य जी ने कथा सुनने के आध्यात्मिक लाभों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से मन की शुद्धि होती है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं।

आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है।जीवन में प्रेम, शांति, और समृद्धि का आगमन होता है।कर्मों का शुद्धिकरण होता है, जो मोक्ष के मार्ग को प्रशस्त करता है।उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि वे हरे कृष्ण हरे राम मंत्र का जप करें, भगवान श्री कृष्ण की पूजा करें, और उनके गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण की भक्ति से जीवन की हर बाधा को पार किया जा सकता है।

पाँचवें दिन की कथा में होटल प्लैटिनम का सभागार भक्तों की भीड़ से खचाखच भरा हुआ था। हजारों श्रोताओं ने कथा का रसपान किया और राधे-राधे, जय श्री कृष्ण, और हरि बोल के जयघोष के साथ अपनी भक्ति को व्यक्त किया। कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था, और माहौल भक्ति और आनंद से परिपूर्ण था।

इस अवसर पर मधुसूदन मोदानी, ललिता मोदानी, और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राधे राधे ग्रुप ने किया नित्य अन्न प्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद ने दि. 18 अगस्त 2025, सोमवार को नित्य अन्न प्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा पब्लिक गार्डन, पिलर-1265, नामपल्ली, और बेगमबाजार स्थित गौशाला के पास, पुल की माता में सुबह 7:01 बजे शुरू हुई।

यह आयोजन भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि के पावन अवसर पर किया गया।

इस सेवा का विशेष महत्व दिवंगत हर्षली गुप्ता की मासिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में था। यह पुण्य सेवा मैसर्स विष्णु एजेंसीज, सुल्तान बाजार और श्री विनोदकुमारजी अग्रवाल परिवार द्वारा संपन्न की गई, जिन्होंने इस नेक कार्य में अपना योगदान दिया।यह सेवा सामाजिक सद्भाव और दान की भावना को दर्शाती है, जिससे जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ मठ में सुंदरकांड का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ मठ माधवदास झीरा में प्रमोद कुमार व्यास परिवार द्वारा सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मठ में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा, जिसमें समाज के गणमान्य व्यक्तियों और भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी ने सभी उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया और सनातन धर्म की सेवा में निरंतर योगदान देने का संदेश दिया।

सुंदरकांड के पाठ और भक्ति भजनों से मठ का परिसर भगवान श्री राम और हनुमान जी की भक्ति से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी ने अपने आशीर्वचन में कहा,सुंदरकांड का पाठ भगवान श्री राम और हनुमान जी की भक्ति का प्रतीक है। यह हमें निस्वार्थ सेवा, भक्ति, और समर्पण की प्रेरणा देता है। प्रमोद कुमार व्यास परिवार की ओर से आयोजित यह पाठ सनातन धर्म की सेवा का एक अनुपम उदाहरण है।

ऐसे ही भगवत भक्ति और समाज सेवा में सभी को योगदान देना चाहिए।

स्वामी जी ने भक्तों को प्रेरित करते हुए कहा कि सुंदरकांड का पाठ न केवल मन को शांति प्रदान करता है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार व्यास और नेहा व्यास की पुत्री यातिका के जन्मदिन पर मठाधिपति स्वामी जी ने विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने यातिका के उज्ज्वल भविष्य और सुखमय जीवन की कामना की।

इस पावन अवसर पर यातिका और उनके परिवार की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

आयोजन में लव फॉर काऊ के जसमत भाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार, आलोक प्रसाद तिवारी, दुर्गा प्रसाद दुबे, राहुल अवस्थी, प्रकृति पांडेय और जितेंद्र कुमार अवस्थी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, गुलाबचंद देवड़ा, गोपाल किशन बंग, ओमप्रकाश गुप्ता, इंदिरा गुप्ता, जयश्री देवड़ा, और व्यास परिवार ने भी सुंदरकांड के पाठ में भाग लिया।

भक्तों ने भक्ति भजनों और हनुमान चालीसा के पाठ के साथ भगवान श्री राम और हनुमान जी की आराधना की। मठ का परिसर जय श्री राम और जय हनुमान के जयघोष से गूंज उठा।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 24^0
न्यूनतम : 22^0

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.